Teacher's Manual

सामाजिक अध्ययन

6, 7 & 8

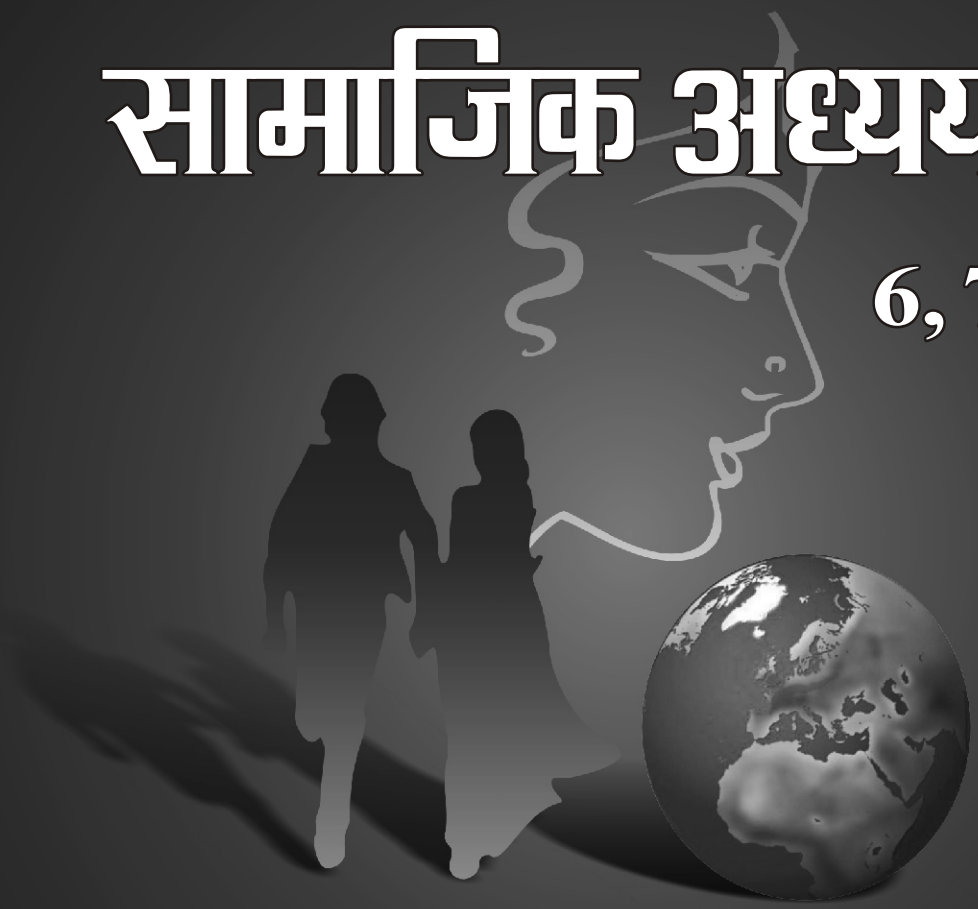

DE NOVO DECENT PUBLICATIONS (INDIA)
10734, JHANDEWALAN ROAD, NEW DELHI-055

इकाई-I : हमारा इतिहास

1. कब, कहाँ और कैसे

(क) 1. लेखों के टुकड़े, भित्ति चित्र या कुछ टूटे बर्तन आदि। 2. धरती को खुदवाकर दबे हुए अवशेषों को निकलवाकर। 3. हाँ; ये प्राचीन राजाओं के नामों और तिथियों, उनके साम्राज्यों के विस्तार तथा शासन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं आदि के विषय में विस्तृत सूचना उपलब्ध कराते हैं। 4. लेखन के आविष्कार से पूर्व की वह अवधि जिसके कोई लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि इसकी जानकारी खुदाई के दौरान प्राप्त अवशेषों से होती है। 5. पाण्डुलिपियों पर।

(ख) 1. इतिहास अतीत का अध्ययन है। हम अतीत का अध्ययन वर्तमान की घटनाओं को समझने के लिए करते हैं। 2. **प्रागैतिहास**–यह वह अवधि थी जब लेखन का आविष्कार नहीं हुआ था, इसलिए कोई लिखित प्रमाण उपलबध नहीं है। **इतिहास**–लेखन के आविष्कार के पश्चात् की अवधि है। 3. अतीत के लिखित प्रमाण पत्थरों, स्तम्भों, गुफाओं की दीवारों, मिट्टी व तांबे की टिकलियों, ताड़ की पत्तियों तथा भोज वृक्ष की छाल और बाद में कागज पर उपलब्ध हैं। 4. सिक्के सूचना का एक अति मूल्यवान स्रोत हैं। 5. अभिलेख पुरातात्विक स्रोत के पदार्थ हैं।

(ग) 1. अतीत के लिखित प्रमाणों को पाण्डुलिपियाँ कहते हैं। 2. सिक्के व स्मारक 3. वेद और पुराण।

(घ) 1. वर्तमान 2. प्रागैतिहास 3. पुस्तकों 4. सूचना 5. हर्ष 6 फाह्यान, ह्वेनसांग।

(ङ) 1. एक व्यक्ति जो पुरातत्व का अध्ययन करता है। 2. इंडिका लिखी। 3. अभिज्ञान शाकुंतलम् लिखी। 4. एक चीनी यात्री था।

(च) 1. (ख) 2. (क) 3. (घ) 4. (घ) 5. (ख) 6. (घ) 7. (ग)

2. भोजन एकत्रित करने से उगाने तक

(क) 1. यह एक कठोर, धूसर रंग का पत्थर होता था। इसे सरलता से तोड़ा और आकार दिया जा सकता था। 2. क्योंकि एक स्थान विशेष पर भोजन कुछ ही समय में समाप्त हो जाता था, इसलिए उसका कोई स्थायी निवास नहीं था।

(ख) 1. प्रकृति की पूजा, पूर्वजों की पूजा, मृतकों की पूजा, अलौकिक शक्ति में विश्वास। 2. आदिमानव ने अपने भोजन का उत्पादन करना सीखा। 3. कुत्ता, पालतू पशु इच्छानुसार दूध और माँस उपलब्ध कराते थे। मानव ने इन पशुओं का उपयोग गाड़ी को खींचने तथा वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए किया।

(ग) 1. भेड़, बकरी, कुत्ता 2. अपने भोजन का उत्पादन करना सीखा, वे भोजन और शरण की तलाश में घुमक्कड़ नहीं रह गए थे। 3. पहिए वाली गाड़ी बनी जिससे भारी बोझ को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया गया, पहिए का प्रयोग सुन्दर बर्तन बनाने में भी किया गया।

(घ) **पुरा पाषाण काल :** पुरा पाषाण काल 500,000 से 10,000 ई०पू० तक था, इस काल में आदिमानव खानाबदोश जीवन व्यतीत करता था, उसका जीवन जंगल के जानवरों से कुछ ही अच्छा था। **नव पाषाण काल :** यह काल 10,000 से 4,000 ई०पू० तक था, मानव ने गाँवों में एक व्यवस्थित जीवन जीना आरम्भ किया। उन्होंने नदियों के किनारे छोटी झोंपड़ियाँ बनाईं।

(ङ) 1. आखेटक, खानाबदोश प्राणी 2. सूर्य, चन्द्रमा, तारों, वर्षा 3. हड्डियों, सींगों, लकड़ी, पत्थर 4. कुत्ता, भेड़, ऊँट 5. नव पाषाण।

(च) 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य 6. सत्य 7. असत्य।

(छ) 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

3. प्रथम नगर : हड़प्पा की सभ्यता

(क) 1. (i) नगरों की सड़कें और गलियाँ योजना के अनुसार ही बनाई जाती थीं। (ii) सड़कें चौड़ी थीं। निश्चित दूरी पर दीपकों के खम्बे थे। 2. गंदा पानी नालियों द्वारा मुख्य नालों में आता था। जल की आपूर्ति अच्छी थी। 3. बड़ी संख्या में खिलौने और गुड़ियाँ भी खुदाई में प्राप्त हुई हैं। लोग बच्चों के खेलने की वस्तुओं का भी ध्यान रखते थे। 4. 'देवी माँ' को समस्त शक्ति और रचना का स्रोत माना गया, शिव या पशुपति की पूजा हिन्दुवाद से मिलती है। 5. कृषि, पशुओं को पालतू बनाना, शिल्प कला

(ख) 1. लोथल, कालीबंगा, रोपड़ आलमगिरी, बनवाली 2. 2600 ई०पूर्व 3. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा 4. पासे का खेल और जुआ 5. भूकम्प, जलवायु परिवर्तन या महामारी।

(ग) 1. बैल, भेड़। 2. बड़े अन्न भण्डार गृह। 3. सभा कक्ष।

(घ) 1. 4600 2. हड़प्पा 3. कुम्हार 4. गेहूँ, बाजरा।

(ङ) 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. असत्य।

(च) 1. (घ) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख)।

4. वैदिक संस्कृति

(क) 1. साहित्यिक और पुरातात्विक 2. आर्यों का सामाजिक जीवन का आधार पितृसत्तात्मक संयुक्त परिवार था। कुल को वयोवृध व्यक्ति द्वारा संचालित किया जाता था। 3. मानव जीवन का औसत समय 100 वर्ष आंका जाता था। इसे चार 'आश्रमों या 25-25 वर्ष की चार अवस्थाओं में विभाजित किया गया था–'ब्रह्मचर्य', 'गृहस्थ', 'वानप्रस्थ' और 'सन्यास'। 4. धर्म जटिल हो गया था। 5. (i) ब्राह्मण या पुजारी आध्यात्मिक या धार्मिक कार्य करते थे। (ii) वैश्य मुख्यत: कृषक और शिल्पकार थे। (iv) शुद्रों में दास या वे आर्य आते थे जो सामाजिक नियमों का उल्लंघन करते थे।

(ख) 1. वैदिक काल में 2. वेद इस काल में विषय में सूचना के प्रमुख स्रोत हैं। 3. ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद 4. सभा जन समस्याओं पर विचार करने वाला एक समूह है तथा समिति एक संस्था है जिससे राजा समय-समय पर सलाह लेता है। 5. साहित्य; जैसे–वेद, ब्राह्मण, आख्यक सूत्र और उपनिषद की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। 6. प्रकृति की पूजा और यज्ञ करना 7. संगीत, नृत्य, आखेट, घुड़सवारी, रथों की दौड़ तथा पासे से जुआ। 8. **वर्ण**–जातियों का समूह। **जाति**–परम्परागत।

(ग) 1. ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद 2. सप्त सिंधु 3. पुरोहित और सेनानी 4. पीपल का वृक्ष 5. निष्का 6. सर्वोच्च शक्ति प्राप्त करने के लिए। 7. ब्रह्मा, विष्णु, शिव 8. हस्तिनापुर, इंद्रप्रस्थ, काशी।

(घ) 1. गाय 2. राजन 3. सप्त सिंधु 4. कृषि 5. जन 6. हिंदुत्व 7. गुरुकुल

(ङ) 1. (अ)–(ख), (ब)–(क), (स)–(घ), (द)–(ग) 2. (अ)–(ख), (ब)–(क), (स)–(घ), (द)–(ग)

(च) 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. असत्य 6. सत्य 7. असत्य 8. असत्य

(छ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क)

5. आरम्भिक राज्य : राज्य और गणतन्त्र

(क) 1. राजा बिम्बसार और अजातशत्रु की कुशल नीतियों के कारण। 2. राजा बिम्बसार ने अन्य राज्यों के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखे। 3. मगध राज्य में राजा ही सबसे शक्तिशाली व्यक्ति था। वह राज्य का प्रतिनिधित्व करता था। उसके पास एक सेना थी जो लोगों से करों की वसूली किया करती थी। 4. अधिकारियों को वेतन देने, सड़कों का निर्माण करने, कुओं, नहरों का निर्माण करने और ब्राह्मणों को सहायता देने के लिए करों का संग्रहण किया जाता था। कृषि-उत्पादन राजस्व प्राप्ति का मुख्य स्रोत था।

(ख) 1. जिसमें लोगों द्वारा चुनी गई सरकार की स्थापना हो। 2. (i) जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती गई, गाँव भी अपने आकार और जनसंख्या में बढ़ने लगे। (ii) व्यवसाय आसान हो गया।

(ग) 1. बिम्बसार 2. बिम्बसार, अजातशत्रु और शिशुनाग 3. बौद्ध धर्म और जैन धर्म 4. आर्यों द्वारा कुछ जनपदों को आपस में मिलाकर अथवा विजय प्राप्त करके बनाया गया एक बड़ा राज्य।

(घ) 1. शासक 2. अजातशत्रु 3. ब्राह्मणवाद 4. जाति व्यवस्था

(ङ) 1. (ग) 2. (घ) 3. (ख) 4. (क)

(च) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत

(छ) 1. (घ) 2. (क) 3. (ख)

6. नवीन विचारों का प्रादुर्भाव

(क) 1. प्रमुख उपनिषद हैं : छन्दोग्य, बृहदरण्यक, तैतिरीय, इसा, कथा, अत्रेय, केन, मुण्डक, श्वेताश्वत्रा, प्रसना और मण्डुक्य। 2. अहिंसा और कर्म में विश्वास। 3. ताकि वे किसी कीट का अपनी सांस द्वारा भक्षण न कर लें। 4. (i) अच्छे कर्मों का फल अच्छा और बुरे कर्मों का फल बुरा होता है। (ii) जीव का शरीर मृत्यु को प्राप्त होता है लेकिन आत्मा चूँकि अमर है अत: वह एक नए शरीर में प्रवेश कर लेती है। 5. (i) मानव जीवन दु:खों से भरा है। (ii) इन दु:खों का कारण तृष्णा है। (iii) इस तृष्णा का त्याग ही दु:खों का समाधान है। (iv) अष्टांगिक मार्ग का पालन करके तृष्णा को समाप्त किया जा सकता है। 6. (i) पूर्ण आस्था। (ii) सही विचार। (iii) उचित व्यवहार। (iv) सत्कर्म। (v) उचित निर्वाह। (vi) उचित प्रयास। (vii) उचित विवेक। (viii) उचित साधना।

(ख) 1. हिन्दु धर्मग्रन्थों के वे भाग हैं जो दर्शन और अध्यात्म का विवेचन करते हैं। 2. सही विश्वास करना, सही ज्ञान प्राप्त करना और सही आचरण करना। 3. कर्म मार्ग, ज्ञान मार्ग और भक्ति मार्ग। 4. आत्मा का शरीर की मृत्यु के पश्चात् दूसरे शरीर में प्रवेश करना। 5. जीवन का मुख्य उद्देश्य निर्वाण अथवा मोक्ष प्राप्त करना है और स्वयं को जीवन-मरण के चक्र से मुक्त कराना है।

(ग) 1. गौतम बुद्ध 2. किसी जीवित प्राणी को कोई चोट न पहुँचाना। 3. नेपाल में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक स्थान पर। 4. भगवान महावीर।

(घ) 1. संस्थापक 2. विहारों 3. भगवान महावीर 4. जैन।

(ङ) 1. (घ) 2. (क) 3. (ङ) 4. (ख) 5. (ग)

(च) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 4. सही।

(छ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ग) 6. (क) 7. (क) 8. (ग) 9. (क)

7. मौर्य साम्राज्य

(क) 1. अशोक ने प्रतिज्ञा की कि वह कभी युद्ध नहीं करेगा और बाकी बचे जीवन को धर्म सन्देश को फैलाने में अर्पित कर देगा। 2. अशोक ने अपनी प्रजा से सीधे संवाद स्थापित करने हेतु अध्यादेश प्राकृत भाषा में लिखवाये, इसके अतिरिक्त प्रजा की भलाई के लिए सड़कें बनवाईं, कुँए, धर्मशालाएँ और अस्पताल आदि बनवाए। 3. मौर्यकाल में प्रशासन निम्न प्रकार था–राजा, मंत्री मंडल, राज्यपाल, कुमार, राजुक, मुखिया, युक्ता। 4. बालूपत्थर द्वारा बनाए गये स्तम्भ, प्रत्येक स्तम्भ के शीर्ष पर एक पशु आकृति आकर्षक रूप में पॉलिश द्वारा चमकाए गए हैं।

(ख) 1. धनानन्द 2. कौटिल्य चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री, सलाहकार और मार्गदर्शक था। 3. भारत के पूर्वी, पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी हिस्सों के साथ-साथ दक्खन तक उसकी सीमाएँ जाती थीं। 4. मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में पाँच वर्षों तक रहने वाला राजदूत था।

(ग) 1. चन्द्रगुप्त मौर्य 2. 323 ई०पू० सिकंदर की मृत्यु के पश्चात्। 3. इण्डिका–मेगस्थनीज, अर्थशास्त्र–चाणक्य 4. अभिलेख एवं अध्यादेश।

(घ) 1. चन्द्रगुप्त मौर्य 2. राजदूत 3. बौद्ध धर्म 4. मेगस्थनीज 5. स्तम्भ 6. उपदेश।

(ङ) (क) 1. (ख) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग); (ख) 1. (क) 2. (ङ) 3. (ख) 4. (ग) 5. (घ)

(च) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. गलत 6. गलत 7. सही।

(घ) 1. (क) 2. (ग) 3. (क)

8. नगरों और गाँवों में जीवन स्थिति

(क) 1. कृषि कार्यों, व्यापार और वाणिज्य में गहनता एवं गति पकड़ना। 2. नगरों के विकास के कारण शिल्प कला का कार्य प्रगति पर था। 3. व्यापारी लोगों ने। 4. मथुरा भारत के उत्तर से पश्चिम और दक्षिण से पूर्वी भागों के लिए एक व्यवसाय और यात्रा मार्ग दोनों ही प्रदान करने वाला केन्द्र था। 5. लोहे के औजार; जैसे–कुल्हाड़ी और लोहे के हलों का कृषि कार्यों में बहुत उपयोग होने लगा। 6. वह गाँव में एक न्यायाधीश और एक पुलिस वाले का कार्य भी किया करता था। वह ग्रामवासियों से राजा के करों का संग्रहण भी किया करता था। 7. व्यावसायिक समुदायों और व्यापारिक संघों को 'श्रेणी' कहा जाता था। इनका कार्य शिल्पकारों को सहायता प्रदान करना था। 8. लोहे की कुल्हाड़ी के प्रयोग ने वनों को साफ करके खाद्य फसलें उगाने के लिए जमीन उपलब्ध करवाने में सहायता की।

(ख) 1. बौध गया, मथुरा, उज्जैन 2. श्रेष्ठि अथवा सेठी 3. नगरों में 4. व्यापारी 5. सबसे समृद्ध व्यवसायी को।

(ग) 1. व्यापारी 2. श्रेणी लोगों के पास 3. सम्भवत: नालियों, स्नानगृहों अथवा कूड़े को फेंकने के लिए गड्ढे के रूप में प्रयुक्त किया जाता था। 4. सबसे बड़ा भू-स्वामी व ग्राम प्रमुख।

(घ) 1. आकार 2. बन्दरगाह 3. समृद्ध 4. ऊँची दीवारों 5. वेल्लार

(ङ) 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. गलत

(च) 1. (घ) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (ग)।

9. दूर देशों के साथ सम्पर्क

(क) 1. उन यूनानी सेनापतियों के वंशज थे जो उस समय फारस और उत्तरी अफगानिस्तान पर शासन कर रहे थे। सम्राट अशोक की मृत्यु के उपरांत इन्होंने भारत पर आक्रमण कर दिया और पाटलीपुत्र तक पहुँच गए। 2. गन्धार (अफगानिस्तान) और कश्मीर से बनारस तक फैली थी। 3. हीनयान पंथ के अनुयायी बुद्ध को अपने शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में देखते थे तथा महायान पंथ के अनुयायी बुद्ध

और बोधिसत्व के चित्रों की पूजा किया करते थे। 4. इसकी निश्चित जानकारी नहीं है कि बौद्ध धर्म चीन में कैसे पहुँचा, लेकिन जैसे द्वितीय शताब्दी में समुद्री मार्ग खुला भिक्षुकगण और बौद्ध धर्म के प्रचारक तीर्थ यात्रियों ने चीन, मध्य एशिया और भारत में यात्रा करनी प्रारम्भ कर दी।

(ख) 1. संगमकाल (500 ई०पू० और 300 ई०पू० के मध्य) रचित साहित्य। 2. रोमन साम्राज्य के साथ व्यापक व्यापारिक सम्पर्क बनाकर। 3. हिन्दु धर्म और बौद्ध धर्म बहुत लोकप्रिय थे। बौद्ध धर्म अब तक दो नये पन्थों में विभाजित हो चुका था–हीनयान और महायान। 4. करीकला, उसने बहुत से राजाओं को पराजित किया जिसमें चेर और पाण्डया शासक भी सम्मिलित थे। 5. पार्थियन ने पंजाब और सिन्ध प्रदेश पर 20 ईस्वी से लेकर 45 ईस्वी तक शासन किया और शाक्यों ने 130 ईस्वी से लेकर 150 ईस्वी तक शासन किया।

(ग) 1. करीकला चोल शासकों में से सबसे महान शासक था। 2. कुषाण एक घुमक्कड़ जाति के लोग थे। 3. पार्थियन मूल रूप से यूनानी ही थे तथा शाक्य मध्य एशिया की एक घुमक्कड़ जाति के लोग थे। 4. कुषाण राजवंश का सबसे महान् राजा था। 5. सबसे प्रसिद्ध बैक्ट्रियाई शासक।

(घ) 1. करीकला 2. उपजाऊ 3. सत्यपुत्रों 4. कनिष्क 5. बुद्ध, मार्गदर्शक।

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) 5. (क) 6. (ग) 7. (घ)

10. गुप्त काल

(क) 1. समुद्रगुप्त एक महान् विजेता कलाओं एवं साहित्य का प्रेमी था। वह एक बहुमुखी प्रतिभा वाला शासक, एक कवि और प्रख्यात संगीतज्ञ भी था। 2. बर्मा (म्यांमार), जावा, कम्बोडिया आदि। 3. साहित्य, शिल्पकला, मूर्तिकला और चित्रकारी 4. इस काल में लोग समृद्ध और धनी थे। 5. (i) चन्द्रगुप्त द्वितीय के उत्तराधिकारी उसका वास्तविक उत्तराधिकारी बनने के प्रयास में युद्ध करते रहे और कालान्तर में अपने प्रशासन में अशक्त और अकुशल सिद्ध हुए। (ii) निरन्तर होने वाले हुणों के आक्रमण गुप्त साम्राज्य के लिए बहुत घातक सिद्ध हुए और गुप्त साम्राज्य छिन्न-भिन्न हो गया।

(ख) 1. गुप्त राजवंश की स्थापना श्री गुप्त के द्वारा हुई थी। इसने 220 वर्षों तक (320 ईस्वी से 540 ईस्वी) तक शासन किया। गुप्त शासनकाल के अन्तर्गत भारत ने जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्नति प्राप्त की। 2. चन्द्रगुप्त प्रथम, उसके राज्य की सीमाएँ मगध प्रदेश तक ही सीमित थीं। 3. इलाहाबाद में स्थित स्तम्भ पर लिखे अभिलेखों द्वारा। 4. उसने मालवा, गुजरात और कोंकण तट के शासक राजाओं को परास्त किया और गुप्त साम्राज्य की सीमाओं को अरब सागर तक पहुँचा दिया।

(ग) 1. चन्द्रगुप्त द्वितीय 2. श्री गुप्त 3. अपनी कीर्ति स्थापित करने के लिए राजा द्वारा किया गया यज्ञ। 4. प्रसिदध कवि हरिसेन ने। 5. कालिदास।

(घ) 1. शेक्सपियर 2. आर्यभट्ट 3. संस्कृत 4. नालन्दा, सारनाथ, वल्लभी, तक्षशिला 5. फाह्यान, 405।

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही

(च) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (घ)

11. हर्ष, चालुक्यों और पल्लवों का काल

(क) 1. वर्धमान राजवंश का प्रथम शासक था। 2. सम्राट हर्ष अपने मन्त्रियों, राजकुमारों और अन्य अधिकारियों की सहायता से अपने प्रशासन का कार्य सुचारु ढंग से किया करता था। 3. सम्राट हर्ष अन्य धर्मों के प्रति भी सहिष्णुता का व्यवहार करता था। उसके शासनकाल में लोगों को धार्मिक स्वतन्त्रता प्राप्त थी। 4. तमिल सन्तों ने आम लोगों की भाषा तमिल में भजनों की रचना की। 5. कई प्रान्तों में विभाजित सम्पूर्ण साम्राज्य देश कहलाते थे। 6. पल्लव शासन में कला और वास्तुशिल्प का मुख्य उदाहरण पत्थरों को काटकर बनाए गए मन्दिर हैं; जैसे–मम्मलापुरम का सात रथों वाला मन्दिर।

(ख) 1. सम्राट हर्षवर्धन का साम्राज्य पूर्वी पंजाब से लेकर समूचे उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान, सिन्ध एवं हिमालय के कुछ क्षेत्रों में फैला हुआ था। 2. ह्वेन त्सांग (युआन चवांग) एक चीनी बौद्ध यात्री था। वह भारत में बौद्ध साहित्य को एकत्रित करने और भगवान बुद्ध से सम्बन्धित स्थानों एवं बौद्ध धर्मस्थलों का भ्रमण करने के लिए आया था। 3. लगभग 10,000 विद्यार्थी यहाँ पर उच्च शिक्षा प्राप्त करते थे। ब्राह्मणवाद और बौद्ध धर्म से सम्बन्धित साहित्य के पठन-पाठन के साथ यहाँ पर दर्शन शास्त्र तथा तर्कविज्ञान के अलावा अन्य विषयों की शिक्षाएँ भी दी जाती थीं। तक्षशिला, उज्जैन और गया उस समय के अन्य विश्वविद्यालय थे। 4. पल्लव शासकों द्वारा बनवाए गए मन्दिर न केवल उपासना के केन्द्र थे बल्कि कला और ज्ञान के भी केन्द्र हुआ करते थे। इन मन्दिरों का आकार एक रथ के समान था। 5. चालुक्यों ने छठी शताब्दी में, गुजरात, मालवा, वेंगी और कांचीपुरम पर विजय प्राप्त की। 6. पल्लव राजा छठी शताब्दी में, उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के चेन्नई, अर्काट, तिरुचिरापल्ली पर शासन किया करते थे।

(ग) 1. हर्षवर्धन थानेश्वर के वर्धमान राजवंश का सबसे महान शासक था। 2. बाणभट्ट 3. नालन्दा, तक्षशिला, उज्जैन और गया 4. महेन्द्र वर्मन 5. पुलकेशिन द्वितीय 6. वातापी, काँचीपुरम।

(घ) 1. प्रभाकर वर्धन 2. हर्षचरित, कादम्बरी 3. नालन्दा 4. पुलकेशिन द्वितीय 5. भगवान शिव अथवा भगवान विष्णु 6. कला और ज्ञान।

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. गलत 6. सही।

(च) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

12. प्राचीन भारत की संस्कृति और विज्ञान

(क) 1. महाकाव्यों के द्वारा हमें इन महाकाव्यों के युग की सामाजिक और राजनैतिक परिस्थितियों का वर्णन मिलता है। 2. संगम साहित्य 3. त्रिपिटक में बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियों के नियम लिखे गए हैं। अंग और उपपंग में भगवान महावीर के उपदेश लिखे गए हैं। बौद्धों की धार्मिक पुस्तकें पाली भाषा तथा जैन साहित्य के अभिलेख प्राकृत भाषा में लिखे गए हैं। 4. उपनिषद की संख्या 108 है तथा इसमें हिन्दु दर्शन के सार-तत्त्व समाहित हैं। 5. मन्दिरों में खाली स्थान भी हुआ करता था जिसका प्रयोग लोगों की सभाओं के आयोजन के लिए होता था। 6. प्राचीनकाल में औषधि विज्ञान में भारत ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। महान चिकित्सक सुश्रुत और चरक ने मोतियाबिन्द, पथरी तथा अन्य बीमारियों के लिए शल्यक्रिया करने के तरीकों का वर्णन किया था।

(ख) 1. एक चीनी तीर्थयात्री था। 2. स्मृति ही पुराण कहलाती हैं, इनमें

हिन्दु देवताओं और देवियों के बारे में कहानियाँ संकलित हैं। 3. अरण्यका वेदों का तृतीय खण्ड है। 4. पाँचवीं शताब्दी में।

(ग) 1. धार्मिक स्मारक 2. रावण 3. कैलाशनाथ और बृहदेश्वर मन्दिर 4. पुराणों में हिन्दु देवताओं और देवियों की कहानियाँ संकलित हैं।

(घ) 1. सारनाथ। 2. बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियों। 3. पाँचवीं शताब्दी में। 4. कौटिल्य।

(ङ) 1. (ग) 2. (क) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ङ)

(च) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही।

(छ) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ख) 4. (क) 5. (क) 6. (क) 7. (घ) 8. (क)

इकाई-II : हमारा भूगोल

13. ग्रह : सौरमण्डल में हमारी पृथ्वी

(क) 1. सौरमण्डल में सूर्य, आठ ग्रह, उनके उपग्रह और हजारों की संख्या में अन्य छोटे-छोटे आकाशीय पिण्ड; जैसे–धूमकेतु, पुच्छल तारे इत्यादि सम्मिलित हैं। 2. सूर्य से पृथ्वी की दूरी होने के कारण पृथ्वी पर समस्त जीवधारियों के विकास के लिए एक सर्वोत्कृष्ट वातावरण तथा इस ग्रह पर ऑक्सीजन गैस और पानी बहुत बड़ी मात्रा में उपलब्ध है जो जीवन में विकास के लिए अति आवश्यक है।

(ख) 1. ब्रह्माण्ड में लाखों की संख्या में विद्यमान मंदाकिनी जो 'मिल्की वे' या आकाशगंगा के नाम से जानी जाती हैं। 2. उल्काएँ ऐसे आकाशीय पिण्ड होते हैं जो आसमान में किसी एक क्षण में चमकदार प्रकाश की लपट छोड़ते जाते हुए दिखते हैं। 3. बुध ग्रह सूर्य के सबसे समीप होने के कारण अधिक मात्रा में ऊष्मा ग्रहण करता है। बुध ग्रह पर जल तथा वायु नहीं है। 4. एक प्रकार के आकाशीय पिण्ड जो कि सूर्य की परिक्रमा करते हैं और लम्बा परिक्रमा पथ अपनाते हैं। 5. उपग्रह एक ठोस आकाशीय पिण्ड होता है जो अपने किसी एक ग्रह के चारों ओर परिक्रमा करता है।

(ग) 1. चन्द्रमा 2. बुध 3. सूर्य 4. शुक्र 5 वरुण।

(घ) 1. आकाशगंगा 2. एक वर्ष के समयान्तराल में प्रकाश द्वारा तय की गई दूरी। 3. प्लूटो 4. पृथ्वी।

(ङ) 1. **तारा**–इनका अपना स्वयं का प्रकाश होता है। इनका निर्माण गर्म दहकती गैसों से होता है। **ग्रह**–ये अपने किसी एक तारे के प्रकाश ग्रहण करने पर चमकते हैं। इनका निर्माण ठोस चट्टानों से होता है। 2. **तारा**–ये आकार में बड़े और गर्म होते हैं। **उल्का**–ये अपने आकार में सामान्यत: बहुत छोटी होती हैं। 3. **तारा**–ये आकार में बड़े और गर्म होते हैं। **धूमकेतु**–एक प्रकार के आकाशीय पिण्ड जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं। 4. **प्राकृतिक उपग्रह**–चन्द्रमा पृथ्वी का एक प्राकृतिक उपग्रह है। **मनुष्य-निर्मित उपग्रह**–वर्तमान युग में मानव-निर्मित उपग्रहों को अन्तरिक्ष में अनेक उद्देश्यों के लिए छोड़ा गया है।

(च) 1. मंदाकिनी 2. चन्द्रमा 3. नील आर्मस्ट्रांग 4. आकाशीय

(छ) 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

(ज) 1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (क)

(झ) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ख)

14. ग्लोब : पृथ्वी का एक प्रतिरूप (अक्षांश और देशान्तर)

(क) 1. अंक्षाश और देशान्तर की सहायता से। 2. अक्षांश और देशान्तर रेखाएँ 3. आर्कटिक घेरा 66½° उत्तर में स्थित है, अंटार्कटिक घेरा 66½° दक्षिण में स्थित है। 4. अक्षांश और देशान्तर रेखाएँ पृथ्वी पर तन्त्रनुमा जाल का निर्माण करती हैं।

(ख) 1. सभी अक्षांश रेखाएँ एक काल्पनिक घेरे वाली रेखाएँ हैं जो भूमध्य रेखा के समान्तर चलती हैं। 2. सभी देशान्तर रेखाएँ अर्द्धचन्द्रकार गोले होते हैं जो ध्रुवों पर आकर मिलते हैं। 3. देशान्तर रेखा की अंकीय गणना पूर्व अथवा पश्चिम दिशा में 0° से लेकर 180° तक भिन्नता लिए हो सकती है। इसकी कुल संख्या 360° है। 4. दोपहर के समय सूर्य के किसी एक स्थान पर स्थित होने पर गणना किया गया समय ही स्थानीय समय होता है।

(ग) 1. प्रारम्भिक देशान्तर रेखा। 2. भारत के लिए 81½° पूर्वी देशान्तर समय ही स्थानीय मानक समय है। 3. भूमध्य रेखा। 4. तन्त्र जाल। 5. 24 घंटे।

(घ) 1. काल्पनिक, समान्तर 2. अन्तर्राष्ट्रीय देशान्तर रेखा 3. पृथ्वी के वास्तविक स्वरूप 4. समाप्त होती 5. 24

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही 6. सही।

(च) 1. (घ) 2. (ङ) 3. (च) 4. (ख) 5. (क) 6. (ग)

(छ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ख)

15. पृथ्वी की गति

(क) 1. जब पृथ्वी घूर्णन करती है तो पृथ्वी का वह हिस्सा जो सूर्य का प्रकाश ग्रहण कर रहा होता है वहाँ दिन होता है जबकि वह हिस्सा जो इस भाग के विपरीत होता है उस भाग में रात्रि होती है। 2. प्रत्येक चार वर्षों के उपरान्त फरवरी के महीने में 28 के बजाय 29 दिन होते हैं। इस विशिष्ट वर्ष को हम लीप वर्ष कहते हैं। 3. क्योंकि उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध समान रूप से सूर्य की किरणें एक समय पर प्राप्त नहीं कर पाते।

(ख) 1. इस दिन सम्पूर्ण विश्व में 12 घण्टे का दिन और 12 घण्टे की ही रात्रि होती है। 2. मौसम में परिवर्तन। 3. चूँकि पृथ्वी पश्चिम दिशा से पूर्व दिशा की ओर घूमती है।

(ग) 1. 21 मार्च और 23 सितम्बर। 2. फरवरी। 3. पृथ्वी का अपनी धुरी पर घूमने के कारण। 4. दिन और रात बनते हैं। 5. मौसम का परिवर्तन।

(घ) 1. **परिक्रमण**–पृथ्वी का अपनी धुरी पर गति करना। **परिभ्रमण**–पृथ्वी का सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा में गति करना 2. साधारण वर्ष में 365 दिन होते हैं, लीप वर्ष में 366 दिन होते हैं।

(ङ) 1. 66½° 2. 21 मार्च, 23 सितम्बर 3. ध्रुवों

(च) 1. (ख) 2. (क) 3. (घ) 4. (ग)

(छ) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

16. मानचित्र : मानचित्र के आवश्यक अवयय

(क) 1. मानचित्र एक मापकरूपी रेखाचित्र के रूप में चित्रित किया गया पृथ्वी या इसके किसी हिस्से का सपाट सांकेतिक प्रतिमान होता है। 2. किसी प्रदेश की भौगोलिक विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए रंग व संकेत बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। 3. ये पर्यटकों और यात्रियों के लिए उपयोगी होते हैं। मानचित्र बहुत-सी सूचना प्रदान करते हैं। 4. योजना एक छोटे क्षेत्र को बड़े स्तर अथवा पैमाने पर दिखाने के लिए बनायी जाती है और मानचित्र एक बड़े क्षेत्र को छोटे स्तर अथवा पैमाने पर दिखाने के लिए बनाया जाता है।

(ख) 1. एक मापकरूपी रेखाचित्र के रूप में चित्रित किया गया सांकेतिक प्रतिमान होता है। 2. पर्वतों को भूरे रंग में, जलीय स्थलों को नीले रंग में। 3. मानचित्र बहुत-सी सूचनाएँ प्रदान करते हैं। 4. मानचित्र पर दूरी दर्शाने के लिए एक मापक प्रयुक्त किया जाता

है। 5. पृथ्वी के धरातल के लिए किसी हिस्से का सांकेतिक रूप में प्रदर्शन करना मानचित्र कहलाता है तथा बिना मापक के जल्दबाजी में चित्रांकन करना रूपरेखा कहलाता है। 6. उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम।

(ग) 1. राजनैतिक मानचित्र। 2. योजना। 3. रूपरेखा।

(घ) 1. चीनी 2. मानचित्र 3. मापक।

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही।

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ङ) 5. (च) 6 (घ)

(छ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (क)

17. पृथ्वी के चार वातावरणीय क्षेत्र

(क) 1. दक्षिणी अमेरिका और अफ्रीका 2. नाइट्रोजन (78%), आक्सीजन (21%) 3. समस्त मानव जनसंख्या के भरण-पोषण के साथ ही जैविकीय परिक्षेत्र लगभग एक लाख से अधिक संख्या वाले पशुओं की प्रजातियों तथा तीन लाख विभिन्न प्रकार के पौधों की प्रजातियों का भरण-पोषण करता है।

(ख) 1. जलीय परिक्षेत्र जल-चक्र में सहायक होते हैं जिससे पृथ्वी पर सजीवों के लिए जल की उपलब्धता बनी रहती है। 2. जीवित रहने के लिए आक्सीजन गैस मनुष्य तथा अन्य जीवधारियों के लिए बहुत आवश्यक है, जबकि कार्बन डाईऑक्साइड गैस पोधों के लिए महत्त्वपूर्ण है। 3. प्रकृति मानवमात्र की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

(ग) 1. स्थलीय परिक्षेत्र, जलीय परिक्षेत्र, वायुमण्डलीय क्षेत्र, जैविकीय परिक्षेत्र 2. आक्सीजन और कार्बन डाईऑक्साइड 3. एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, यूरोप और अंटार्कटिका।

(घ) 1. पठार एक मैदानी भूखण्ड अपेक्षाकृत सपाट और निचली सतह वाला क्षेत्र होता है, जबकि पर्वत एक बड़ा भूखण्ड होता है जो अपने चारों ओर के क्षेत्र से साधारण स्तर पर बहुत अधिक ऊँचा उठा हुआ होता है। 2. वायुमण्डल पृथ्वी पर वायु का कम्बल रूपी आवरण है, जबकि बहुत बड़ी जलीय संरचनाएँ जलीय परिक्षेत्र हैं। 3. महासागर बहुत बड़ी जलीय संरचना है, जबकि समुद्र महासागरों से छोटे होते हैं।

(ङ) 1. अफ्रीका 2. प्रशान्त महासागर 3. मैदान।

(च) 1. सही 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. सही।

(छ) 1. (ग) 2. (घ) 3. (ख) 4. (क) 5. (ज) 6. (झ) 7. (ङ) 8. (ञ) 9. (छ) 10. (च)

(ज) 1. (ख) 2. (क) 3. (क)

18. दुनिया में भारत

(क) 1. भारत की मुख्य भूमि 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश और 69°7' पूर्व से 97°25' पूर्व देशान्तर तक फैला है। 2. भारत के विभिन्न स्थानों पर समय को लेकर उलझन से बचाव के लिए। 3. इसके हिन्द महासागर के शीर्ष पर स्थित होने के कारण। 82½° पूर्व देशान्तर रेखा।

(ख) 1. कर्क रेखा। 2. भूटान और नेपाल। 3. अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, हिन्द महासागर। 4. 28 राज्य

(ग) 1. गणतन्त्र भारत। 2. रूस, कनाडा, चीन, अमेरिका, ब्राजील और आस्ट्रेलिया। 3. पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार। 4. राजस्थान–सबसे बड़ा, गोवा–सबसे छोटा।

(घ) 1. 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर 2. हिन्द महासागर 3. 28 4. सातवाँ 5. 8°4', उत्तर, 37°6' उत्तर अक्षांश और 69° 7' पूर्व से 97°25' पूर्व देशान्तर 6. 3,200

(ङ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क) 5. (घ) 6. (क)

19. भारत का प्राकृतिक भौगोलिक विभाजन

(क) 1. यह विन्ध्य के दक्षिण भाग तक फैला हुआ है। यह समुद्र तल से 2,695 मीटर तक की ऊँचाई लिए हुए है। इस प्रायद्वीपीय क्षेत्र की सबसे ऊँची पर्वत चोटी अनाई मुदी है। 2. यह हिमालय की सबसे दक्षिणी पर्वतमाला है। इस पर्वतमाला के शिखरों की औसत ऊँचाई समुद्र तल के स्तर से 1000 मीटर से 1200 मीटर तक में भिन्नता लिए हुए है। 3. दक्खन के पठारों का पूर्वी छोर पूर्वी घाटों को छूता है। दक्खन के पठार के पश्चिमी छोर को पश्चिमी घाट कहते हैं।

(ख) 1. **हिमाचल पर्वतमाला**–सभी महत्त्वपूर्ण पहाड़ी पर्यटन-स्थल इस पर्वतमाला से सम्बन्ध रखते हैं। **हिमाद्री पर्वतमाला**–यह हिमालय की उत्तर में स्थित पर्वतमाला है। 2. उत्तर के हिमालय से दक्षिण के प्रायद्वीपीय पठार तक फैला है।

(ग) 1. झेलम, चेनाब, व्यास, रावी और सतलुज नदियाँ। यमुना, घाघरा, गण्डक और कोसी जैसी मुख्य सहायक नदियाँ मुख्य गंगा नदी तंत्र में सम्मिलित हैं। 2. (i) उत्तर भारत के विशाल पर्वत (ii) उत्तर भारत के मैदानी स्थल (iii) प्रायद्वीपीय पठार (iv) तटीय मैदानी स्थल (v) विशाल भारतीय मरुस्थल (vi) द्वीप समूह 3. बांग्लादेश, नेपाल, भूटान 4. कराकोरम और हिमालय पर्वतमाला 5. मसूरी, शिमला, नैनीताल, दार्जिलिंग 6. चम्बल, बेतवा, सोन और दामोदर नदियाँ 7. के-2 (गाडविन आस्टिन), हिमालय, हिमाद्री, शिवालिक, हिमाचल पर्वतमाला।

(घ) 1. थार 2. नर्मदा 3. कराकोरम 4. उत्तरी मैदानों 5. पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश 6. कृष्णा 7. विन्ध्या

(ङ) 1. (ग) 2. (क) 3. (घ) 4. (ख) 5. (घ) 6. (क) 7. (ख)

20. भारत की जलवायु

(क) 1. सूर्य इस समय दक्षिणी गोलार्द्ध में होता है। उसके बाद उत्तरी गोलार्द्ध में पहुँचता है। इस समय शरद ऋतु का आगमन होता है जो मार्च के मध्य तक रहता है। 2. इस ऋतु का वर्षा से निकट का सम्बन्ध है और इसी कारणवश इस मानूसन ऋतु को वर्षाकाल की ऋतु भी कहा गया है। यह बढ़े हुए मानसून की ऋतु जून माह से प्रारम्भ होती है और सितम्बर माह तक जारी रहती है।

(ख) 1. भूमध्य सागर से आने वाले चक्रवातों के द्वारा प्रभावित स्थिति को पश्चिमी विक्षोभ कहा जाता है। 2. मानसूनी हवाओं का उतराव भारत के उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों से सितम्बर माह के द्वितीय सप्ताह से प्रारम्भ हो जाता है और यह गंगा के डेल्टा क्षेत्र से नवम्बर माह के मध्य में पूर्ण हो जाता है। इस समय मानसूनी हवाएँ पूर्णरूप से वापस लौट जाती हैं। 3. यह वर्षा उत्तर क्षेत्र से आने वाले मानसून के कारण होती है। 4. शीत ऋतु के मौसम में वर्षा पश्चिमी विक्षोभ का परिणाम होती है जिसका उद्गम स्रोत भूमध्य सागर होता है। 5. केरल और कर्नाटक।

(ग) 1. भारत 8° उत्तर और 37° उत्तर अक्षांश के मध्य स्थित है। 2. चार 3. गर्म और शुष्क हवाएँ 4. ऋतु 5. मेघालय में।

(घ) 1. भौगोलिक विशेषताओं 2. गर्म 3. घटती 4. गर्म 5. वायुदाब

(ङ) 1. (ग) 2. (क) 3. (ङ) 4. (ख) 5. (घ)

(च) 1. (ख) 2. (क) 3. (क)

21. भारत की प्राकृतिक वनस्पतियाँ और वन्य जीवन

(क) 1. **उष्णकटिबन्धीय वर्षाकालीन वन**–आसाम, मेघालय, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह आदि। **उष्णकटिबन्धीय पतझड़ वन**–शिवालिक पर्वतमाला से लेकर दक्षिण में पश्चिम घाटों के पूर्वी दिशा में फैले हुए हैं। **काँटों वाले वन**–राजस्थान, गुजरात, हरियाणा आदि। **ज्वारीय वन**–पश्चिम बंगाल के डेल्टा क्षेत्र। 2. मूल्यवान साल व सागौन के अतिरिक्त शीशम, महुआ, चन्दन, बांस, आबनूस के वृक्ष महत्वपूर्ण हैं। 3. भारत में इस प्रकार के वन पश्चिमी घाटों की वर्षा वाली ढलानों में, असम की पहाड़ियों में, मेघालय में, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में और पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये गर्म और नमी वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। 4. प्राकृतिक स्रोत जैसे–प्राकृतिक वनस्पति, वन्य-जीवन, मिट्टी, खनिज और जल। 5. वन पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हैं तथा गैसों का सन्तुलन, वर्षा का सन्तुलन, मिट्टी का क्षरण रोकना तथा वन्य जीवन को प्रश्रयस्थल प्रदान करते हैं। 6. वन्य-जीवन को उनके प्राकृतिक वातावरण में संरक्षित रखने के लिए बहुत-से राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य बनाए गए हैं।

(ख) 1. (i) उष्णकटिबन्धीय वर्षाकालीन वन (ii) उष्णकटिबन्धीय पतझड़ वन अथवा मानूसनी वन (iii) काँटों वाले वन (iv) ज्वारीय वन अथवा कच्छ के वन (v) हिमालय के वन। 2. प्राकृतिक वनस्पतियाँ, वन्य जीवन, मृदा, खनिज और जल। 3. प्रोजेक्ट टाईगर नामक चीतों के बचाव की परियोजना, उनकी जनसंख्या एवं उनके प्रश्रयस्थलों को संरक्षण प्रदान करने हेतु प्रारम्भ की गई है।

(ग) 1. राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य में। 2. अभ्यारण्य का।

(घ) 1. **उष्णकटिबन्धीय वर्षाकालीन वन**–इस प्रकार के वन गर्म और नमी वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। **उष्णकटिबन्धीय पतझड़ी वन**–इस प्रकार के वन ऐसे क्षेत्रों में अधिकांशत: पाये जाते हैं जहाँ का वार्षिक वर्षा का स्तर 100 सेमी से 200 सेमी के मध्य हो। 2. **राष्ट्रीय उद्यान**–यह एक ऐसा आरक्षित क्षेत्र होता है जहाँ पर प्राकृतिक वनस्पतियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक सौन्दर्य को संरक्षण प्रदान किया जाता है। **अभ्यारण्य**–यह एक ऐसा आरक्षित वन्य क्षेत्र है जो विलुप्त होने के कगार पर वन्य प्रजातियों एवं वन्य जीवों के संरक्षण और विकास के लिए बनाया जाता है।

(ङ) 1. पतझड़ 2. बरगद 3. 1973 4. औजार 5. कीचड़।

(च) 1. सही 2. सही 3. सही।

(छ) 1. जम्मू और कश्मीर 2. कर्नाटक 3. किशनपुर (उत्तर प्रदेश) 4. मध्य प्रदेश 5. राजस्थान 6. असम।

(ज) 1. (क) 2. (ग) 3. (क)

इकाई-III : हमारा नागरिक शास्त्र

22. भारत की विविधता

(क) 1. यदि हम अपने चारों ओर देखें तो हम पाएँगे कि वे लोग जिनके साथ हम रहते हैं बहुत-से विषयों में एक समान नहीं हैं। अत: विविधता का अर्थ एक-दूसरे से भिन्न होना है। 2. लोग मन्दिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों एवं चर्चों में उपासना हेतु जाते हैं। हमारे संविधान ने इस विविधता को स्वीकार किया है और लोग अपने ईश्वर की अपने विशिष्ट तरीके से उपासना कर सकते हैं।

(ख) 1. हिन्दी, संस्कृत, पंजाबी, सिन्धी, गुजराती, मराठी, बंगाली, असमिया, उर्दू, उड़िया, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, नेपाली, कश्मीरी, मणीपुरी, कोंकणी, सन्थाली, मैथिली, बोडो और डोगरी 2. भारत में रहने वाले विविध प्रकार के लोगों ने एक विशिष्ट प्रकार की संस्कृति अथवा सभ्यता को विकसित कर लिया है जो विश्व के अन्य किसी देश अथवा अन्य प्रकार की जीवनशैली से बिल्कुल भिन्नता लिए हुए है। 3. हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध।

(ग) 1. 22 2. स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस और गाँधी जयन्ती। 3. हाँ 4. हाँ

(घ) विविधता का अर्थ एक-दूसरे से भिन्न होना है। एकता का अर्थ एकसाथ मिलकर रहना है।

(ङ) 1. विविधताओं वाला 2. त्योहार, विभिन्न 3. विविधता 4. 22 5. हिन्दी

(च) 1. सही 2. गलत 3. गलत

(छ) 1. (ग) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) 5. (ग) 6. (ख)

23. पूर्वाग्रह, भेदभाव और असमानता

(क) 1. **पूर्वाग्रह**–किसी के बारे में अपना पहले से बनाया गया मत। **भेदभाव**–किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को अन्य किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह की अपेक्षाकृत बुरा व्यवहार करने की प्रथा अथवा परम्परा। 2. पूर्वाग्रह की भावना और भेदभावपूर्ण व्यवहार मानवता को सामूहिक जीवन जीने में बाधा उत्पन्न करते हैं तथा भेदभावपूर्ण व्यवहारों को आश्रय प्रदान करते हैं।

(ख) 1. किसी के बारे में अपना पहले से ही बनाया गया मत। 2. व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का अन्य किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह की अपेक्षाकृत बुरा बर्ताव करना। 3. लिंग अथवा जाति के आधार पर असमानता बरतना।

(ग) 1. ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। 2. मार्टिन लूथर किंग और अब्राहम लिंकन ने। 3. किन्हीं लोगों को अन्य लोगों की अपेक्षा कमतर समझकर उन्हें सार्वजनिक कुएँ आदि स्थानों से पानी लेने से रोकने अथवा गंदगी भरे कार्यों को करने वालों को हेय दृष्टि से देखने से।

(घ) 1. पूर्वाग्रह किसी के बारे में अपना पहले से ही बनाया गया मत। भेदभाव बरतना एक प्रतिकारी कर्म अथवा प्रतिकूल व्यवहार होता है।

(ङ) 1. पूर्वाग्रह 2. श्रेष्ठता 3. ईश्वर, शूद्रों 4. जाति भेदभाव 5. समानता

(च) 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही

(छ) 1. (क) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क)

24. सरकार क्या होती है?

(क) 1. सरकार ऐसा एक संगठन होती है जो किसी देश अथवा राज्य पर शासन करती है। कोई भी देश बिना सरकार के नहीं चल सकता है। 2. देश के समस्त व्यस्क नागरिकों को मतदान करने का अधिकार अथवा मताधिकार प्राप्त होता है वह 'सर्वव्यापी व्यस्क मताधिकार' कहलाता है। 3. दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मण्डेला के नेतृत्व में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस ने इसके विरुद्ध संघर्ष किया। 4. विधायी कार्य (ii) कार्यपालिका कार्य (iii) न्यायिक कार्य।

(ख) 1. ऐसी व्यवस्था जिसके अन्तर्गत किसी राज्य का शासन होता है। 2. लोगों के द्वारा उनके चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से चलाई जाने वाली सरकार। 3. ऐसा राज्य या देश जो एक तानाशाह द्वारा शासित हो। 4. (i) विधायी कार्य (ii) कार्यपालिका कार्य (iii) न्यायिक कार्य। 5. (i) यह निरीक्षण करती है कि कानूनों का

उचित ढंग से पालन किया जा रहा है या नहीं। (ii) देश के नागरिकों के मध्य उत्पन्न विवादों अथवा देश के नागरिकों और राज्य के मध्य उत्पन्न विवादों का निपटारा करना।

(ग) 1. प्रजातन्त्रीय, राजशाही और तानाशाही स्वरूप। 2. हिटलर और मुसोलिनी। 3. विधायिका का मुख्य कार्य नए कानूनों का गठन और पुराने कानूनों का संशोधन होता है। 4. न्यायपालिका। 5. 18 वर्ष 6. नेल्सन मण्डेला।

(घ) 1. प्रजातन्त्र लोगों के द्वारा उनके चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से चलाई जाने वाली सरकार होती है जबकि तानाशाही ऐसा राज्य/देश होता है जो एक तानाशाह द्वारा शासित हो। 2. राजशाही ऐसा राज्य होता है जिसका शासन एक राजा अथवा रानी चलाती हो जबकि तानाशाही ऐसा राज्य होता है जो एक तानाशाह द्वारा शासित हो।

(ङ) 1. तीन 2. भारतीय गणतन्त्र 3. तीन 4. चुनाव 5. 1951 6. नेल्सन मण्डेला

(च) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही

(छ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ग)

25. एक प्रजातान्त्रिक सरकार के प्रमुख तत्व

(क) 1. सभी नागरिक जिन्होंने अट्ठारह वर्ष की न्यूनतम आयु प्राप्त कर ली हो, अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर सकते हैं। 2. जब सभी लोगों के अपने-अपने हित अथवा स्वार्थ होते हैं। प्रजातन्त्र ही इस समस्या के बारे में विचार-विमर्श और तर्क-वितर्क करने का अवसर प्रदान करता है। 3. सभी नागरिक जिन्होंने 18 वर्ष की न्यूनतम आयु प्राप्त कर ली हो, अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करके।

(ख) 1. लोग जुलूस निकालकर, प्रदर्शन, मोर्चा और सभाओं द्वारा विरोध प्रकट कर सकते हैं। 2. विपक्षी दल सरकार की नीतियों पर धरना और मोर्चा प्रदर्शन के द्वारा अंकुश बनाए रखते हैं। 3. ये जनता के मत को संगठित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अत: ये सूचना और मनोरंजन के बहुत सशक्त माध्यम हैं।

(ग) 1. विपक्षी दल 2. समाचार पत्र 3. महात्मा गाँधी और डा० भीमराव अम्बेडकर ने 4. स्त्रियों की दशा पर।

(घ) 1. नागरिक 2. 18 3. जुलूस, प्रदर्शन व मोर्चा 4. अन्याय 4. जनता के मत।

(ङ) 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत

(च) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग) 5. (घ)

26. स्थानीय सरकार

(क) 1. पंचायती राज व्यवस्था एक त्रिस्तरीय व्यवस्था है जो तीन स्तरों पर कार्य करती है। 2. ग्राम सभा किसी भी पंचायत का प्रथम व्यवस्थापक अंग होता है जबकि ग्राम सभा अपने प्रतिनिधियों का चुनाव ग्राम पंचायत के लिए करती है। 3. (i) जिले की विभिन्न पंचायत समितियों के प्रधानों के द्वारा चयन। (ii) जिले के चुने हुए संसद सदस्य और राज्य की विधान सभा के सदस्यों द्वारा। (iii) जिले में विद्यमान प्रत्येक सहकारी समिति के एक प्रतिनिधि द्वारा। (iv) जिले में नगरपालिका के अध्यक्ष द्वारा। (v) विभिन्न महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों द्वारा। 4. ग्राम्य स्तर पर न्याय पंचायत एक स्थानीय न्यायालय के समान कार्य करती है। न्याय पंचायत के गठन का मुख्य उद्देश्य छोटे-मोटे मामलों अथवा विवादों का निपटारा करना होता है। 5. घरों, दुकानों पर कर के द्वारा, ग्रामीण बाजारों और मेलों पर कराधान के द्वारा, भूमि, सम्पत्ति और पशुओं के क्रय एवं विक्रय पर पंजीकण पर शुल्क प्राप्ति के द्वारा। सार्वजनिक सम्पत्ति पर किराये एवं विक्रय पर कराधान के द्वारा, राज्य सरकार से प्राप्त सहायता राशि एवं ऋणों के द्वारा।

(ख) 1. पंचायती राज व्यवस्था एक त्रिस्तरीय व्यवस्था है जो तीन स्तरों पर कार्य करती है। इसमें ग्राम्य स्तर पर तीन संस्थाएँ कार्य करती हैं। 2. साफ पीने योग्य पानी की व्यवस्था करवाना, सफाई और स्वास्थ्य सेवा की सुविधाएँ उपलब्ध करवाना, सड़कों और पुलों इत्यादि का समुचित प्रबन्धन करवाना, पथ-प्रकाश की सुविधा उपलब्ध करवाना आदि। 3. उक्त ब्लाक क्षेत्र अथवा खण्डीय क्षेत्र की सभी पंचायतों के सरपंच, उस क्षेत्र के संसद सदस्य और विधान सभा के सदस्य, टाउन एरिया कमेटी अर्थात नगरीय क्षेत्र समिति के अध्यक्ष, जिला परिषद के चुने गए सदस्य। 4. क्षेत्र की भूमि का विकास करना, जल और श्रम संसाधनों का उचित दोहन एवं विकास करना, शिक्षा को प्रोत्साहन प्रदान करना जिसमें तकनीकी और व्यवसाय-परक शिक्षा सम्मिलित है। 5. सरपंच ग्राम पंचायत का प्रमुख होता है। वह ग्राम सभा के द्वारा चुना जाता है।

(ग) 1. जिला परिषद 2. एक पंचायत में किसी गाँव के पाँच प्रमुख व्यक्ति होते हैं जो पंच कहलाते हैं। 3. ग्राम सभा 4. न्याय पंचायत 5. ये लोगों की समस्याओं को अन्य किसी और की अपेक्षा भली प्रकार समझ सकती हैं और साथ ही उनको समस्या के निवारण में सहायता प्रदान कर सकती हैं।

(घ) 1. त्रिस्तरीय 2. विवादों 3. 5 4. सरपंच, सचिव 5. सबसे ऊँची

(ङ) 1. (ग) 2. (घ) 3. (ङ) 4. (ख) 5. (क)

(च) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग) 5. (ख) 6. (ग) 7. (क)

27. शहर की स्थानीय सरकार

(क) 1. बड़े शहरों और नगरों की स्थानीय सरकारों की तीन प्रमुख इकाइयाँ होती हैं–नगर पंचायत, नगर समिति अथवा नगरपालिका और महानगरपालिका। 2. महानगर निगम ऐसे बड़े शहर जहाँ की जनसंख्या दस लाख से अधिक है उनके लिए स्थानीय व्यवस्था हेतु स्वशासित इकाई है। नगरपालिका ऐसे नगरों और शहरों जिनकी जनसंख्या दो लाख से अधिक व दस लाख से कम हो उनके लिए स्थानीय व्यवस्था हेतु स्वशासित इकाई है। 3. सम्पत्ति पर कराधान, पथ कर एवं चुंगी कर, शिक्षा कर, व्यवसाय और उद्योगों पर कराधान, पानी और बिजली पर कर, जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र पर शुल्क, महानगरपालिका की सम्पत्ति से प्राप्त आय। 4. ये निम्न प्रकार की सुविधाएँ; जैसे–जल की वितरण व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा, साफ-सफाई, उद्यान, सार्वजनिक पुस्तकालय और ऐसी कई अन्य चीजें उपलब्ध करवाती हैं। 5. राज्य सरकार और स्थानीय शहरी निकाय दोनों ही आम आदमी की भलाई के लिए कार्य करते हैं। इसलिए वे समुचित आपसी सहयोग, समन्वय और सौहार्द के साथ मिलकर कार्य करते हैं।

(ख) 1. महानगरपालिका के पार्षद सभापतित्व करने वाला एक अधिकारी चुनते हैं, जो मेयर अथवा महापौर के रूप में जाना जाता है। 2. ऐसे नगरों और शहरों जिनकी जनसंख्या दो लाख से अधिक हो उनके लिए स्थानीय व्यवस्था हेतु स्वशासित इकाई होती है। कार्य–अनिवार्य कार्य एवं ऐच्छिक कार्य। 3. महानगरपालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जो राज्य सरकार के द्वारा नियुक्त किया जाता है। 4. नगरपालिका शहरी क्षेत्रों में पाई जाने वाली सबसे साधारण स्थानीय सरकार की इकाई होती है। 5. सस्ती और सुलभ स्थानीय यातायात सुविधाओं को उपलब्ध करवाना, बागों और

उद्यानों का विकास और प्रबन्धन करना, अनाथालयों, रात्रि विश्राम गृहों, बाल गृहों, शिशु सदन और विश्राम गृहों का निर्माण करना।

(ग) 1. महानगरपालिका के पार्षद 2. 21 वर्ष 3. पार्षदों द्वारा चुना गया सभापतित्व करने वाला अधिकारी। 4. दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई। 5. महानगरपालिका।

(घ) 1. वार्ड (हल्का) 2. महानगरपालिका के पार्षद 3. बड़ी संख्या में समितियाँ 4. सीधे 5. म्यूनिसिपल कमिशनर

(ङ) 1. (ग) 2. (ङ) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख)

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ग) 6. (घ) 7. (क)

28. ग्रामीण क्षेत्रों का प्रशासन

(क) 1. जिले में कानून और व्यवस्था को बनाए रखना, भूमि के लेखे बनाना और भू-राजस्व के संग्रहण का कार्य करना, नागरिक सुविधाओं को उपलब्ध करवाना। 2. जिलाधिकारी जिले में कानून और व्यवस्था को सुचारू ढंग से बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होता है, प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में जिले का जिलाधिकारी राहत और पुनर्वास कार्यों को जिले में विद्यमान अन्य अधिकारियों की सहायता से समुचित रूप में प्रबन्धित करता है। 3. प्राकृतिक आपदाओं; जैसे–बाढ़, भूकम्प, सूखा इत्यादि के आने की स्थिति में जिले का जिलाधिकारी राहत और पुनर्वास कार्यों को जिले में विद्यमान अन्य अधिकारियों की सहायता से समुचित रूप में प्रबन्धित करता है। 4. जिला स्तर पर न्यायिक प्रशासन दो प्रकार के मामलों का निपटारा करता है–दीवानी मामले एवं फौजदारी अथवा अपराधिक मामले।

(ख) 1. भूमि, धन और सम्पत्ति से सम्बन्धित विवादों को दीवानी मामले कहा जाता है; जबकि चोरी, डकेती, जालसाजी, हत्या और अन्य अपराधिक मामलों को अपराधिक मामले अथवा फौजदारी मामले कहा जाता है। 2. **जिला शिक्षा अधिकारी के कर्त्तव्य**–कुशल एवं प्रभावी शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना, विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का निरीक्षण करना तथा समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को मुफ्त पुस्तकें एवं लेखन-सामग्री का वितरण तथा दोपहर का भोजन उपलब्ध कराना। **जिला इंस्पेक्टर के कर्त्तव्य**–जिले में कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाना, भूमि के लेखे बनाने और भू राजस्व का संगृहण करना, नागरिक सुविधाओं को उपलब्ध कराना तथा प्राकृतिक आपदाओं के आने पर सहायता और पुनर्वास की व्यवस्था कराना। 3. वह जिले में पंचायती राज व्यवस्था के कार्यों का निर्देशन एवं निरीक्षण करता है और साथ ही निकायों के अन्तर्गत होने वाले चुनावों का स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष होना सुनिश्चित करवाता है। 4. तहसील के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी को तहसीलदार कहा जाता है। उसका कर्त्तव्य है कि वह किसानों को उनके स्वामित्व वाली भूमि के लेखे की प्रति उपलब्ध करवाने में सहायता प्रदान करे।

(ग) 1. जिलाधिकारी 2. तहसीलदार 3. छह महीने के कारावास और दो सौ रुपये तक का जुर्माना लगाने का अधिकार होता है। 4. जिला न्यायाधीश का न्यायालय।

(घ) 1. जेलर 2. जिले का सिविल सर्जन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी 3. दीवानी, फौजदारी 4. जिला न्यायाधीश 5. प्रार्थना पत्र।

(ङ) 1. (ङ) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख) 5. (घ)

(च) 1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग))

29. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आजीविकाएँ

(क) 1. आदिम युग में आदमी एक खानाबदोश जीवन व्यतीत करता था, भोजन और आश्रय की तलाश में भटकता रहता था; अब मनुष्य किसी स्थान पर समाज में स्थायी रूप में निवास करने वाला जीवन व्यतीत करने लगा। 2. ग्रामीण लोग अपनी आजीविका हेतु विभिन्न कार्य; जैसे–कृषि कार्य, मछली पकड़ना, दुग्ध व्यवसाय और पशुपालन करते हैं लेकिन आज भी ग्रामीण लोगों का प्रमुख आजीविका का साधन कृषि ही है। 3. बड़े किसानों के पास साधारणत: बड़े क्षेत्र वाला भू-भाग खेती के लिए होता है। द्वतीय श्रेणी में मध्यम दर्जे के किसान आते हैं जिनके पास दो से पाँच एकड़ भूमि होती है। तीसरे प्रकार के किसान छोटे अथवा लघु स्तर के किसान होते हैं। 4. वे ग्रामीण जो कृषिकार्य नहीं करते वे अन्य प्रकार से अपनी आजीविका चलाते हैं; जैसे–दुग्ध उत्पादन, मछली पकड़ना, बढ़ईगिरी, लुहार का कार्य। कुछ विभिन्न प्रकार के दैनिक उपयोग की वस्तुएँ तथा लेखन सामग्री का वितरण करते हैं। ये लोग गाँव का एक महत्वपूर्ण अंग होते हैं। 5. बेहतर अवसरों की तलाश में लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करना प्रवसन कहलाता है। नौकरी की तलाश में ग्रामीण लोग शहर की ओर प्रवसन करते हैं।

(ख) 1. प्राथमिक आजीविकाएँ वे होती हैं जिनमें लोग प्राकृतिक संसाधनों से उपयोगी वस्तुएँ उत्पादित करने में संलग्न रहते हैं। 2. सभी सुविधाएँ; जैसे–सरकारी आवास, अर्जित अवकाश, चिकित्सीय और बीमा सुविधाएँ, पेन्शन और ग्रेच्युटी (उपदान) आदि। 3. विभिन्न कम्पनियाँ अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं की समस्याओं के निवारण एवं उनको अपने नवीन उत्पादों और सेवाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए बड़े शहरों और नगरों में अपने-अपने कॉल सेन्टर खोल रही हैं। ये भली प्रकार से कम्प्यूटरों और दूरसंचार के साधनों से सुसज्जित होते हैं। 4. **बड़ा किसान**–ऐसा किसान जो खेती के लिए एक बड़े भू-क्षेत्र का स्वामी हो। **मध्यम दर्जे का किसान**–ऐसा किसान जो दो एकड़ से कम भूमि का स्वामी हो। 5. तटीय राज्यों अथवा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए मछली उनके आहार का मुख्य हिस्सा है। बहुत-से लोग मछली पकड़ने के व्यवसाय में संलिप्त हैं।

(ग) 1. घुमन्तु–ऐसे लोग जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर भोजन और आश्रय की खोज में घूमते रहते हैं। 2. समाज ऐसे लोगों का समूह होता है जो समान हितों और परम्पराओं का पालन करते हैं। 3. मछली पकड़ना, दुग्ध व्यवसाय और पशुपालन। 4. सुविधाएँ; जैसे–सरकारी आवास, अर्जित अवकाश, चिकित्सीय और बीमा सुविधाएँ, पेन्शन और ग्रेच्युटी आदि। 5. स्थायी कर्मचारियों को नौकरी से सम्बन्धित सुरक्षा प्राप्त होती है और उनकी सेवाएँ उनके नियोक्ता की इच्छा पर भी समाप्त नहीं की जा सकती, जबकि अस्थायी कर्मचारियों को ये सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो पातीं।

(घ) 1. अन्य सहायक 2. समाज 3. दो एकड़ 4. प्रवसन 5. प्रवसन

(ङ) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ङ) 4. (क) 5. (ग)

(च) 1. (घ) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (घ)

सामाजिक अध्ययन–7

इकाई-I : हमारा इतिहास

1. कब, कहाँ और कैसे

(क) 1. फारसी आर्केमेनियन लोगों ने 'भारत' शब्द का प्रयोग ऐसे क्षेत्र के लिए किया जहाँ पर सिन्धु नदी बहती है अर्थात् 'भारतवर्ष'। 2. उर्दू और हिन्दी जैसी भाषाएँ विशेष रूप से मध्ययुगीन काल में विकसित हुईं; बहुत-से सामाजिक रिवाजों, परम्पराओं और

मान्यताओं का उद्‌भव हुआ; मुद्रा प्रणाली प्रारम्भ हुई और कृषि, व्यापार और वाणिज्य भी समृद्ध हुआ। 3. इतिहास के प्रमुख स्रोत–पुरातात्तिवक स्रोत, साहित्यिक स्रोत।

(ख) 1. पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल आदि। 2. हिन्दुस्तान अथवा भारतवर्ष। 3. फारसी आर्केमेनियन लोग 4. प्रारम्भिक मध्ययुगीन काल आठवीं शताब्दी से तेरहवीं शताब्दी तक एवं कालान्तर का मध्ययुगीन काल तेरहवीं शताब्दी से अट्‌ठारहवीं शताब्दी तक। 5. स्त्रियों की दशा में गिरावट आई और उन्हें पर्दे के भीतर रहना पड़ता था।

(ग) 1. सात नदियाँ 2. जेन्द एवेस्ता 3. पुरातात्विक स्रोत, साहित्यिक स्रोत 4. यात्रियों द्वारा लिखे गए वृतान्त। 5. छोटे सुन्दर चित्र।

(घ) 1. पारसियों का पवित्र ग्रन्थ 2. पुराण 3. हिन्दु 4. लाल किला 5. अकबर।

(ङ) 1. मध्यकालीन 2. अकबर 3. पुरातात्विक 4. आठवीं शताब्दी, तेरहवीं 5. मुद्रा 6. आत्मकथाएँ

(च) 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ) 5. (घ) 6. (घ) 7. (क)

2. नए सम्राट और साम्राज्य (700 ईस्वी से 1200 ईस्वी तक)

(क) 1. इस काल के बड़े साम्राज्य उत्तरी भारत के गंगा के तराई घाटी के मैदानों पर आधिपत्य स्थापित करने हेतु आपस में निरन्तर युद्धरत रहे। 2. पालों, प्रतिहारों और राष्ट्रकूटों के मध्य कन्नौज पर आधिपत्य करने के लिए हुआ संघर्ष त्रिपक्षीय संघर्ष कहलाता है। उनकी आपसी लड़ाईयों के परिणामस्वरूप देश की सीमाओं की उपेक्षा होती रही। 3. महमूद गजनवी सबसे प्रसिद्ध और शक्तिशाली तुर्क था। वह एक महत्वाकांक्षी शासक था और वह मध्य एशिया में एक बड़ा शक्तिशाली साम्राज्य स्थापित करना चाहता था। 4. राजराजा प्रथम एक चतुर शासक था। उसके शासनकाल में चोल साम्राज्य का एक समृद्ध और बहुत विशाल क्षेत्र में विस्तार हुआ। राजेन्द्र चोल राजराजा प्रथम का पुत्र था। वह अपने पिता से भी कहीं अधिक महत्वाकांक्षी था। उसके शासनकाल को चोल शासन के स्वर्णिम युग के रूप में जाना जाता है।

(ख) 1. राजा भोज गुर्जर प्रतिहार राजवंश का सबसे महान शासक था। 2. पृथ्वीराज चौहान और मौहम्मद गौरी के बीच। इसमें पृथ्वीराज चौहान को विजय प्राप्त हुई। 3. मौहम्मद गौरी अफगानिस्तान के एक छोटे से राज्य गौर का शासक था। उसने भारत पर अनेकों बार आक्रमण किया। 4. राजेन्द्र चोल के। 5. लोगों को किसी भी धर्म को मानने की स्वतन्त्रता थी। चोल शासकों ने अनेकों की संख्या में मन्दिरों का निर्माण किया जो भगवान शिव को समर्पित थे।

(ग) 1. प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पाल। 2. मध्य एशिया से। 3. कुतुबदीन ऐबक ने। 4. चोलपुरम 5. तंजौर।

(घ) 1. कन्नौज 2. चन्दबरदाई 3. महाराणा प्रताप 4. मदुराईकोण्डवन 5. राजा नरसिंहवरम प्रथम

(ङ) 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य

(च) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ग)

3. दिल्ली की सल्तनत (1206 ईस्वी से 1526 ईस्वी तक)

(क) 1. कुतुबद्‌दीन ऐबक 2. इल्तुतमिश कुतुबद्‌दीन का रिश्ते में दामाद था। इल्तुतमिश एक चतुर शासक था। उसने कई राजपूत शासकों का विश्वास जीता तथा कई अन्य को पराजित किया 3. गुजरात पर विजय प्राप्त करने के पश्चात् अला–उद्‌–दीन खिलजी ने अपना ध्यान राजपूत राज्यों की तरफ लगाया। उसने समूचे उत्तर भारत के क्षेत्रों पर विजय प्राप्ति के पश्चात् दक्षिण की ओर अपना रुख किया। 4. मोहम्मद–बिन–तुगलक का शासन काल उन अनेकों अव्यवहारिक योजनाओं के लिए जाना जाता है जिन्हें वह अपने गलत निर्णय और व्यग्र प्रकृति के कारण सुलझाने में विफल रहा। 5. (i) लुटेरा प्रवृत्ति (ii) असहिष्णुता (iii) सरदारों पर निर्भर होना (iv) साम्राज्य का विस्तृत होना (v) मंगोलों का आक्रमण।

(ख) 1. 1192 ईस्वी में, तराई के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की पराजय के पश्चात् मुसलमान शासन जो तुर्कों के शासन के नाम से भी जाने जाते हैं, भारत में भली प्रकार से स्थापित हो गया। 2. (i) दास राजवंश (ii) खिलजी राजवंश (iii) तुगलक राजवंश (iv) सैय्यद राजवंश (v) लोदी राजवंश 3. अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण में देवगिरि, वारंगल तथा द्वारसमुद्र के होयसल पर विजय प्राप्त की। 4. मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली को दक्षिण की देवगिरी में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया और उसका नाम परिवर्तित करके दौलताबाद कर दिया। लेकिन अधिक दूर होने के कारण वह उत्तरी क्षेत्र पर निगरानी नहीं रख सका। उसको पुनः दिल्ली वापस आना पड़ा और दिल्ली को ही अपनी राजधानी बनाना पड़ा। 5. इब्राहिम लोदी सिकन्दर लोदी का पुत्र था। वह दिल्ली की राजगद्‌दी पर सन् 1517 ईस्वी में सत्तारूढ़ हुआ। वह स्वभाव से रुग्ण और क्रूर था।

(ग) 1. दास राजवंश का संस्थापक था। 2. इल्तुतमिश ने। 3. एक विद्रोह में। 4. पंजाब में। 5. अला–उद्‌–दीन खिलजी।

(घ) 1. जयचन्द 2. दास राजवंश 3. मण्डप 4. सिकन्दर लोदी 5. असहिष्णु।

(ङ) 1. (1290 ईस्वी से 1320 ईस्वी तक) 2. (1320 ईस्वी से 1414 ईस्वी तक) 3. (1206 ईस्वी से 1290 ईस्वी तक) 4. (1451 ईस्वी से 1526 ईस्वी तक) 5. (1414 ईस्वी से 1451 ईस्वी तक)

(च) 1. (घ) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ)

4. एक साम्राज्य की स्थापना

(क) 1. भारत कई छोटे–छोटे राज्यों में विभाजित था। इन राज्यों के शासक सदैव ही आपस में एक–दूसरे के विरुद्ध युद्धरत रहते थे। इस आपसी संघर्ष के परिणामस्वरूप भारत राजनैतिक रूप से अशक्त ही रहा। 2. अपने मात्र पाँच वर्षों के शासनकाल में ही शेरशाह ने एक कुशल प्रशासन की व्यवस्था की। उसने सेना की पुनर्संरचना की और उसको सशक्त बनाया। उसने यह सुनिश्चित किया कि उसके प्रजाजन उसके पास किसी भी विषय में सीधे रूप से मिल सकें। उसने कराधान व्यवस्था को पुनर्संगठित किया। 3. अकबर ने बंगाल को सन् 1576 ईस्वी में जीत लिया और गुजरात पर सन् 1578 ईस्वी में विजय प्राप्त की। उत्तर–पूर्व में उसने काबुल, कश्मीर, सिन्ध, कन्धार पर विजय प्राप्त की। दक्षिण में उसने अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुण्डा पर विजय प्राप्त की और ये मुगल शासन के अधीन आ गए। 4. अकबर ने राजपूतों के साथ मधुर सम्बन्ध स्थापित करने के प्रयास किए। इस उद्‌देश्य से उसने अपने परिवार तथा बहुत से राजपूत परिवारों के मध्य वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किए। उसने स्वयं भी राजपूत राजकुमारी के साथ विवाह किया जो अजमेर के बिहारीमल की पुत्री जोधाबाई थी। उसने अपने प्रशासन में राजपूतों को उच्च पद भी प्रदान किए। 5. अन्तिम महान् मुगल सम्राट शाहजहाँ का छोटा सबसे छोटा पुत्र औरंगजेब था। उसने अपने इस विशाल साम्राज्य पर सबसे लम्बे

समय (लागभग पचास वर्ष) तक शासन किया। उसकी मृत्यु के पश्चात, 'दी ईस्ट इण्डिया कम्पनी' भारत में सबसे प्रमुख शक्ति के रूप में उभरी।

(ख) 1. बाबर 2. बाबर और इब्राहीम लोदी के मध्य। 3. अफगान सरदार हुमायूँ के खिलाफ थे। उसे गुजरात व मालवा से विद्रोह का सामना करना पड़ा। 4. अकबर के द्वारा चलाया गया नया धर्म जिससे 'भगवान एक है' के नाम से जाना गया। 5. शाहजहाँ सन् 1657 ईस्वी में बीमार पड़ गया। औरंगजेब ने उसे कैद में लेकर आगरे के किले में बंद कर दिया। शाहजहाँ ने अपना बाकी का जीवन ताजमहल को देखते हुए गुजारा जिसे उसने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था।

(ग) 1. मध्य एशिया से। 2. अकबर का संरक्षक, तथा अकबर के पिता का विश्वासपात्र सेनापति। 3. 24 जनवरी, 1556 ईस्वी को सीढ़ियों से गिरकर हुमायुँ की मृत्यु हो गई। 4. फरीद 5. बाबर, हुमायुँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब।

(घ) 1. राणा उदय सिंह 2. 1556 हेमू 3. बाबरनामा 4. अमरकोट 5. अबुल फजल।

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख)

5. वास्तु-कला की शक्ति : भव्य किले और पवित्र स्थान

(क) 1. पूर्वी गंगा राजवंश के राजा नरसिंह देव प्रथम द्वारा तेरहवीं शताब्दी में सूर्य मन्दिर का निर्माण करवाया गया था। यह एक बहुत प्रसिद्ध मन्दिर है जो भुवनेश्वर (उड़ीसा) से 65 किमी दूर कोणार्क में स्थित है। 2. दिल्ली के सुल्तान, कला और वास्तु कलाओं के महान प्रश्रयदाता थे। उन्होंने बहुत-सी उत्कृष्ट इमारतों, मस्जिदों, स्मारकों और मकबरों इत्यादि का निर्माण करवाया। 3. कुतुबमीनार दिल्ली के समीप महरौली में स्थित है। यह विश्व की सबसे विलक्षण मीनारों में से एक है। यह 73 मीटर ऊँची है जिसके आधार का नाप 14.6 मीटर है और इसके शीर्ष का नाप 2.5 मीटर है। 4. शाहजहाँ को उसके वास्तु-कला के प्रति अपने अतुलनीय प्रेम और आदर रखने के कारण एक अभियन्ता सम्राट अथवा वास्तुकारों का राजकुमार कहा जाता है। 5. ताजमहल दुनिया की सर्वोत्कृष्ट इमारतों में से एक है जो यमुना नदी के तट पर स्थित है। इसको दुनिया के सात आश्चर्यों में से एक गिना जाता है। इसका निर्माण शाहजहाँ द्वारा अपनी प्रिय पत्नी मुमताज महल की स्मृति में किया गया था।

(ख) 1. मध्ययुग के काल में, वास्तु-कला एक समृद्धिशील क्रियाकलाप था। लगभग सभी शासकों ने मध्ययुग के काल में पवित्र और साथ ही सहिष्णुतावादी स्मारकों का निर्माण करवाया। 2. वास्तु-कला के स्मारकों को दो प्रकार के समूहों में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है–(i) पवित्र स्मारक; जैसे मन्दिर, मस्जिद, पूजास्थल इत्यादि जो कि धर्म से सम्बन्धित हैं। (ii) सहिष्णुतावादी स्मारक; जैसे–किले, महल, मकबरे, दरगाह, मीनारें इत्यादि। 3. उड़ीसा के मन्दिरों ने अपने वास्तु-शिल्प में नगर शैली को अपनाया। इस शैली के कुछ प्रसिद्ध मन्दिर हैं मुक्तेश्वर मन्दिर एवं भुवनेश्वर का लिंगराज मन्दिर आदि। 4. तेजपाल मन्दिर माउण्ट आबू के सबसे सुन्दर और भव्य मन्दिरों में से एक हैं। यह दो भाईयों तेजपाल और वासुपाल द्वारा 1230 ईस्वी में बनवाया गया था। वे गुजरात के शासक के यहाँ मन्त्री थे। 5. कुतुबमीनार, अलाई दरवाजा, ग्यास-उद्-दीन तुगलक का मकबरा, फिरोजशाह कोटला।

(ग) 1. क्योंकि वास्तुकला एक समृद्धिशील क्रियाकलाप था। 2. पवित्र स्मारक, सहिष्णुतावादी स्मारक 3. माउण्ट आबू में। 4. कोणार्क का सूर्य मन्दिर, जगन्नाथपुरी का मन्दिर 5. शाहजहाँ।

(घ) 1. भुवनेश्वर 2. मुक्तेश्वर 3. सिरी 4. 13वीं 5. नादिर शाह

(ङ) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (घ) 4. (घ) 5. (घ)

6. नगर, व्यवसायी और शिल्पकार

(क) 1. शिल्पकलाओं के बढ़ते हुए विकास के फलस्वरूप व्यापार और वाणिज्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई जिसके परिणामस्वरूप बहुत से नए नगरों का उदय हुआ और वे शिल्पकला, व्यापार और वाणिज्य के केन्द्र बन गए। 2. हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सिन्धु घाटी सभ्यता में राजधानी वाले नगर थे। बुद्ध काल में महाजनपदों के अपने स्वयं के न्यायिक नगर हुआ करते थे। वत्स राज्य की राजधानी कौशाम्बी थी, अवन्ती राज्य की उज्जैयनी थी। 3. मध्ययुगीन काल में व्यापारिक गतिविधियाँ जमीनी रास्तों से ही हुआ करती थीं, लेकिन समुद्री मार्ग भी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। विशेषरूप में विदेशों से व्यापार करने के क्षेत्र में समुद्री मार्ग महत्त्वपूर्ण थे। 4. हम्पी का प्राचीन सम्बन्ध रामायण युग के किष्किन्धा नगर से है। मध्य युग में यह विजयनगर राज्य की राजधानी बनाई गई और राजा कृष्णदेव राय ने हम्पी शहर की स्थापना की। 5. मछलीपट्नम आन्ध्र प्रदेश में पूर्वी तट पर स्थित एक बन्दरगाह नगर था। अरब व्यापारियों ने इसे चौदहवीं शताब्दी में स्थापित किया था।

(ख) 1. हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सिन्धु घाटी सभ्यता में राजधानी वाले नगर थे। 2. समुद्री मार्ग एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। विशेष रूप में, विदेशों से व्यापार करने के क्षेत्र में समुद्री मार्ग महत्त्वपूर्ण थे। प्रमुख समुद्री बन्दरगाह वाले शहर थे–केम्बे, सोपारा, भरूच, सूरत, कोचिन, गोवा, कोवलम आदि। 3. हरिहर और बुक्का नामक दो भाईयों ने विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की थी। 4. आन्ध्र प्रदेश में पूर्वी तट पर। 5. अंग्रेजों ने।

(ग) 1. ग्रामों और नगरों का शहर बनाने के लिए शनैः शनैः होने वाला विकास। 2. व्यवसायियों, शिल्पकारों इत्यादि का मण्डल अथवा संघ। 3. एक व्यवसायी। 4. हम्पी 5. मछलीपट्नम में।

(घ) 1. मछलीपट्नम 2. विजयनगर 3. मछलीपट्नम 4. मलमल 5. कमालपुरा।

(ङ) 1. एक नगर, शहर इत्यादि के अवशेष 2. विजयनगर 3. सिन्धु घाटी सभ्यता 4. तीर्थाटन का केन्द्र 5. नीदरलैण्ड।

(च) 1. (ग) 2. (घ) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख)।

7. सामाजिक परिवर्तन-घुमन्तु एवं स्थाई समाज

(क) 1. एक जनजाति ऐसे लोगों का समूह है जिनके कुछ समान विशेषतारूपी चरित्रगत गुण होते हैं। ये पिछड़े, निर्धन व अशिक्षित होते हैं। 2. भारत में लगभग 500 आदिवासी जनजातियाँ हैं। ये आदिवासी जनजातियाँ कुल मिलाकर भारत की कुल जनसंख्या के आठ प्रतिशत भाग का प्रतिनिधित्व करती हैं। 3. आदिवासी जनजातियों का अशिक्षित होना, निर्धन होना और पिछड़ा होना आदि सबसे बड़ी समस्या है। भारत सरकार ने इनके उत्थान के लिए संविधान में प्रावधान, संसद व राज्य विधानसभाओं में आरक्षण, शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए योजनाएँ, नौकरियों आदि में आरक्षण इत्यादि उपाय किए हैं। 4. जाति व्यवस्था कार्य व्यवसाय

के आधार पर समाज का श्रेणीकरण करना था। व्यक्ति द्वारा अपनाया गया व्यवसाय ही जाति का आधार हुआ करता था। 5. अहोम जनजाति मूलत: चीन से सम्बन्ध रखती है। वे पहले उत्तरी बर्मा में आकर बसे, उसके पश्चात् असम में बस गए। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ संघर्ष किया और अपनी शक्ति को स्थापित किया।

(ख) 1. मिजोरम, लक्षद्वीप, नागालैण्ड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश 2. संविधान में आदिवासी लोगों के विकास करने के लिए प्रावधान, संसद और राज्यों की विधानसभाओं में इनका आरक्षण करना, शिक्षा के प्रसार के लिए योजनाएँ, आर्थिक विकास, नौकरियों में आरक्षण, विकास के लिए अलग से विशिष्ट मंत्रालय का गठन करना। 3. वर्तमान में हमारे देश में जाति जन्मजात मानी जाती है। इसमें परिवर्तन का कोई विकल्प नहीं है लेकिन सभ्यता के विकास के साथ तथा समाज सुधारकों के प्रयासों के पश्चात् धीरे-धीरे जाति व्यवस्था से जुड़ी रूग्णताएँ भी शनै: शनै: कम हो रही हैं। 4. जाति व्यवस्था समाप्ति के लिए धार्मिक और सामाजिक सुधारकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। गाँधीजी ने अछूत व्यवस्था को दूर करने के लिए सतत् प्रयास किए तथा भीमराव अम्बेडकर जाति व्यवस्था को दूर करने वाले प्रणेता थे। 5. गोंड आदिवासी मुख्य रूप से गोंडवाना क्षेत्र में निवास करते हैं। इनका मुख्य व्यवसाय कृषि तथा जुताई है। इनमें से कुछ शिल्पकार हैं जो छोटे-मोटे धातुओं के सामान बनाते हैं। इनका शिक्षा स्तर निम्न है। विवाह-विच्छेद, पुन: विवाह, विधवा विवाह सामान्य हैं तथा ये लोग भूत-प्रेत में विश्वास रखते हैं।

(ग) 1. आठ प्रतिशत 2. 500 3. चेंचू, कोटा 4. अशिक्षा, निर्धनता, पिछड़ापन 5. व्यवसाय।

(घ) 1. वैदिक 2. जुताई, कृषिकार्य 3. छत्तीसगढ़, मिजोरम 4. राजाराम मोहन राय 5. असम।

(ङ) 1. बंजारा 2. जातियों का सामाजिक विघटन 3. सन्थाल 4. चीन

(च) 1. (क) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ग) 5. (घ)

8. सामान्य प्रचलित मान्यताएँ एवं धर्म

(क) 1. पैगंबर मौहम्मद इस्लाम धर्म के संस्थापक थे। इस्लाम शब्द का अर्थ होता है भगवान की इच्छा के समक्ष झुकना अथवा आत्मसमर्पण कर देना। यह एक एकेश्वरवादी धर्म है। 2. सूफी सन्त मुस्लिम धर्म को मानने वाले सन्त थे। सूफी शब्द 'सफ' से उत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है 'ऊन'। फारस में संतों को रहस्यवादी सूफी इसलिए कहा गया है क्योंकि फारस के लोग शाल पहनते थे और वह मोटी ऊन से बना होता था। 3. (क) **ख्वाजा मुईन-उद्-दीन चिश्ती** भारत में 1192 ईस्वी में आए। वे कुछ समय के लिए दिल्ली और लाहौर में ठहरे और फिर अजमेर में बस गए। (ख) **मीराबाई** एक राजपूत राजकुमारी थी। उनका विवाह मेवाड़ के शासक राणा सांगा के साथ हुआ। **वल्लभाचार्य** का जन्म एक प्रसिद्ध तेलुगु ब्राह्मण परिवार में हुआ था। ये बनारस में रहा करते थे। 4. सन्त कबीर सबसे प्रसिद्ध भक्ति संत थे। वे निर्गुण संप्रदाय के अनुयायी थे और एक ही भगवान में विश्वास रखते थे। 5. हिन्दु अनुयायी कबीर के शव का दाह संस्कार करना चाहते थे और मुस्लिम अनुयायी उनको दफनाने में विश्वास रखते थे। ऐसा मानना है कि जब उनके शरीर से कपड़ा हटाया गया तो उनके अनुयाईयों को शव के स्थान पर फूल मिले। अंत में, हिन्दुओं ने आधे फूलों को ले लिया और उनका क्रियाकर्म कर दिया और आधे बचे फूलों को मुस्लिम अनुयाईयों ने दफना दिया।

(ख) 1. कलमा, नमाज, रोजा, हज एवं जकात। 2. संतों द्वारा भक्ति का प्रचार करने के लिए किए गए कार्य भक्ति आंदोलन कहलाता है। रामानन्द, चैतन्यदेव, मीराबाई आदि। 3. चैतन्य देव बंगाल के एक प्रसिद्ध धार्मिक प्रवर्त्तक थे। उन्होंने पच्चीस वर्ष की युवावस्था में सांसारिकता को त्याग दिया था। 4. निजाम-उद्-दीन औलिया चिश्ती सम्प्रदाय के एक महत्त्वपूर्ण सूफी सन्त थे। 5. कुछ विद्वानों के अनुसार कबीर का जन्म बनारस में 1398 ईस्वी में हुआ था। इनका लालन-पालन नीरू नामक मुस्लिम जुलाहा ने किया था। ये भी अपने पिता के व्यवसाय में अनुभवी थे।

(ग) 1. पैगंबर मौहम्मद 2. कुरान शरीफ 3. तलवंडी (अब पाकिस्तान) में। 4. मुस्लिम धर्म को मानने वाले सन्त 5. राणा सांगा।

(घ) 1. फारस 2. इस्लाम 3. नदिया 4. काव्योक्तियाँ अथवा दोहे 5. निर्गुण।

(ङ) 1. फारस 2. इस्लाम के पवित्र कानून में विश्वास करना 3. बीजक 4. सगुण 5. नदिया।

(च) 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (घ) 5. (क)

9. क्षेत्रीय संस्कृतियों का फलना-फूलना

(क) 1. तुर्कों के आगमन के साथ फारसी, ब्राह्मण विद्वानों की भी अधिकारिक भाषा बन गई। इस काल के कवि अमीर खुसरो को सबसे महान फारसी कवि माना जाता है। अमीर हुसैन एक अन्य प्रसिद्ध कवि थे। प्रसिद्ध इतिहासकारों और भारत में आने वाले यात्रियों ने उस काल के शासकों, राजनैतिक घटनाओं और सामान्य लोगों के जीवन के बारे में विस्तार से लिखा। 2. मुगल सम्राट फारसी साहित्य को प्रोत्साहन प्रदान किया करते थे। सम्राट अकबर ने एक अलग विभाग की स्थापना की जिससे संस्कृत की प्रसिद्ध रचनाओं का हिन्दी अनुवाद किया जा सके। इस काल में तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' लिखा जबकि सूरदास ने हिन्दी में 'सूरसागर' की रचना की। 3. राजपूत शासक चित्रकारी कला के बहुत बड़े प्रोत्साहक एवं प्रश्रयदाता थे। इस काल में, भारतीय चित्रकारों द्वारा कुछ अद्वितीय चित्रकारी की रचना की गई। 4. भारतीय शास्त्रीय संगीत रागों पर आधारित था जिसने इस काल में नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया। ठुमरी, ध्रुपद, ख्याल, दादरा आदि हिन्दुस्तानी संगीत के रूप हैं। 5. बंगाल ने संगीत में समृद्ध योगदान प्रदान किया है। जयदेव द्वारा रचित 'गीत गोविन्द' एक अमर कृति है। इसको संगीत की शैली का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

(ख) 1. अरबी और फारसी। अरबी मुख्यत: एक धार्मिकता से सम्बन्धित भाषा रही जबकि फारसी को दरबारी अथवा न्यायिक भाषा के रूप में अपनाया गया। 2. फारसी लिपि ही उर्दू के लेखन में प्रयुक्त की जाती है। इसकी अधिकांश शब्दावलियाँ फारसी भाषा से ली गयी हैं। 3. राजस्थानी चित्रकला और पहाड़ी चित्रकारी। 4. अमीर खुसरो एक महान फारसी कवि था जिसने एक नवीन प्रकार की संगीतमय शैली विकसित की जिसे 'कव्वाली' के नाम से जाना जाता है। 5. शास्त्रीय नृत्य जैसे–उड़ीसा में ओडिसी, उत्तर प्रदेश में कत्थक, तमिलनाडु में भारतनाट्यम आदि लोगों में बहुत ही लोकप्रिय थे।

(ग) 1. फारसी 2. एक प्रसिद्ध रचयिता थे। 3. तुज्क-ए-जहाँगीरी 4. अमीर खुसरो 5. बंगाल में।

(घ) 1. जयदेव 2. ब्रजभाषा, अवधी 3. ओडिसी, कत्थक, भारतनाट्यम 4. मिर्जा गालिब 5. बंगाल

(ङ) 1. तुज्क-ए-जहाँगीरी 2. तानसेन 3. बंगाल 4. कव्वाली 5. उर्दू

(च) 1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग) 5. (क)

10. अट्ठारहवीं शताब्दी में उभरे नवीन राजनैतिक समीकरण

(क) 1. मुगल साम्राज्य का पतन औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् से प्रारम्भ हो गया। उत्तराधिकारी बनने हेतु जो संघर्ष प्रारम्भ हुआ उसमें उसका सबसे बड़ा पुत्र बहादुरशाह विजयी रहा। लेकिन वह एक कमजोर शासक सिद्ध हुआ और साम्राज्य को नियन्त्रण में नहीं रख सका। 2. अट्ठारहवीं शताब्दी के अन्त में शुक्रचकिया मिस्ल के प्रधान महाराजा रणजीत सिंह ने सभी मिस्लों को संगठित किया और सतलज नदी के पश्चिम में स्थित सभी क्षेत्र को अपने नियन्त्रण में ले लिया और एक सिख राज्य की स्थापना की। 3. टीपू सुलतान ने एक नवीन प्रकार के माप एवं तौल की प्रणाली स्थापित करने का प्रयास किया। वह एक कुशल सेनानायक भी था। वह एक महान् सिपाही था जो पराजय के समक्ष खड़ा होने पर भी कभी निराश नहीं होता था। 4. शिवाजी ने मराठों की पहाड़ी जातियों को एक शक्तिशाली और सुसंगठित शक्ति के रूप में एकत्रित किया। उन्होंने उनके अन्दर देशभक्ति की भावना जाग्रत की। 5. शिवाजी का प्रशासन उनके स्वयं अर्थात् राजा के द्वारा प्रधान के रूप में चलाया जाता था जो एक आठ मन्त्रियों की समिति द्वारा सलाहकारी सहायता से चलता था।

(ख) 1. जोधपुर और जयपुर 2. बन्दा बहादुर सिख नेता थे। फरूखसिया ने बन्दा बहादुर को उनके दस हजार अनुयाईयों के साथ पकड़ लिया और यातनाएँ देकर मार डाला। 3. अट्ठारहवीं शताब्दी में महाराजा रणजीत सिंह ने सभी मिस्लों को संगठित किया और सतजल नदी के पश्चिम में स्थित क्षेत्रों को नियन्त्रण में लेकर सिक्ख राज्य की स्थापना की। 4. मुगलकाल में, निजाम-उल-मुल्क ने। 5. शिवाजी अपने आपको फल और मिठाईयों की टोकरियों में छिपाकर कैदखाने से बाहर निकल आए।

(ग) सवाई राजा जय सिंह ने। 2. खगोलकेन्द्र 3. मैसूर 4. जीजाबाई 5. राज्य के ब्राह्मण मंत्री।

(घ) 1. बहादुरशाह 2. हैदर अली 3. निजाम-उल-मुल्क 4. शिवनेर 5. राजा बनाने वालों।

(ङ) 1. जयपुर 2. मैसूर 3. अन्तिम सिख गुरु 4. हैदराबाद 5. कोण्डदेव।

(च) 1. (घ) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

इकाई-II : हमारा पर्यावरण

11. प्राकृतिक एवं मानवीय पर्यावरण

(क) 1. पृथ्वी का एक अद्वितीय पर्यावरण है। यही एक ऐसा ग्रह है जहाँ पर जीवन विभिन्न रूपों में है। 2. भौतिक पर्यावरण जैव पर्यावरण को प्रभावित करता है। जैव पर्यावरण भी भौतिक पर्यावरण को प्रभावित करता है। 3. समय के साथ भौतिक व जैव तत्त्वों की गतिशीलता के कारण। 4. परिस्थितिकी तंत्र जैव, भौतिक और मानवीय तत्त्वों का एक संघटित रूप है जिसमें सभी तत्त्व एक-दूसरे पर निर्भर हैं। 5. असंतुलित परिस्थितिकी तंत्र के कारण ऐसी स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं जो मानवों के लिए लाभदायक और हानिकारक दोनों हो सकती हैं।

(ख) 1. मानव जीवन के विकास के लिए। 2. चट्टानें अपघटित होकर मृदा में बदल जाती हैं। 3. ताकि हम अनुकूलन के विभिन्न तरीके खोजें और पर्यावरण में संतुलन बनाए रखें। 4. यदि पौधों की वृद्धि सामान्य रूप से कम हो जाती है तो यह शाकाहारियों की संख्या में कमी कर देती है जिससे मांसाहारी भी प्रभावित होते हैं।

(ग) 1. परिस्थितिकीय संतुलन 2. परिस्थितिकी तंत्र

(घ) 1. सहायक तंत्र 2. मैदान, पर्वत, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक हरियाली, वन्य जीव इत्यादि। 3. मानव निर्मित वस्तुएँ 4. पर्यावरण के प्रकार।

(ङ) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य।

(च) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख)

12. प्राकृतिक वातावरण : भूमि

(क) 1. पृथ्वी की आंतरिक संरचना तीन परतों की बनी है–पपड़ी, प्रावरण तथवा केंद्र। 2. परतों से निर्मित; जीवधारियों के जीवाश्म से बनी; छिद्रिल चट्टानें; किसी भी प्रकार के क्रिस्टल नहीं पाए जाते; कोयला, तेल व प्राकृतिक गैस के जमाव से युक्त। 3. ज्वालामुखी पृथ्वी की पपड़ी में दरार होती है; (i) सक्रिय ज्वालामुखी समय-समय पर लावा उगलते रहते है। (ii) निष्क्रिय ज्वालामुखी जो अतीत में फूटे थे परंतु अब लम्बे समय से निष्क्रिय है। (iii) विलुप्त ज्वालामुखी वे हैं जो लम्बे समय पहले सक्रिय थे लेकिन अब वे इतने लम्बे समय से निष्क्रिय हैं कि भविष्य में उनके फूटने की सम्भावना नहीं है। 4. पृथ्वी के एक भाग का यकायक कंपन। भूकंप आने के प्रमुख कारण, भू-प्लेट हलचल और विवर्तनिक गतिविधियाँ हैं।

(ख) 1. पृथ्वी को चारों ओर से घेरे विभिन्न गैसों के मिश्रण का एक अदृश्य आवरण। 2. भौतिक वातावरण तथा जैव वातावरण। 3. पपड़ी, प्रावरण, केंद्र 4. अवसाद चट्टानें, रूपांतरित चट्टानें 5. (i) सक्रिय ज्वालामुखी (ii) निष्क्रिय ज्वालामुखी (iii) विलुप्त ज्वालामुखी 6. भूकंप का अध्ययन।

(ग) 1. स्थलमण्डल 2. जीवाश्म 3. पृथ्वी की पपड़ी में निहित खनिज, जीवाश्म। 4. लावा और गैसें। 5. आग्नेय चट्टान।

(घ) 1. **निष्क्रिय ज्वालामुखी**–लम्बे समय से निष्क्रिय हैं। **विलुप्त ज्वालामुखी**–जिनके भविष्य में फूटने की सम्भावना नहीं है। 2. **आग्नेय चट्टानें**–पृथ्वी के भीतर से निकले पिघले हुए पदार्थों का ठोस रूप हैं। **रूपांतरित चट्टानें**–रूपांतरण की प्रक्रिया के कारण बनती हैं। 3. **भौतिक वातावरण**–निर्जीव तत्व–भूमि, जल और वायु। **जैव वातावरण**–जैव वातावरण में जैव मण्डल सम्मिलित होता है।

(ङ) 1. 71 प्रतिशत 2. भूकम्प 3. पपड़ी 4. पौधे, पशुओं के अवशेष।

(च) 1. ठोस परत 2. माध्यमिक चट्टानें 3. स्थल मण्डल 4. मार्बल 5. मोटी परत।

(छ) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य

(ज) 1. (ख) 2. (क) 3. (घ) 4. (ख) 5. (क) 6. (ख) 7. (ग) 8. (क) 9. (घ)।

13. वायु

(क) 1. रेन गेज से; यह वर्षा की दर नापता है; हिमपात को गलन द्वारा मापते हैं। 2. हाइग्रोमीटर के द्वारा। 3. मौसम संबंधी सूचनाएँ मौसम केंद्रों से वैज्ञानिकों द्वारा एकत्र की जाती हैं। ये हमें ताप, नमी, वर्षा, मेघ, धूप, दाब और हवा की जानकारी प्राप्त करने में सहायता करती हैं।

(ख) 1. एनेराइड बैरोमीटर का प्रयोग वायुमंडलीय दाब को मापने में किया जाता है। यह हवा द्वारा एक धातुई प्लेट पर लगाई गई शक्ति

को मापता है। 2. जहाँ मौसम सम्बंधी आँकड़े निरंतर एकत्रित किए जाते हैं। 3. उड़ान के दौरान जहाज की ऊँचाई बताने में किया जाता है। 4. वायु की आर्द्रता।

(ग) 1. ताप, नमी, दाब और हवा। 2. वर्षा का लगातार रिकार्ड 3. हवा का दाब 4. थर्मोमीटर।

(घ) 1. मौसम प्रति घंटे और प्रतिदिन बदलता रहता है, जलवायु एक स्थान विशेष का औसत मौसम है जो उसकी विशेषता होती है। 2. **ताप की दैनिक सीमा**–24 घंटे का औसत ताप, **वार्षिक सीमा**–साल भर का औसत ताप 3. **एल्टीमीटर** उड़ान के दौरान जहाज की ऊँचाई बताता है, **बैरोमीटर** हवा का दाब मापता है।

(ङ) 1. आर्द्रता 2. लू 3. आर्द्रता 4. 4° सेल्सियस 5. धुँध 6. नाइट्रोजन 7. सूर्य की पराबैंगनी किरणें 8. प्रदूषक 9. सूर्य 10. मौसम विज्ञान 11. सेल्सियस, फैरेनहाइट 12. सेंटीमीटर 13. विण्डवेन।

(च) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. असत्य।

(छ) 1. (क) मिलिबार (ख) मिलीमीटर (ग) प्रतिशत (घ) डिग्री सेल्सियस 2. (क) बैरोग्राफ (ख) थर्मोमीटर (ग) हाइग्रोमीटर (घ) विडंवेन (ङ) एनिमोमीटर (च) हेयटोग्राफ।

(ज) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ख) 4. (ग) 5. (ख) 6. (घ) 7. (क) 8. (क) 9. (ख) 10. (ख) 11. (क) 12. (ख) 13. (ख)।

14. जल

(क) 1. धाराएँ जल के घनत्व, ताप और लवणीयता में भिन्नता के कारण उत्पन्न होती हैं। 2. समुद्र जल के घनत्व में भिन्नता, प्रबल हवाएँ, पृथ्वी का अपने अक्ष पर घुमाव, खाड़ी देशों जिनके निकट ये धाराएँ बहती हैं वहाँ की जलवायु को प्रभावित करते हैं। उष्ण और ठण्डी धारा का मिश्रण प्लवकों के उत्पादन में मदद करता है 3. प्लवकों वाले क्षेत्र संसार के बड़े मछली उत्पादक क्षेत्र हैं। धाराएँ परिवहन को प्रभावित करती हैं, क्योंकि धारा से दूर जा रहा जहाज निश्चित ही तेजी से जायेगा। यह समय तथा ईंधन बचा सकती है।

(ख) 1. पृथ्वी पर बड़ी मात्रा में उपस्थित जल मण्डल। 2. महासागर और समुद्र। 3. समुद्रों में चट्टानों और नदियों द्वारा बहाकर लाए गए खनिजों के कारण। 4. हवा के बहने के कारण उत्पन्न एक खिंचाव लहरों की गति का महत्त्वपूर्ण कारण है। 5. चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण। 6. समुद्र परिवहन, नदी परिवहन, बंदरगाहों पर गाद जमने से रोकना, विद्युत उत्पादन, मछुआरों की मदद।

(ग) 1. मृत सागर में। 2. लहरें, ज्वार भाटा, महासागरीय धाराएँ। 3. कुरोशिया धारा और गल्फ स्ट्रीम धारा। 4. समुद्र जल के घनत्व में भिन्नता। 5. केनरे धारा, सहारा रेगिस्तान (अफ्रीका)।

(घ) 1. **लहरें**–महासागर के जल की सतह पर ऊपर नीचे होने को कहते हैं। **ज्वार-भाटा**–समुद्र के जल का एकाएक उठने व गिरने को ज्वार-भाटा कहते हैं। 2. **ऊष्ण धाराएँ**–ये भूमध्य रेखा के निकट उत्पन्न होती हैं और ध्रुवों की ओर बहती हैं। **ठण्डी धाराएँ**–ये उच्च अक्षांश में उत्पन्न होती हैं और भूमध्य रेखा की ओर बहती हैं। 3. **महासागरीय धारा**–महासागरीय जल के बड़े पैमाने पर एक निश्चित दिशा में बहने को महासागरीय धाराएँ कहते हैं। **संवहन**–जब महासागर की सतह पर बहते जल का परिमाण मंद और छिछला होता है तो उसे संवहन कहते हैं। 4. **स्प्रिंग ज्वार भाटा**–जब ज्वार भाटा साधारण से उच्च परिमाण का होता है। **लघु ज्वार-भाटा**–जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक त्रिभुज के तीन कोण बनाते हैं।

(ङ) 1. चंद्रमा 2. लवण 3. ठंडी 4. अमेजन नदी 5. लवणीय।

(च) 1. मृदा क्षरण 2. हिमनद 3. लहरें 4. मछली पकड़ना 5. हुगली।

(छ) 1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य।

(ज) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ख) 6. (क) 7. (क)।

15. प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन

(क) 1. उष्णकटिबंधीय पतझड़ी वन (मानसूनी); ये उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 100 से 200 सेमी तक रहती है। वृक्ष पतझड़ में अपनी पत्तियाँ गिराते हैं। 2. औसत सदाबहार वनों में पेड़ों की पत्तियाँ चौड़ी और चिकनी होती हैं और इनकी जड़ें बहुत गहरी होती हैं। इसी कारण कम वर्षा और शुष्क मौसम में भी ये वन सदाबहार रहते हैं। 3. अनुवांशिक विविधता को बचाए रखने के लिए जैवमण्डल संरक्षण केंद्र प्रतिनिधि परिस्थितिकी तंत्रों में स्थापित किए गए हैं, वन्यजीवन को उसकी प्राकृतिक स्थिति में बचाए रखने के लिए राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य स्थापित किए गए हैं। 4. ये पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण में मदद करते हैं। वन जलवायु और मौसम को रासायनिक चक्र में परिवर्तित करके जीवन के अनुकूल बनाते हैं। ये वातावरण को नियंत्रित रखकर पृथ्वी का पर्यावरण सन्तुलन बनाए रखते हैं। 5. वृक्षों का कृषि, लकड़ी, ईंधन और मानवीय बस्तियों के लिए, पशु बाड़ों के लिए विनाश करना वननाशन या वनों का कटान कहलाता है। 6. 1973 में भारत सरकार द्वारा चलाया गया विशेष कार्यक्रम जिसमें कई राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य चीतों के लिए सुरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित किए गए हैं 7. वन प्रकृति की महान भेंट हैं। वन पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण में मदद करते हैं। वन जंगली जंतुओं के आश्रय स्थल हैं। 8. घर न रहने के कारण पशुओं की कई प्रजातियाँ मिट गई हैं, कम पौधों का अर्थ है, कम प्रकाश-संश्लेषण। कम प्रकाश-संश्लेषण से आक्सीजन का उत्पादन कम हो जाता है और हवा में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा बढ़ती है। 9. निवास का नाश, शिकार, प्रदूषण, विभिन्न उद्योगों द्वारा फैलाया वायु, जल और मृदा प्रदूषण पशु स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित करता है। 10. संकटशील प्रजातियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। वन्यजीवन को बचाए रखने के लिए राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य स्थापित किए गए हैं।

(ख) 1. भूमध्यरेखीय वन, सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय पतझड़ी वन (मानसूनी), चौड़ी पत्तियों वाले औसत सदाबहार वन, चौड़ी पत्तियों वाले औसत पतझड़ी वन, शंकुधारी वन 2. इन वृक्षों का आकार, शंकुकार होता है, तने के चारों ओर थोड़ी ऊँचाई पर ही पत्तियाँ होती हैं, इन वृक्षों की शाखाएँ और पत्तियाँ नीचे की ओर झुकी रहती हैं, तना अधिक मोटा नहीं होता, पत्तियाँ ऊँचाई तक जाते-जाते कम होती जाती हैं। 3. जैवमण्डल के सभी अवयवी एक-दूसरे पर वातावरण के संतुलन के माध्यम से निर्भर हैं। 4. टिम्बर, ईंधन, लकड़ी, भोजन और आक्सीजन। 5. कृषि; क्योंकि वहाँ की जलवायु कृषि के अनुकूल हैं।

(ग) 1. वन प्रकृति की महान भेंट हैं। 2. कार्बन डाईऑक्साइड 3. डीडीटी और डाइ-एल्डरिन। 4. रेड सिसकिन, सफेद मोर 5. राष्ट्रीय उद्यान, वहाँ की वनस्पति, वन्यजीवन और प्राकृतिक सुन्दरता के लिए, एक सुरक्षित क्षेत्र होता है। 6. संकटशील प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र होता है। 7. आई यू सी एन और डब्ल्यु डब्ल्यु एफ।

(घ) 1. पृथ्वी 2. प्राकृतिक 3. उष्णकटिबंधीय 4. यूरेशिया 5. पशुओं 6. अवयव 7. संकटशील 8. सुरक्षित।

(ङ) 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य 6. असत्य।

(च) 1. भूमध्यरेखीय वन 2. मानसूनी वन 3. औसत सदाबहार वन 4. शंकुधारी वन 5. औसत पतझड़ी वन।

(छ) 1. (क) 2. (ग) 3. (घ) 4. (क) 5. (घ)।

16. मानवीय पर्यावरण

(क) 1. **ग्रामीण बस्ती**–वह स्थान जहाँ मानव मूल व्यवसायों में बिना किसी सुविधा में संलिप्त हो गया। **नगरीय बस्ती**–विकसित बस्ती जहाँ सभी मूल सुविधाएँ उपलब्ध हुईं। 2. उपग्रह संचार तंत्र एक स्थान से दूसरे स्थान तक सूचना के संचार की पद्धति को कहते हैं। भारत में उपग्रह संचार तंत्र का प्रयोग टीवी कार्यक्रमों, दूरसंचार और अन्य कारणों से किया जाता है। 3. द्रुत परिवहन का साधन रेलवे, सड़क मार्ग की तुलना में अधिक भार ले जा सकता है। 4. यह पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयुक्त है जहाँ सड़कें और रेलवे नही पहुँच पातीं।

(ख) 1. कीचड़ की मोटी दीवारें दिन में घर को ठण्डा रखती हैं क्योंकि कीचड़ ऊष्मा का कुचालक है। 2. ग्रामीण और नगरीय बस्ती। 3. पाइपलाइनों का प्रयोग अधिकांशत: खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और जल के परिवहन में होता है। 4. बस्ती का अर्थ है सामूहिक मानवीय निवास क्षेत्र।

(ग) 1. भूमि, जल, वायु परिवहन 2. इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (नई दिल्ली), टोक्यो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, गिम्पो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, शिफोल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, हीर्थो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जूरिक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, फ्यूमिसिनो रोम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 3. मेडिटेरियन समुद्र को लाल समुद्र से। 4. नगरीय बस्ती, उचित हवा का अभाव।

(घ) 1. इस्लामाबाद 2. पहिए 3. नदियों 4. टेलिफोन 5. ग्रामीण 6. आन्तरिक जलमार्ग 7. अटलांटिक महासागर को प्रशांत महासागर से।

(ङ) 1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. असत्य 6. सत्य 7. असत्य 8. सत्य।

(च) 1. कृषि 2. उद्योग 3. न्यूयार्क 4. आर्यभट्ट 5. रूस।

(छ) 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख)।

17. मानवीय पर्यावरण अंत: क्रिया

(क) 1. अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान संसार का विशालतम रेगिस्तान है। यह पूर्व से पश्चिम में लगभग 55000 किमी तथा उत्तर और दक्षिण में 1900 किमी तक फैला है। 2. लद्दाख एक ठण्डा रेगिस्तान है। यह जम्मू कश्मीर के पूर्व में स्थित है। ऊँचे पर्वत और शुष्कता इस क्षेत्र के प्रमुख लक्षण हैं। 3. अमेजन के वर्षा वनों में बड़ी विविधता वाले पौधे और पशु पाए जाते हैं। इस खाड़ी में उष्णकटिबंधीय ऊँचे वृक्षों वाले सदाबहार वन पाए जाते हैं। सवाना चरागाह इन वनों के दक्षिण में है। 4. अधिकांश लोग गाँवों में रहते हैं। गाँवों में न केवल कृषि वरन् कई लघु उद्योग और कुटीर उद्योग भी स्थापित हैं। 5. विविध प्रकार की फसलें बड़ी मात्रा में उगाई जाती हैं; जैसे–गेहूँ, मक्का, ओट, जौ, राई और तिलहन, जिन्हें प्राकृतिक वातावरण द्वारा मदद मिलती है। ये कस्बे कृषि उत्पादों को एकत्रित करने, भण्डारण तथा वितरण के केंद्रों का कार्य करते हैं। 6. वैल्ड दक्षिणी अफ्रीका के चरागाह हैं। ये चरागाह ड्रेकेंसबर्ग पर्वतों से लेकर नामिबियन रेगिस्तान तक फैले हैं।

(ख) 1. रेगिस्तान वह बंजर भूमि है जहाँ वर्ष में 25 सेमी से कम वर्षा होती है। गर्म रेगिस्तानी जीवन 20 से 30 डिग्री अक्षांश पर भूमध्य रेखा के उत्तरी और दक्षिणी भाग में मिलता है। 2. ठंड के दौरान यह क्षेत्र अत्यंत ठंडा होता है जब तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे हो जाता है। अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं होता। वर्षा कम होती है। 3. अमेजन नदी भूमध्य रेखा के 10 डिग्री उत्तर और 10 डिग्री दक्षिण में दक्षिण अमेरिका की अमेजन खाड़ी में स्थित है। अमेजन नदी विश्व की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। 4. लोगों का जीवन स्तर और आय बढ़ती है। 5. चरागाहों को प्राकृतिक वातावरण द्वारा मदद मिलती है इसके अतिरिक्त चरागाह क्षेत्रों के अधिकतर कस्बों में रेलवे जंक्शन हैं। 6. दक्षिणी अफ्रीका की स्थिति ताप क्षेत्र में उत्तरी गोलार्द्ध में है।

(ग) 1. खजूर, ताड़ 2. मरुद्यान रेगिस्तान का एक उपजाऊ भाग है। 3. अमेजन खाड़ी की जलवायु गर्म और नम है 4. गंगा–ब्रह्मपुत्र क्षेत्र के वन अमेजन सिंचित प्रदेश की तुलना में कम सघन हैं। इसलिए ये वन अधिक उपयोगी हैं। 5. ये कस्बे कृषि उत्पादों को एकत्रित करने, भण्डारण तथा वितरण के केंद्रों का कार्य करते हैं।

(घ) 1. सहारा 2. हवा 3. अमेजन वर्षा वन 4. गंगा–ब्रह्मपुत्र 5. वैल्ड 6. संसार।

(ङ) 1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य।

(च) 1. अमेजन के वर्षा वनों में बड़ी विविधता वाले पौधे और पशु पाए जाते हैं। गंगा–ब्रह्मपुत्र वन भूमध्यरेखीय क्षेत्रों के वनों के समान सघन नही हैं। 2. चरागाह मध्य अक्षांश के मैदानों पर घास के बड़े मैदान हैं। वैल्ड चरागाह ड्रेकेंसबर्ग पर्वतों से लेकर नामिबियन रेगिस्तान तक फैले हैं।

(छ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (ग) 5. (घ) 6. (ख) 7. (ख) 8. (क) 9. (क)

इकाई-III: प्रजातन्त्र एवं समानता

18. प्रजातन्त्र का विकास

(क) 1. सन् 1688 की इंग्लैण्ड की प्रसिद्ध क्रान्ति ने ब्रिटिश राजा के निरंकुश शासन पर गहरी चोट पहुँचाई। सन् 1789 ईस्वी में फ्रेंच क्रान्ति ने स्वतन्त्रता, समानता और भ्रातत्व की अवधारणा को प्रस्तुत किया। इसने राजा की सत्ता को गहरी चोट पहुँचाई। सन 1917 ईस्वी में रूसी क्रान्ति ने भी आर्थिक समानता लाने का प्रयास किया। 2. एकीकृत और संघीय स्वरूप वाली सरकार है। भारतीय संविधान दोनों ही स्वरूपों वाला है अर्थात् यह एक तरफ तो एकीकृत है और दूसरी तरफ यह संघीय भी है। लेकिन फिर भी केन्द्रीय सरकार को अपेक्षाकृत अधिक शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। 3. प्रजातन्त्रात्मक सरकार का निर्माण आम जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से होता है। अधिनायकवादी सरकार के सभी अधिकार एवं शक्तियाँ किसी एक व्यक्ति अथवा दल के हाथों में निहित होते हैं। 4. सरकार के निर्णय बहुमत के सिद्धान्त पर तय किए जाते हैं। 5. संसदीय स्वरूप वाली सरकार में सरकार का निर्माण मन्त्रियों की समिति के द्वारा होता है, जबकि राष्ट्राध्यक्ष स्वरूप वाली सरकार में कार्यपालिका संसद से स्वतन्त्र होती है।

(ख) 1. प्रजातन्त्र लोगों द्वारा बनाई हुई सरकार है, यह उनकी सरकार है और उनके लिए ही इस सरकार का निर्माण होता है। 2. कानून का शासन में न्याय के अन्तर्गत प्रशासन करने का आधार होता है।

3. एक स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका का होना आवश्यक होता है जिससे यदि कोई केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के मध्य समस्या उत्पन्न होती है तो इसको आपस में शान्ति से सुलझाया जा सके। 4. जहाँ विभिन्न धर्मों को मानने वाले समान रूप से समान अधिकार रखते हैं और उन्हें अपना धर्म मानने की पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त है। 5. राष्ट्राध्यक्ष स्वरूप वाली सरकार।

(ग) 1. संयुक्त राज्य अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति थे। 2. सन् 1688 3. यह कानूनों का पालन सुनिश्चित करवाती है और देश की प्रशासनिक व्यवस्था को चलाती है। 4. कानून के अन्तर्गत अस्पृश्यता को दण्डनीय अपराध घोषित कर दिया गया है। 5. वास्तविक सत्ता लोगों के हाथों में होती है, सरकार का कार्यकाल निश्चित होता है।

(घ) 1. राष्ट्राध्यक्ष 2. एथेन्स 3. संविधान 4. दोगुने 5. धर्म निरपेक्ष।

(ङ) 1. एथेन्स 2. राजशाही 3. पाकिस्तान 4. भारत 5. तानाशाह।

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क) 6. (घ) 7. (ख) 8. (ख) 9. (ग)।

19. प्रजातन्त्र का संस्थागत प्रतिनिधित्व

(क) 1. मतदान के अधिकार को देश के सभी व्यस्क नागरिकों को जिनकी आयु कम से कम अट्ठारह वर्ष हो, बिना किसी जाति, धर्म, इत्यादि के भेदभाव के प्रदान किया जाता है। 2. यह चुनाव आयोग का उत्तरदायित्व है कि वह संसद और राज्यों की विधान सभाओं के लिए चुनाव करवाए। 3. सरकार के द्वारा अपनायी गयी नीतियाँ एवं कार्यक्रम और जनप्रतिनिधियों की योग्यता अथवा उनके बारे में जनता की पसन्द, केवल एक चुनी हुई सरकार ही अपने नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित रख सकती है। 4. एक नई लोकसभा अथवा राज्यों की विधान सभा का चुना जाना अथवा निर्माण किया जाना वर्तमान सदन के कार्यकाल की अवधि समाप्त होने पर अथवा उसके भंग हो जाने की दशा में आवश्यक होता है। इसके लिए राष्ट्रपति सूचना प्रपत्र जारी करते हैं। चुनाव प्रक्रिया अधिसूचना प्रपत्र के जारी होने पर प्रारम्भ हो जाती है। 5. एक राजनैतिक दल ऐसे व्यक्तियों का संगठन होता है जिसके विचार समान हैं तथा जो एक राजनैतिक इकाई के रूप में कार्य करते हों एवं जिसका उद्देश्य संवैधानिक मार्ग को अपनाकर सरकार पर नियन्त्रण स्थापित करना होता है।

(ख) 1. उम्मीदवार मतदाताओं में झण्डों, पर्चों, पत्रकों, स्टीकरों इत्यादि का वितरण करते हैं और उनसे उनका समर्थन और चुनाव में उनका अपने पक्ष में मत डालने का निवेदन करते हैं। 2. एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल समूचे देशभर में चुनावों में हिस्सा लेता है, जबकि क्षेत्रीय स्तर का राजनैतिक दल किसी एक विशिष्ट क्षेत्र अथवा राज्य में ही चुनाव लड़ता है। 3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना सन् 1885 में हुई थी। कांग्रेस का चुनाव चिन्ह हाथ है। इसने निम्न नीतियों और कार्यक्रमों को चलाने पर जोर दिया–कम्पनियों का निजीकरण, जनजातियों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार आरक्षण आदि। 4. विपक्षी दल इस बात की निगरानी करते हैं कि सरकार द्वारा अपनी शक्ति का दुरुपयोग न हो। विपक्षी दल जनता का मत सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध बनाते हैं। 5. यदि किसी परिस्थिति में कोई राजनैतिक दल चुनावों में सम्पूर्ण रूप से बहुमत प्राप्त नहीं कर पाता है तो दो या दो से अधिक राजनैतिक दल आपस में मिलकर सरकार का निर्माण करते हैं।

(ग) 1. 18 वर्ष। 2. राष्ट्रपति द्वारा। 3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया। 4. जब दो या दो से अधिक राजनैतिक दल आपस में मिलकर सरकार का निर्माण करते हैं। 5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस।

(घ) 1. साइकिल 2. प्रजातंत्र 3. पाँच 4. राष्ट्रीय राजनैतिक 5. चुनाव आयोग।

(ङ) 1. हाथ 2. मक्का का पौधा एवं हंसिया 3. तराजु 4. हाथी 5. कमल का फूल।

(च) 1. (ख) 2. (घ) 3. (क) 4. (घ) 5. (ख)

20. राज्य सरकार : इसका गठन और कार्य

(क) 1. राज्यों की विधायिका ही राज्य की कानून निर्माता है। अधिकांश राज्यों का अपनी विधायिका में केवल एक सदन ही होता है; जैसे–विधान सभा। जबकि कुछ बड़े राज्यों के दो सदन होते हैं; जैसे–विधान सभा, जिसे निचला सदन कहा जाता है और विधान परिषद, जिसको उच्च सदन कहा जाता है। 2. किसी राज्य का राज्यपाल उस राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है। उसके पास अनेक शक्तियाँ होती हैं; जैसे–(i) कार्यकारी शक्तियाँ (ii) विधायी शक्तियाँ (iii) न्यायिक अधिकार (iv) स्वविवेकी शक्तियाँ। 3. किसी विधेयक के पारित होने में तीन स्थितियाँ होती हैं जिनको वाचन कहते हैं। प्रथम वाचन में विधेयक को प्रस्तुत किया जाता है द्वितीय वाचन में सदन में उस विधेयक के सम्बन्ध में आम बहस का आयोजन होता है, तृतीय वाचन में उक्त विधेयक सदन में मतदान के लिए प्रस्तुत किया जाता है और सभापति उसपर अपने हस्ताक्षर करने के उपरान्त विधान परिषद को स्वीकृति हेतु भेज देता है। जब राज्य का राज्यपाल उक्त विधेयक पर अपने हस्ताक्षर कर देता है तो यह विधेयक कानून बन जाता है 4. मुख्यमंत्री ही विधान सभा का नेता होता है, साथ ही वह बहुमत दल का नेता भी होता है। मुख्यमंत्री राज्यपाल और मन्त्रियों की समिति के मध्य सम्पर्क सूत्र की भूमिका निभाता है। 5. नागरिक अधिकारी अथवा सरकारी अधिकारी जिन पर सरकार की नीतियों को क्रियान्वयन करने का उत्तरदायित्व होता है किसी भी सरकार की सफलता उसमें कार्य करने वाले नौकरशाहों की कुशलता, योग्यता और ईमानदारी पर निर्भर करती है।

(ख) 1. वह आवश्यक रूप में भारत का नागरिक हो; उसकी आयु पच्चीस वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए; उसने कोई लाभ का पद नहीं ग्रहण कर रखा हो, उस व्यक्ति का नाम उस क्षेत्र की मतदाता सूची में अंकित होना चाहिए। 2. इन शक्तियों के प्रयोग करने में राज्यपाल मन्त्रियों की समिति की सलाह को मानने के लिए बाध्य नहीं है। यदि किन्हीं परिस्थितियों में कोई भी राजनैतिक दल चुनाव में स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं कर पाता है तो राज्यपाल के पास स्वविवेक प्रयोग करने का अधिकार है। 3. वित्त विधेयक ऐसा विधेयक है जिसका सम्बन्ध वित्तीय मामलों से होता है। वित्त विधेयक केवल राज्य की विधान सभा में ही प्रस्तुत किया जा सकता है। सरकार का कोई एक मंत्री राज्यपाल की स्वीकृति के पश्चात् इसको सदन के समक्ष प्रस्तुत करता है। जब विधान सभा इस वित्त विधेयक को पारित करती है तब इसे विधान परिषद में भेजा जाता है। 4. यदि किसी राज्य का प्रशासन संवैधानिक प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही नहीं कर रहा है तब राज्यपाल अपनी आख्या को राष्ट्रपति के समक्ष भेज सकता है। ऐसी

परिस्थिति उत्पन्न होने पर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है। 5. किसी राज्य की कार्यपालिका का वास्तविक अध्यक्ष राज्य का मुख्यमंत्री होता है। राज्य के मन्त्रीगण विभिन्न मन्त्रालयों की अध्यक्षता और नियन्त्रण करते हैं। प्रत्येक मन्त्रालय का एक सचिव होता है। उसकी सहायता के लिए संयुक्त-सचिव, उप-सचिव, निचले स्तर के सचिव और अन्य प्रशासनिक अधिकारी और खण्ड-अधिकारी इत्यादि होते हैं।

(ग) 1. राज्यपाल 2. बहुमत प्राप्त दल के नेता को। 3. वह राज्यपाल के दृष्टिकोण को मन्त्रियों की समिति के समक्ष रखता है। 4. राष्ट्रपति 5. राज्यों की विधायिका।

(घ) 1. 47 2. अट्ठाइस; सात 3. स्वायत्तता 4. कानून 5. क्षमा।

(ङ) 1. निचला सदन 2. 66 विषय 3. नौकरशाह 4. न्यूनतम 35 वर्ष की आयु 5. उच्च सदन।

(च) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग)।

21. संचार के साधन और प्रजातन्त्र

(क) 1. संचार के साधनों; जैसे–समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन इत्यादि से होता है। संचारी साधन सरकार और जनता के बीच एक प्रकार के सम्पर्क सूत्र की भी भूमिका निभाते हैं। साथ ही ये देश के प्रजातान्त्रिक हितों और लोगों के मूलभूत अधिकारों को भी संरक्षण प्रदान करते हैं। 2. समाचार पत्र ही लोगों में उनके दृष्टिकोण को गठित करते एवं गढ़ते हैं। लोग इनको पढ़कर सरकार की विभिन्न नीतियों के सम्बन्ध में स्वयं का दृष्टिकोण बनाते हैं। वे अपने विचारों को 'सम्पादक के नाम पत्र' नामक शीर्षक के अन्तर्गत भेजकर अभिव्यक्ति प्रदान कर सकते हैं। 3. इनका यह सामाजिक दायित्व बनता है कि ये लोगों के हितों की रक्षा करें। समाचारों को सटीकता के साथ दर्शाना चाहिए जिससे किसी प्रकार का भेदभाव और पूर्वाग्रह की भावना उत्पन्न न हो। 4. मुद्रित संचार के साधनों की उपलब्धता सीमित होती है। समाज में लोगों का केवल शिक्षित वर्ग ही लाभ उठा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक संचार की सुविधाएँ अशिक्षितों में भी लोकप्रिय है। अशिक्षित लोग रेडियो सुन सकते हैं और टेलीविजन देख सकते हैं। 5. संचार के साधनों को समाचारों का सही और सटीक वर्णन प्रस्तुत करना चाहिए, उसको अपना कार्य बिना किसी भेदभाव अथवा बिना पक्षपात के करना चाहिए।

(ख) 1. संचार के साधन; जैसे–समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन इत्यादि से होता है। 2. मुद्रित संचार के साधनों का समाज में केवल शिक्षित वर्ग ही लाभ उठा सकता है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक संचार की सुविधाएँ अशिक्षितों में भी लोकप्रिय हैं। 3. उनका यह दायित्व बनता है कि वे जनता में जागृति और उत्सुकता को बनाए रखें; भ्रष्टाचार, परिवार-परस्ती इत्यादि का निवारण देश में करने का प्रयास करें। 4. संचारी साधनों द्वारा चलाए गए अभियान जिनका उद्देश्य भ्रष्टाचार और अन्य सामाजिक बुराइयों को सामने लाना है। 5. क्योंकि केवल शिक्षित वर्ग ही इनका लाभ उठा सकता है।

(ग) 1. हाँ 2. टेलीविजन, रेडियो, इंटरनेट इत्यादि। 3. **मुद्रित संचार के साधन**–समाचारपत्र, पुस्तकें, पत्रिकाएँ। **इलेक्ट्रॉनिक संचार के साधन**–रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट। 4. हाँ 5. हाँ।

(घ) 1. संचार-व्यवस्था 2. दृष्टा 3. इलेक्ट्रॉनिक 4. उन्मूलन में 5. सत्य।

(ङ) 1. प्रजातन्त्र 2. भ्रष्ट नेता 3. रेडियो 4. सम्पादक को पत्र 5. पत्रिकाएँ।

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (घ)।

22. व्यावसायिक और सामाजिक विज्ञापन

(क) 1. विज्ञापन जनसंचार का एक बहुत महत्त्वपूर्ण साधन है। किसी भी उत्पाद का एक बाजार बनाने में विज्ञापन सबसे उत्तम और सरल उपाय है। 2. विज्ञान और तकनीक के विकास के साथ-साथ विज्ञापन के तरीके भी परिवर्तित होते चले गए हैं। पन्द्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में सम्भाषणों के साथ हाथ से लिखे पत्रको और पर्चों ने अपना स्थान बनाया। यह अब और अधिक तकनीक प्रधान और बाजार के रुझान के अनुसार हो गया है जिसने इसको और अधिक रोचक बना दिया है। 3. व्यावसायिक विज्ञापन बाजार से सीधा सम्बन्ध रखते हैं। इनमें खरीददारों अथवा ग्राहकों से किसी विशिष्ट उत्पाद, सेवा अथवा विचार के लिए प्रार्थना का निष्पादन होता है। 4. विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य लोगों को किसी विशिष्ट नाम अथवा श्रेणी वाले उत्पाद अथवा किन्हीं अन्य विषयों के प्रति लोगों में जागृति उत्पन्न करना होता है। 5. व्यावसायिक विज्ञापन किसी उत्पाद, सेवा अथवा विचार की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया अभियान है, जबकि सामाजिक विज्ञापन उन्हें कहा जाता है जिनमें किन्हीं विशिष्ट सामाजिक विषयों जैसे–परिवार नियोजन, एड्स, राष्ट्रीय एकता जैसी बातों के बारे में जागृति पैदा की जाती है।

(ख) 1. विज्ञापन जनसंचार का एक बहुत महत्त्वपूर्ण साधन हैं। 2. किसी भी उत्पाद के लिए विज्ञापन देना उसका एक बाजार बनाने के लिए सबसे उत्तम और सरल उपाय है। 3. समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, टी वी, रेडियो, इंटरनेट, होर्डिंग्स आदि। 4. लोगों को किसी नाम अथवा श्रेणी वाले उत्पाद लोगों को खरीदने के लिए लालायित करना। 5. विज्ञापन को किसी भी प्रकार से लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचानी चाहिए।

(ग) 1. हाँ 2. दो प्रकार के। 3. जिनमें किन्हीं विशिष्ट सामाजिक विषयों का सम्बोधन किया गया हो। 4. व्यस्त सड़कों के चौराहों पर। 5. हाँ।

(घ) 1. प्रोत्साहित 2. विज्ञापन 3. लोगों 4. खुली 5. अन्तर्गत।

(ङ) 1. बाजार से सम्बन्धित 2. एड्स के प्रति जागरूकता 3. व्यावसायिक विज्ञापन 4. विज्ञापन के साधन 5. जनसंचार के साधन।

(च) 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ) 5. (घ)।

23. लैंगिक भेदभाव

(क) 1. पुरुष और महिला के मध्य अन्यायपूर्ण भेदभाव अथवा पक्षपात को ही लैंगिक भेदभाव कहा जाता है। ऐसा समाज जहाँ पर पुरुषों और महिलाओं में पूर्वाग्रह की भावना रहती है प्रगति नहीं कर सकता। 2. जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में स्त्रियों को पुरुषों से कमतर आँकना, उन्हें परिवार का अवांछित मेहमान समझना, उन्हें गृहकार्यों के योग्य ही समझना आदि। 3. बालक और बालिका के मध्य उनके बाल्यकाल से ही भेदभाव बरतना प्रारम्भ हो जाता है जिनमें प्रमुख हैं–(i) स्त्रियों को निचला दर्जा दिया जाना। (ii) कन्या भ्रूणहत्या। (iii) बालिकाओं की शिक्षा में उपेक्षा किया जाना। (iv) बाल विवाह (v) दहेज प्रथा (vi) सती प्रथा (vii) सम्पत्ति के अधिकार से वंचित करना। 4. सामाजिक असमानता के फलस्वरूप महिलाओं की मृत्यु-दर पुरुषों की मृत्यु-दर से अधिक; कन्या भ्रूणहत्या; परिवार में बालिका सदस्यों के साथ अनुपयुक्त व्यवहार

आदि देखने को मिलते हैं। आर्थिक क्षेत्र में भी महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है; जैसे–कम मजदूरी देना, कठिन कार्यों के अयोग्य समझना, परिजनों की सम्पत्ति में हिस्सा न देना आदि। 5. स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् स्त्रियों को भी बिना किसी भेदभाव बरते हुए मतदान का अधिकार, परिजनों की सम्पत्ति में हिस्सा मिलने का अधिकार आदि प्रदान किये गये हैं।

(ख) 1. सती प्रथा एक ऐसी बुरी सामाजिक कुप्रथा है जिसमें विधवा को उसके मृत पति के शव के साथ चिता में जलकर मरने के लिए विवश किया जाता है। 2. दहेज प्रथा एक ऐसी प्रथा है जिसमें लड़की के परिजनों को पैसा, बहुमूल्य सामग्री और गहनों इत्यादि को लड़की के विवाह के समय देना पड़ता है। इस बुरी प्रथा के कारण बहुत-सी लड़कियाँ अविवाहित रह जाती हैं क्योंकि उनके परिजन दहेज चुकाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। 3. ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने ऐसे आन्दोलन को प्रारम्भ किया जिससे बाल विवाह पर रोक लगे और विधवा विवाह अथवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहन मिले। 4. देश के बहुत से राज्यों में लड़कियों को शिक्षा मुफ्त प्रदान की जा रही है। 5. स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् बिना किसी लैंगिक, जाति, रंग एवं भाषा से सम्बन्धित भेदभाव के स्त्रियों को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया है।

(ग) 1. स्त्रियों को स्वयं की पहचान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना। 2. 1829 में। 3. बालिकाओं की शिक्षा में उपेक्षा किया जाना। 4. समाज में उनको समान अधिकार प्राप्त हैं। 5. बाल विवाह, दहेज प्रथा, सती प्रथा।

(घ) 1. ऋण 2. सुधार 3. असमानता 4. शिक्षा 5. प्रतिबन्ध।

(ङ) 1. ब्रह्म समाज 2. विधवा विवाह 3. शिशु बालिका भ्रूणहत्या 4. पर्दा प्रथा का समापन 5. लैंगिक भेदभाव।

(च) 1. (क) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ग)

24. बिक्री और बिक्री करने की कला

(क) 1. बिक्री करना एक विस्तृत अर्थ वाला कथन है जिसमें ग्राहकों की आवश्यकताएँ और उनकी सन्तुष्टि सम्मिलित होती हैं। आजकल बिक्री करना ग्राहकों की आवश्यकताओं और माँगों पर भी निर्भर करता है। 2. रोजगार के अवसरों का सृजन, ग्राहकों की सन्तुष्टि, बिक्री की संभावनाओं की तलाश, राजस्व में वृद्धि, बिना मोलभाव के बिक्री, अच्छे जीवन स्तर का विकास होना आदि। 3. स्थिर मूल्य नीति में मोलभाव का कोई स्थान नहीं रहता, जबकि लोचपूर्ण मूल्य नीति में विक्रेता के पास यह स्वतन्त्रता रहती है कि वह इसका मूल्य भिन्न-भिन्न ग्राहकों से उनकी मोलभाव की क्षमता के अनुसार तय कर सके। 4. प्रत्यक्ष माध्यम–ऐसा माध्यम जब एक विक्रेता अपने सामान और सेवाओं की प्रत्यक्ष रूप में उसके ग्राहकों को बिक्री करता है। अप्रत्यक्ष माध्यम–उत्पादकों द्वारा उसके ग्राहकों तक पहुँचने में बिचौलिये की नियुक्ति की जाती है। 5. एक कुशाग्र बिक्रीकर्मी किसी भी व्यवसाय के लिए बहुत बड़ी सम्पत्ति के समान होता है। किसी भी व्यवसाय का यह उद्देश्य होता है कि वह अपने उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री द्वारा लाभ अथवा राजस्व की प्राप्ति करें, जो एक कुशल बिक्री की कला के प्रयोग से ही सम्भव है।

(ख) 1. बाजार एक ऐसा स्थान होता है जहाँ पर ग्राहक और विक्रेता आपस में मिलते हैं और किसी उत्पाद को पैसे के बदले में खरीदते-बेचते हैं। 2. बिक्री करने की अवधारणा भी बिक्री करने की प्रक्रिया से विस्तृत रूप में सांमजस्यपूर्ण हो गयी है। ग्राहकों की तलाश करना, उनकी आवश्यकताओं को जानना, बिक्री पश्चात् सेवा उपलब्ध करवाना आदि। 3. यह ग्राहकों और विक्रेताओं दोनों को ही आपसी विश्वास की भावना का संचार करती है। इसमें मोलभाव का कोई स्थान नहीं रहता है 4. थोक-विक्रेता ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी उत्पाद को उसके उत्पादक से बड़ी मात्रा में खरीदकर उसको खुदरा-विक्रेताओं को बेचता है। खुदरा-विक्रेता ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी उत्पाद को थोक-विक्रेता से खरीदकर ग्राहकों को बेचता है। 5. यह समाज में रोजगारों के सृजन करने में सहायता प्रदान करती है जिससे रोजगार बढ़ते हैं और बाजार में पैसा बढ़ता है।

(ग) 1. किसी विक्रेता और उसके ग्राहक के मध्य होने वाला उत्पाद अथवा सेवा के मूल्य पर सहमति बनाने का प्रयास। 2. ग्राहकों की सन्तुष्टि आवश्यकताओं और माँगों पर निर्भर करती है। 3. हाँ 4. प्रत्यक्ष माध्यम और अप्रत्यक्ष माध्यम। 5. ग्राहकों की सन्तुष्टि तथा लाभ कमाना।

(घ) 1. बाजार 2. रोजगार 3. थोक-विक्रेता 4. ग्राहक 5. सम्पर्क।

(ङ) 1. स्थिर मूल्य नीति 2. अप्रत्यक्ष माध्यम 3. ग्राहकों की सन्तुष्टि 4. बड़ी मात्रा में क्रय करना 5. बिक्री करना।

(च) 1. (घ) 2. (क) 3. (घ) 4. (घ) 5. (घ)

सामाजिक अध्ययन–8

इकाई-I : हमारा इतिहास

1. आधुनिक समय में संसार–आधुनिक युग

(क) 1. मशीनों द्वारा उत्पादन की नई तकनीक जो अर्थव्यवस्था में महान अंतर ले आई, उसे औद्योगिक क्रांति कहा जाता है। 2. साम्राज्यवाद का अर्थ है–विदेशी भूमि पर और अधिक स्थान प्राप्त करना। साम्राज्यवाद की वृद्धि के कारण थे–कच्चे माल के बदले तैयार माल की माँग पूरी करना। 3. घरेलू तंत्र को कारखाना तंत्र से बदल दिया गया। हाथ से कम मात्रा में बना सामान कारखाने में बने सामान से पीछे रह गया जो तेजी से बनाया जाता था। उत्पादन का एक नया मार्ग अपनाया गया जिसे कारखाना तंत्र कहा गया। नए आविष्कार हुए भारत में वस्त्र उद्योग में उत्पादन बढ़ा। 4. इसने घरेलू उद्योग को चौपट कर दिया और इसके स्थान पर कारखाना पद्धति को अपनाया; बालश्रम को बढ़ावा दिया गया; इसने समाजवाद को जन्म दिया; इसने लोगों की आदतों, विचारों और जीवन में महान परिवर्तन किए। 5. सामान की माँग बढ़ गई थी। हाथ से बना सामान लोगों की आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर सका। गाँव में उपलब्ध कच्चा माल उत्पादन बढ़ाने के लिए पर्याप्त न था। 6. इसके प्रभाव सम्बंधों में वृद्धि, राष्ट्रीय जागृति, पश्चिमी शिक्षा आदि हैं। 7. हैदर अली अपनी शक्ति पड़ोसी राज्यों के दम पर बढ़ाना चाहता था। मराठे, अंग्रेज और हैदराबाद का निजाम हैदर अली की बढ़ती शक्ति से ईर्ष्या रखते थे। इस युद्ध के परिणाम थे–अंग्रेजों ने मैसूर राज्य के एक बड़े भू-भाग पर अधिकार कर लिया।

(ख) 1. देश छोटी स्वतंत्र राजधानियों में बँट रहे थे जो सदैव आपस में लड़ती रहती थीं। एकता की इस कमी ने भारत को अंतत: ब्रिटेन द्वारा उपनिवेशवाद में धकेल दिया। 2. प्राथमिक स्रोत एवं गौण स्रोत 3. एक सशक्त मध्य वर्ग ने सामान्य जनों को शोषण के विरूद्ध अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया कि वे स्वयं

सोचें। रूसो ने कहा कि शासन चयनितों द्वारा ही निर्मित होना चाहिए। यह प्रजातंत्र का आधुनिक संसार में पदार्पण था। 4. इन देशों की सरकारें दुर्बल थीं और ताकतवर यूरोपियों का सामना करने में असमर्थ थीं। 5. साम्राज्यवाद के कारण उपनिवेशों का आर्थिक दोहन होने लगा। भारत ब्रिटेन से वस्त्र आयात करने लगा। ब्रिटेन ने अपने फायदे के लिए भारत में अनेक उपनगर बनाए। 6. साम्राज्यवाद का अत्यंत महत्त्वपूर्ण और लम्बा चलने वाला प्रभाव था–उपनिवेशों का आर्थिक दोहन। साम्राज्यवाद ने यूरोपीय देशों के कुटीर उद्योगों को समाप्त कर दिया। 7. एशिया व अफ्रीका को साम्राज्यवादी देशों द्वारा जीता जाने लगा। इन देशों की सरकारें दुर्बल थीं जिसने साम्राज्यवाद के विस्तार को सुगम कर दिया।

(ग) 1. **पुनर्जागरण**–नया ज्ञान अथवा पुरातन यूनानी और रोमन संस्कृति का पुनर्जागरण 2. **पूंजीवाद**–एक अर्थव्यवस्था जिसमें उत्पादन और वितरण के साधन निजी हाथों में होते हैं। 3. **साम्राज्यवाद**–विदेशी भूमि पर और अधिक स्थान प्राप्त करना। 4. **उपनिवेशवाद**–इसमें एक शक्तिशाली देश सीधे ही उससे कम शक्तिशाली देशों का नियंत्रण करता है और फिर उनके संसाधनों का दोहन करके अपनी शक्ति और सम्पत्ति को बढ़ाते हैं। 5. **समाजवाद**–देश की सम्पत्ति पर समाज के प्रत्येक वर्ग का समान अधिकार।

(घ) 1. जार्ज वाशिंगटन 2. दस घंटे 3. उत्पादन में 4. स्पिनिंग जेनी 5. इंग्लैण्ड 6. वास्को डी-गामा 7. में व्यापार

(ङ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ग) 5. (ख)

2. भारत में ब्रिटिश शक्ति

(क) 1. मराठा सरदार स्वार्थी थे और एक-दूसरे का विश्वास नहीं करते थे। मराठों ने प्रशासन का प्रभावशाली तंत्र विकसित नहीं किया, मराठे लोगों में प्रसिद्ध नहीं थे। मराठों का सैन्य संगठन त्रुटिपूर्ण था। मराठा नेता योग्य राजनीतिज्ञ नहीं थे। 2. मीर जाफर सिराजुद्दोला का सेनापति था। वह स्वयं ही नवाब बनना और एक बैंकर अमीनचंद की मदद से क्लाइव से समझौता करना चाहता था। क्लाइव ने मीर जाफर से वायदा किया कि वह कम्पनी को बड़ी कमीशन और स्वयं को बड़ी सम्पदा देने के बदले में उसे बंगाल का नवाब बना देगा। 3. कम्पनी ने घोषणा कर दी कि मीर कासिम के स्थान पर मीर जाफर बंगाल का नवाब है। अंत में एक और युद्ध, जिसे बक्सर का युद्ध कहते हैं, लड़ा गया। 4. प्लासी के युद्ध ने अंग्रेजों को बंगाल का स्वामी बना दिया और बक्सर के युद्ध ने अंग्रेजों को भारत में एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक शक्ति बना दिया। प्लासी का युद्ध षड़यंत्र के बल पर जीता गया और बक्सर का युद्ध अंग्रेजों की सैन्य श्रेष्ठता के बल पर जीता गया।

(ख) 1. कम्पनी के अधिकारी भ्रष्ट और लालची थे। अमीन किसानों से मनमाना कर वसूलते थे। अकाल के समय भी कम्पनी कोई मदद नहीं करती थी। 2. सहायक संघ प्रणाली के अन्तर्गत शासक अंग्रेजी सेन्त को अपने राज्य में रखकर उनके निर्वाह का खर्च देता है। 3. प्लासी के युद्ध का भारत के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। इससे ही अंग्रेजों के भारत पर शासन की स्थापना हुई। अंग्रेजों को उस स्थान पर आधार मिला जहाँ से उन्हें सारे भारत को जीतना था। बंगाल में ब्रिटिश शक्ति अब सुदृढ़ता से स्थापित हो गई थी।

(ग) 1. अलीवर्दी खान 2. पांडिचेरी 8. जगत सेठ 4. मुर्शिदाबाद से मुंगेर 5. अवध 6. इंग्लैण्ड 7. पांडिचेरी 8. बासिन

(घ) 1. 1612 में 2. 1664 में 3. 1764 में 4. 1770 में 5. 1798 में 6. 1817 में

(ङ) 1. (क) 2. (ग) 3. (ग)

3. उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज

(क) 1. प्रथम विद्रोह कोलों का था जो 1820 में हुआ। मुंडों ने 1830-31 में छोटा नागपुर क्षेत्र में विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह का परिणाम राजस्व का नया नियम था जो बाहरी लोगों को देना पड़ता था और सरकार में न्यायिक व राजस्व नियंत्रण भी आरम्भ हुआ। शीघ्र ही यह विद्रोह बड़े क्षेत्र में फैल गया। 2. संथाल विद्रोह 1855-56 में छोटा नागपुर क्षेत्र में हुआ। यह विद्रोह जमींदारों, महाजनों और अंग्रेज अधिकारियों के दमन के विरुद्ध था। 3. प्रथम जनजातीय विद्रोह खासियों द्वारा देश के उत्तरपूर्वी भाग में हुआ था। खासी एक महत्त्वपूर्ण जनजाती थी जो पूर्व में जेतिया पर्वतों और पश्चिम में गारो पर्वतों पर रहती थी। वे शक्तिशाली थे और अपने प्रदेश से अजनबियों को बाहर करना चाहते थे। 4. बिरसा मुंडा ने एक नया विश्वास जारी किया। उसके विश्वास के कारण उसके असंख्य शिष्य बने। उसमें अलौकिक शक्तियाँ थीं। जनजातीय लोग गैर-जनजातीय लोगों वाले करों को सहन नहीं कर पाए। उन्होंने विद्रोह कर दिया। बिरसा मुंडा ने उन्हें पूरा समर्थन दिया।

(ख) 1. एक अन्य उत्तरपूर्वी जनजाति नागर ने विद्रोह किया और दीमापुर पुलिस के मुखिया को 1844 में मार डाला। इससे अंग्रेजी सेनाएँ विचलित हो गईं। 2. जनजातीय लोग अपनी मूल आवश्यकताओं की पूर्ति साप्ताहिक बाजारों से और छोटे व्यापारिक कृत्यों से करते थे। वे कई प्रकार के आर्थिक कार्यों में लिप्त रहते थे; जैसे–शिकार, मछली पकड़ना, पशुपालन, मधुमक्खी पालन आदि। 3. खासी एक शक्तिशाली जनजाति थी। खासियों का सरदार तीरत सिंह नोंगख्ला अपने प्रदेश से अजनबियों को बाहर करना चाहता था। उसने असंख्य यूरोपियनों और बंगालियों को मार डाला और अंग्रेज अधिकारियों के मध्य भय उत्पन्न कर दिया जिससे अंग्रेज अधिकारी खासियों के विरूद्ध हो गए। 4. बिरसा मुंडा, मुंडा लोगों का नेता था। उसमें अलौकिक शक्तियाँ थीं। जिसके कारण उसके असंख्य शिष्य बने और जल्दी ही वह ईश्वर के नए अवतार के रूप में प्रकट हुआ।

(ग) 1. आदिवासियों 2. जनजाति 3. बंगाल

(घ) 1. **खासी**–एक महत्त्वपूर्ण जनजाति थी जो पूर्व में तेजिया पर्वतों और पश्चिम में गारो पर्वतों पर रहती थी। **नागर**–एक अन्य जनजाति थी जो उत्तरपूर्वी क्षेत्रों में रहती थी। 2. कोल जनजाति ने अंग्रेजों का अपने क्षेत्र में फैलाव पसन्द नहीं किया और प्रथम विद्रोह कोलों का था जो 1820 में हुआ। संथाल विद्रोह 1855-56 में छोटा नागपुर क्षेत्र में हुआ। यह विद्रोह जमींदारों, महाजनों और अंग्रेज अधिकारियों के दमन के विरुद्ध था।

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (घ)

4. शिल्पकला और कुटीर उद्योग

(क) 1. ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने भारत का सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना पूरी तरह से तोड़ दिया। 2. अंग्रेज इस तथ्य को जानते थे कि वे भारतीय वस्त्र उद्योग का सामना गुणवत्ता में नहीं कर सकते। 1880 के अंत तक भारतीय वस्त्र उद्योग को नष्ट कर दिया गया और घरेलू बाजार पर अंग्रेजी उत्पादकों का कब्जा हो गया। 3. भारत में सूत, जूट, कोयला, लोहा, गन्ना और सीमेंट के उद्योग इसी

अवधि में विकसित हुए। 4. अंग्रेजों ने विदेशी सामान पर आयात शुल्क में कमी कर दी। देशी सामान मशीनी सामान के साथ बड़ी प्रतिस्पर्धा में आ गया। भारत में अंग्रेजों ने ही बड़े उद्योगों पर अधिकार कर रखा था जिससे प्राप्त आय से वे अपना देश विकसित करने में लगे थे।

(ख) 1. भारत में अंग्रेजों के आने से पूर्व गाँवों में कुटीर उद्योग फल-फूल रहे थे। ग्रामीण शिल्पकार लोगों की माँगों को पूरा करने में समर्थ थे। 2. लोहा और इस्पात उद्योग ने इंजीनियरिंग उत्पादों की वृद्धि में तेजी से मदद की। 3. भारतीय हस्तकला को यांत्रिक रीति से बने सामान की असमान्य प्रतिस्पर्धा से जूझना पड़ा। 4. उन्होंने 'अंग्रेजी शासन और भारत की गरीबी', में लिखा है–भारतीय जनता की आर्थिक स्थिति अत्यंत शोचनीय थी। भारत की प्रति व्यक्ति आय संसार में सबसे कम थी। जमींदार, कारखानों के स्वामी और व्यापारी अत्यंत समृद्ध थे जबकि किसानों, शिल्पकारों ने आधुनिक उद्योगों के आने और कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण अपनी जीविका खो दी थी।

(ग) 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य

(घ) 1. (घ) 2. (ग) 3. (घ) 4. (घ)

5. 1857 की क्रांति

(क) 1. शासक वर्ग की असंतुष्टि, विद्रोही सैनिकों का असंतोष, सामाजिक व धार्मिक भावनाओं की उग्रता। 2. 11 मई 1857 को बहादुर शाह जफर द्वितीय को उद्यत किया गया कि वह विद्रोह का नेतृत्व स्वीकार कर लें। मुगल सेना के नेता जनरल बख्त खान ने भी बरेली में विद्रोह कर दिया और अपने सैनिकों के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गया। इस प्रकार से विद्रोह क्रान्ति में बदल गया। 3. पेशवा बाजीराव द्वितीय के असंतुष्ट दत्तक पुत्र थे। भारतीय सैनिकों के साथ उन्होंने कानपुर पर कब्जा कर लिया। 4. रानी लक्ष्मीबाई 1857 के विद्रोह की सबसे अधिक वीर तथा श्रेष्ठ नेत्री थीं। वे पुरुष वेश में एक सच्चे सैनिक की भाँति अभूतपूर्व साहस और सैन्य-कौशल से लड़ीं। अपने सहायक ताँत्या टोपे के साथ उन्होंने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया। जब अंग्रेजों ने इस पर आक्रमण किया, वे वीरता से तब तक लड़ीं जब 17 जून 1858 को वीरगति को प्राप्त नहीं हो गईं। 5. (i) एकता की कमी (ii) आधुनिक तकनीक और शस्त्रों की कमी (iii) प्रगतिशील दृष्टिकोण का अभाव 6. अंग्रेजों ने 'फूट डालो शासन करो' की नीति अपनायी। 7. ईस्ट इंडिया कम्पनी का शासन समाप्त हो गया, रानी विक्टोरिया को 1876 में भारत की रानी घोषित कर दिया गया। 1857 का विद्रोह अंग्रेजों के लिए एक झटके के रूप में था।

(ख) 1. नाना साहेब 2. राज्यों 3. विद्रोह 4. धार्मिक भावनाएँ 5. मेरठ, दिल्ली, कानपुर, झांसी।

(ग) 1. रंगून को निष्कासित 2. बाजीराव द्वितीय के पुत्र को गोद लिया 3. जागीरों का हड़पा जाना 4. चर्बी वाले कारतूस 5. रानी लक्ष्मीबाई 6. ताँत्या टोपे।

(घ) 1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख)

6. नई शिक्षा और भारतीय पुनर्जागरण

(क) 1. अस्पृश्यता, जातिप्रथा, सती, बालिकावध। 2. शिक्षित भारतीय जो पश्चिमी विचारों को जानते थे, इस निर्णय पर पहुँचे कि सामाजिक कुरीतियाँ और अंधविश्वास ही भारत को पिछड़ा बना रहे थे। 3. सिखों ने अमृतसर में खालसा कालेज की स्थापना की और विद्यालय तथा उच्च शिक्षा केंद्र स्थापित किए जिसने पंजाबी भाषा, सिख शिक्षा तथा साहित्य को आगे बढ़ाया। 4. पारसी समुदाय में समाज सुधार नौरोजी फर्दूनजी और दादा भाई नौरोजी ने आरम्भ किया। उन्होंने दैनिक 'रास्त गोफ्तर' आरम्भ किया जिसमें उन्होंने धार्मिक रूढ़िवादिता के विरुद्ध अपनी आवाज उठाई जिसने सामाजिक बुराइयों को हटाया। 5. ऐसी कुरीतियों को दूर करना जो भारतीय समाज में विद्यमान थीं। 6. राजा राम मोहन राय ने विज्ञान के विकास के लिए कदम उठाए। लार्ड मेकाले ने भारतीय समाज में यूरोपीय साहित्य एवं विज्ञान को लाने के लिए 1935 में प्रारूप पारित किया।

(ख) शिक्षा का प्रसार, अस्पताल और अनाथाश्रम की सुविधा, आपातकालीन सेवाएँ उपलब्ध कराना। 2. सर सैयद अहमद खान मुस्लिमों को पश्चिमी शिक्षा और संस्कृति देना चाहते थे। उन्होंने अलीगढ़ आन्दोलन चलाया। 3. पश्चिम भारत में सुधार आंदोलन का नेतृत्व महादेव गोविंद रानाडे और रामकृष्ण भण्डारकर ने किया। दोनों ने जाति प्रथा, अस्पृश्यता की भर्त्सना की और स्त्रियों का सामाजिक स्तर सुधारने और विधवा विवाह का समर्थन किया। उन्होंने हिंदु-मुस्लिम एकता और सभी के लिए आधुनिक शिक्षा का प्रसार किया। 4. सुधार आंदोलन ने स्त्रियों की दशा को प्रभावित किया। स्त्रियों के सम्पत्ति-अधिकार संबंधी नियम पारित हुए, स्त्री-शिक्षा एवं विधवा-विवाह जैसे आन्दोलनों से स्त्रियों की दशा में सुधार हुआ। 5. समाचार पत्रों और पत्रिकाओं ने विचारों के प्रसार में मुख्य भूमिका निभाई। उस समय के प्रसिद्ध समाचार पत्र थे–'शोम प्रकाश', 'रास्त गोफ्तर'। 6. अंग्रेजी शासनकाल में भारत में अंग्रेजी भाषा को अपनाया गया जबकि इससे पूर्व पाठ्यक्रम में धार्मिक पुस्तकें, व्याकरण, शास्त्रीय भाषाएँ आदि को पढ़ाया जाता था।

(ग) (i) दादा भाई नौरोजी ने दैनिक 'रास्त गोफ्तर' आरम्भ किया जिसमें उन्होंने धार्मिक रूढ़िवादिता के विरुद्ध अपनी आवाज उठाई जिसने सामाजिक बुराइयों को हटाया। उन्होंने स्त्रियों के अधिकारों और लड़कियों की शिक्षा के प्रसार के लिए विशेष कार्य किया। (ii) महात्मा फुले को प्रेम से ज्योतिबा फुले कहते थे। उन्होंने स्त्रियों और अस्पृशियों का सामाजिक स्तर सुधारने का कार्य किया। (iii) वुड के सुझाव पर 1854 में एक वृहत और संगठित शैक्षिक पद्धति बनाई गई जिसके परिणामस्वरूप 1857 में बम्बई और कलकत्ता में विद्यालय खोले गए।

(घ) 1. राजाराम मोहन राय एक महान सुधारक थे। उन्होंने अंग्रेजी के माध्यम से पश्चिमी शिक्षा का परिचय कराया। 2. वे पश्चिमी शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाए। 3. मंदिरों में देवदासी और अस्पृश्यता का प्रचलन था। 4. क्षेत्रीय भाषाओं को शिक्षा में सम्मिलित किया गया। 5. विज्ञान और यूरोपियन साहित्य को पाठ्यक्रम में लागू कर दिया गया था। 6. आर्यसमाज की, 1875 7. रामकृष्ण परमहंस 8. केशव चंद्र सेन

(ङ) 1. आर्यसमाज 2. स्वराज 3. अलीगढ़ आंदोलन 4. ब्रह्म समाज 5.थियोसॉफिकल सोसायटी।

(च) 1. (क) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग) 5. (घ)

7. उपनिवेशवाद और नगरीय परिवर्तन

(क) 1. उपनिवेशित क्षेत्र में विकास के साथ सक्रियता के नए केंद्र अस्तित्व में आए। आधुनिक योजित नगर; जैसे–नई दिल्ली और

इस्लामाबाद अस्तित्व में आए। निकट के नए नगर केंद्र पुराने नगरों से अपने क्षेत्र और जनसंख्या के कारण भिन्न थे। योजित नगरों और पर्वतीय स्थलों में कई अन्य उपनिवेशित गुण थे। 2. ब्रिटिश सरकार द्वारा नगर निगम की स्थापना से पूर्व 18वीं शताब्दी में 18 थाने और 600 मुहल्ले थे। नगर कोतवाल के प्रशासन में रहते थे जिसमें थानेदार, दारोगा और पुलिस वाले मुहल्लों के द्वारों की देखभाल करते थे। 3. एक भिन्न पुलिस विभाग जिसमें कांस्टेबलों की फोर्स थी, वह अनुशासन के प्रति उत्तरदायी था। उसकी मदद के लिए डिप्टी इंस्पेक्टर को रखा गया। 4. (क) 19वीं शताब्दी में व्यापार का वैश्विक विस्तार भारत में विस्तृत रेलवे पद्धति के निर्माण के कारण सम्भव हुआ। प्रथम लाइन जो बम्बई से 20 मील लम्बी थी, 1852 में आरम्भ हुई। 1906 तक यह मुख्य मार्ग 30000 मील तक फैल गया। (ख) दिल्ली को बड़ा करने के लिए इसमें कई इकाइयों को मिला दिया गया; जैसे–दरियागंज, युसुफ सराय व तैमूर नगर।

(ख) 1. वे भारतीय परिक्षत्र में स्थानीय प्रशासकों, राजाओं, मुगल वायसराय के अधिक भागों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए आगे बढ़े। 2. भारतीय खेतों पर ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा सामान उत्पादन के लिए अधिकार कर लिया गया। ये सामान जिसमें खाना भी था, ब्रिटेन को निर्यात कर दिया गया। 3. 1850 के 36वें एक्ट के तहत देश में मुख्य नगरों के लिए नगर प्रशासन का गठन हुआ। नगर निगम को 1868 के छठे एक्ट (बी सी) के तहत छोटे नगरों तक बढ़ा दिया गया।

(ग) 1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. असत्य

(घ) 1. (घ) 2. (क) 3. (ख) 4. (घ)

8. कला, चित्रकला, साहित्य तथा वास्तुशास्त्र

(क) 1. भारतीय भाषाओं का अध्ययन अंग्रेजी भाषा से कम रहा, नए साहित्यिक प्रकार; जैसे–उपन्यास और नाटक प्रसिद्ध हुए। साहित्य और अधिक वास्तविक, सामाजिक और धर्मनिरपेक्ष हो गया। 2. 19वीं शताब्दी में भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलन ने भारतीय कलाकारों में राष्ट्रवाद को प्रेरित किया। 3. 19वीं और 20वीं शताब्दी में चित्रकला के क्षेत्र में विभिन्न भारतीयों, कला विद्यालयों और समूहों द्वारा आंदोलन चलाए गए। रवींद्रनाथ टैगोर ने शांति निकेतन में कला भवन स्थापित किया, हड़प्पा और मोहनजोदड़ो तथा अजंता और ऐलोरा गुफाओं ने भारतीय कलाओं को उत्प्रेरित किया। 4. भारत को अंग्रेजों के आने से पहले ही समृद्ध विरासत प्राप्त थी। 20वीं शताब्दी में संगीत, नृत्य और रंगमंच को भारत और सम्पूर्ण विश्व में और अधिक प्रसिद्ध कर दिया। 5. बम्बई (अब मुम्बई) में अंग्रेजी वास्तुशास्त्र की मदद से परिवर्तन हुए। 1857 में बम्बई यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई। 1869 में राजाबाई मीनार की नींव रखी गई। 20वीं शताब्दी में अंग्रेजों ने मुख्य रूप से साम्राज्य के वैभव को दिखाने के लिए इमारतें बनाई।

(ख) 1. 1936 के उपरांत भारतीय कविता के विचार और भाषा दोनों में ही यथार्थवाद आया। इसने दैनिक जीवन और लोगों के दुखों पर महान प्रभाव डाला। 2. राजा रवि वर्मा चित्रकला के क्षेत्र में अग्रणी थे। वे केवल चित्रकला में ही नहीं वरन् मूर्तिकला में भी कुशल थे। 3. रवींद्रनाथ टैगोर, हैवेल और कुमार स्वामी ने बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट के विकास में महत्त्वपूर्ण कार्य किया। इस विद्यालय से सम्बद्ध विद्यार्थी भारतीय पुराणों महाकाव्यों और शास्त्रीय साहित्य से ही विषय उठाते थे। 4. नए कलाकार प्रभाववादियों और प्रदर्शनवादियों से अत्यंत प्रभावित थे। पारितोष सेन, निरेद्र मजूमदार और प्रकाश दास गुप्ता इस समूह के कलाकारों में अग्रणी थे। 5. मद्रास (अब चेन्नई) भी उपनिवेशित वास्तुशास्त्र की भावनाओं में बहा। अंग्रेजों ने मद्रास म्यूजियम की स्थापना की। राबर्ट शैलोम को चेन्नई के कई भव्य भवन बनाने का श्रेय दिया गया; जैसे–राज्यसभा भवन, जो 1879 में बनाया गया।

(ग) 1. पाथेर पांचाली 2. उर्दू कविता 3. बंगाली नाटककार 4. शांति निकेतन 5. जार्ज गिल्बर्ट स्कॉट।

(घ) 1. (घ) 2. (क) 3. (घ) 4. (क) 5. ख

9. राष्ट्रीय आंदोलन (1923-1939)

(क) 1. असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने के बाद ही भारत में तीव्र क्रांतिकारी कार्य हुए। 1924 में रामप्रसाद बिस्मिल, जोगेश चटर्जी और सचिन सान्याल ने हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन बना ली। इसका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश राज को सशस्त्र विद्रोह द्वारा 1925 में उखाड़ना था। 2. देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हुए। पुलिस ने लाठियाँ चलाईं। इन्हीं में से एक प्रदर्शन के दौरान लाला लाजपत राय घायल होकर मृत्यु को प्राप्त हुए। 3. 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन गाँधी जी के नेतृत्व में किया गया। यह डांडी मार्च के नाम से प्रसिद्ध हुआ। 12 मार्च 1930 में गाँधी जी ने अपने कुछ समर्थकों के साथ साबरमती आश्रम छोड़ा और डांडी की ओर बढ़े। गाँधीजी ने स्वयं नमक बनाकर अंग्रेजी सरकार के नमक कानून का विरोध किया। 4. 1930 के दौरान 526 राज्यों में शासन भारतीय राजकुमारों द्वारा किया जाता था। ये राज्य कुल भारतीय जनसंख्या का 1/5 भाग रखते थे। इन राज्यों के राजकुमार अंग्रेजों से अच्छा व्यवहार करते थे। अंग्रेज इन राज्यों का उपयोग अपने को सुदृढ़ करने में करते थे। 5. अंग्रेजों ने धर्म का प्रयोग हिंदु मस्लिम को बाँटने में किया। उन्होंने उन नेताओं का समर्थन किया जो धार्मिक आधार पर राजनीति दल बना रहे थे। साम्प्रदायिक दलों का निर्माण भारत की स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अत्यंत अहितकर था।

(ख) 1. सन् 1920 और 1930 के अन्तर्गत स्वतंत्रता संघर्ष में किसानों व श्रमिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया जिसने इसे बड़ा आंदोलन बना दिया। कांग्रेस ने किसानों के सहयोग को सक्रिया करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2. भारत में समाजवादी विचार रूसी क्रांति के 1917 में सफल होने से प्रसिद्ध हुए। समाजवादी विचारों को एम एन राय, एस एस डामगे आदि के द्वारा तेजी से फैलाया गया। 3. जवाहर लाल नेहरू के प्रभाव से 1934 में कम्यूनिस्ट पार्टी का गठन हुआ जो कांग्रेस की एक शाखा के रूप में कार्य करती थी। समय के साथ समाजवादी विचार विशेषत: किसानों और देश के युवाओं में अधिक प्रसिद्ध हुए। 4. प्रथम गोल मेज सम्मेलन नवम्बर 1930 में सरकार ने लंदन में साइमन कमीशन द्वारा सुझाए सुधारों पर चर्चा के लिए बुलाया। द्वितीय गोल मेज सम्मेलन 1931 में कराची में हुआ। अंग्रेजों ने भारत की स्वतंत्रता की माँग को पुन: ठुकरा दिया और सम्मेलन फिर से विफल हो गया। 5. राष्ट्रीय आंदोलन संसार के अन्य भागों में हो रहे विकास से बहुत सम्बद्ध था। भारत के बाहर भी बहुत लोगों ने राष्ट्रीय आन्दोलन का समर्थन किया।

(ग) सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य

(घ) 1. कांग्रेस खिलाफत स्वराज्य दल 2. एन एम जोशी 3. इंडियन रिपब्लिकन आर्मी 4. सुभाष चंद्र बोस 5. मुहम्मद अली जिन्ना

(ङ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ग)

10. स्वतंत्रता की ओर प्रयाण

(क) 1. कांग्रेस के मंत्रालय ने नवम्बर 1939 को इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस की माँग पूर्ण स्वतंत्रता थी। गाँधीजी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह करने की पुकार की। कांग्रेस के कई नेताओं को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। 2. युद्ध के पश्चात् भारतीयों को स्वयं की सरकार बनाने का निमन्त्रण दिया जाना। प्रत्येक राजसी राज्य को अधिकार होगा कि वह भारत से जुड़े या अलग हो जाए। 3. 1944 में आजाद हिंद फौज ने भारत के उत्तर-पूर्व के भागों पर देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त करवाने के लिए आक्रमण किया। 4. मुस्लिम लीग ने मुस्लिमों का देशों में विभाजन किया–भारत और पाकिस्तान। अंग्रेजी शासन के लगभग 200 वर्ष उपरांत 15 अगस्त, 1947 को भारत एक स्वतंत्र देश बना। 5. राजसी राज्यों के भारत में विलय का कार्य, शरणार्थियों के पुनर्वास, आर्थिक कठिनाइयों से पार पाना आदि।

(ख) 1. कांग्रेस ने प्रस्ताव रखा कि युद्ध के समाप्त होते ही ब्रिटेन अपना साम्राज्यवाद छोड़े और भारत को अपनी सेना और लोकतांत्रिक सरकार रखने दे। 2. अंग्रेजी शासन को समाप्त करने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन आरम्भ किया गया। प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया, यातनाएँ दी गईं और अनेक घरों पर आक्रमण करके उन्हें नष्ट कर दिया गया। 3. केबिनेट मिशन ने स्वतंत्रता योजना प्रस्तुत की जिसने एक अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार गठित हो गई। 4. कश्मीर को हड़पने के प्रयास में, जब पाकिस्तान ने उनके राष्ट्रवाद को भड़काया तो जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भारत में विलय होने का निश्चय किया।

(ग) 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य

(घ) 1. क्रिप्स मिशन 2. सुभाष चंद्र बोस 3. द लेबर पार्टी 4. गाँधीजी 5. भारतीय संविधान

(ङ) 1. (ख) 2. (घ) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ख)

11. भारत और पड़ोसी देश

(क) 1. कश्मीर विवाद दो देशों के मध्य झगड़े का केंद बिंदु है। 2. भारत और चीन में सदियों पुराने सम्बंध रहे हैं। चीन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति सहानुभूति दर्शायी थी और भारतीय नेताओं ने 1949 में चीनी क्रांति का स्वागत किया था। 20 अक्टूबर 1962 को चीन ने भारतीय क्षेत्रों नेफा और लद्दाख पर बड़ा आक्रमण किया। 3. 1957 में दलाई लामा और हजारों तिब्बतियों ने भारत में शरण चाही। 20 अक्टूबर 1962 को चीन ने भारतीय क्षेत्रों नेफा और लद्दाख पर बड़ा आक्रमण किया। हमारी भूमि का काफी बड़ा क्षेत्र चीन के कब्जे में चला गया। 4. नेपाल एक राजा पद्धति वाला छोटा देश है। भारत के पड़ोसी देशों में केवल यही एक हिंदु देश है। भौगोलिक सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से दोनों देशों के मध्य मधुर संबंध रहे हैं। भारत नेपाल को इसके विकास के लिए यथासंभव मदद भी करता है। 5. भारत के म्यांमार से निकट सम्बंध हैं। भारत ने म्यांमार में आंग सान सू की के नेतृत्व में लोकतांत्रिक आंदोलन में मदद की। दोनों देश बड़े आर्थिक सहयोग और सीमा पार मादक द्रव्यों की तस्कर व्यापार को रोकने की दिशा में बढ़ रहे हैं। 6. भारत के श्रीलंका से ऐतिहासिक तौर पर संबंध हैं। दोनों देशों के संबंध तब बिगड़े जब श्रीलंका के तमिलों ने भेदभाव का आरोप लगाया और स्वायत्ता की मांग की। अब दोनों देशों के बीच निकटतम सम्बंध हैं। 7. सार्क देशों में परस्पर खेल, संस्कृति एवं साहित्य का आदान-प्रदान, पारस्परिक विवादों का निपटारा तथा मैत्री सम्बंधों का विकास।

(ख) 1. भारत और पाकिस्तान 2. खेलों, संस्कृति और साहित्य 3. गंगानदी के पानी में हिस्सा और चकमा शरणार्थियों के भारत में घुसपैठ। 4. चीन से। 5. उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, बिहार और सिक्किम।

(ग) 1. पूर्वी पाकिस्तान 2. कश्मीर 3. बांग्लादेश 4. म्यांमार 4. बांग्लादेश।

(घ) 1. **शिमला समझौता**–भारत-पाकिस्तान के बीच 1972 में शिमला समझौता हुआ जो राष्ट्रीय समस्याओं को बातचीत और समझोतों के माध्यम से सुलझाने की दिशा में था। 2. **1971 का युद्ध**–मार्च 1971 में पूर्वी पाकिस्तान ने आवामी लीग के नेता शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में पश्चिमी पाकिस्तान से मुक्ति की माँग की। 3. **कारगिल युद्ध**–1999 में कारगिल युद्ध के बाद भारत के पाकिस्तान से सम्बंध और अधिक बिगड़े हैं। 4. भारत ने चीन के तिब्बत पर अधिपत्य को स्वीकार कर लिया था। तिब्बत पर सिनो-इण्डियन समझौते ने प्रथम बार आपसी अस्तित्व के पांच सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार की।

(ङ) 1. चकमा शरणार्थी 2. सार्क का सदस्य 3. पाकिस्तान का समर्थन 4. आंग सान सू की 5. इंडस वाटर ट्रीटी 6. भारतीय शांति सेना

(च) 1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

इकाई-II : हमारा वातावरण

12. हमारे संसाधन

(क) 1. वे वस्तुएँ जो मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं संसाधन कहलाती हैं। **प्राकृतिक संसाधन**–प्रकृति की वे भेंटें जो मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। **जैव संसाधन**–जैव क्षेत्र द्वारा प्राप्त संसाधन। **अनवीकरणीय संसाधन**–जो प्रयोग के बाद पुनः प्रयोग नहीं किए जा सकते। **नवीकरणीय संसाधन**–जिन्हें बार-बार उपयोग में लाया जा सके। 2. संसाधन हमारे लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। संसाधन हमारा जीवन सम्भव एवं आरामदायक बनाते हैं। वस्तुओं को बाहर भेजकर या मँगवाकर हम आरामदायक जीवन बिताते हैं। 3. प्रकृति प्रदत्त संसाधन; जैसे– भूमि, मृदा और जल प्राकृतिक संसाधन हैं। जो संसाधन प्रयोग के बाद समाप्त किए जाते हैं अनुपयोगी संसाधन कहलाते हैं। 4. कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा के संसाधन हैं जो परिवहन और दूरसंचार के उपयोग में बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। 5. मानव द्वारा बनाई गई वस्तुएँ; जैसे–अलमारी, कूलर, कार, बस आदि मानव निर्मित संसाधन हैं। 6. मानव द्वारा बनाई गई वे वस्तुएँ जो देखने में प्राकृतिक वस्तुओं जैसी है कृत्रिम प्रतिस्थापन हैं; जैसे–कृत्रिम झरना और फव्वारा।

(ख) 1. कृषि संसाधन, ऊर्जा संसाधन, खनिज संसाधन 2. सम्भावित संसाधन, वास्तविक संसाधन अथवा विकसित संसाधन।

(ग) 1. **जैव संसाधन**–वे संसाधन जिन्हें हम जैव क्षेत्र से प्राप्त करते हैं और जीवन पाते हैं। **अजैव संसाधन**–वे सभी संसाधन जो निर्जीव पदार्थ से प्राप्त होते हैं। 2. **ऊर्जा संसाधन**–कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा के संसाधन हैं। **खनिज संसाधन**–पृथ्वी के गर्भ से खनन द्वारा प्राप्त संसाधनों को खनिज संसाधन कहते हैं। 3. **प्राकृतिक संसाधन**–प्रकृति की वे भेंटें जो

मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। **मानवीय संसाधन**–मानव द्वारा बनाई गई वस्तुएँ; जैसे–अलमारी, कूलर, कार आदि। मानव निर्मित संसाधन हैं। 4. **सम्भावित संसाधन**–ये वे संसाधन हैं जो एक क्षेत्र में मिलते हैं और भविष्य में प्रयोग किए जा सकते हैं। **वास्तविक संसाधन**–जो संसाधन प्रयोग में हैं या मानवों द्वारा पहले ही प्रयोग किए जा चुके हैं, वास्तविक संसाधन कहलाते हैं। 5. **अनवीकरणीय संसाधन**– प्रयोग के बाद ये संसाधन समाप्त हो जाते हैं और मानव के जीवन में वे पुन: प्रयोग नहीं किए जा सकते। **नवीकरणीय संसाधन**–ये संसाधन उपयोग के उपरांत भी समाप्त नहीं होते। ये भौतिक या रासायनिक प्रक्रिया से पुन: प्रयोग किए जाते हैं।

(घ) 1. वास्तविक संसाधन 2. मूल्यांकन 3. ऊर्जा 4. प्राकृतिक 5. बुद्धिमत्ता, सही उपयोग 6. अनवीकरणीय

(ङ) 1. दूध, मांस, खाल इत्यादि। 2. भोजन, कपड़ा, शरण इत्यादि। 3. तांबा, सोना, कोयला इत्यादि। 4. पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस 5. सूर्य की ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा 6. अलमारी, कूलर, कार, जहाज आदि। 7. चट्टानी खनिज, पौधे, पशु इत्यादि।

13. प्राकृतिक संसाधन
स्थलीय, जलीय और वन्यजीवन

(क) 1. प्राकृतिक संसाधन प्रकृति की वे भेंटें हैं जो मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। इन्हें सम्पत्ति के रूप में प्रयोग कर हम आरामदायक जीवन बिताते हैं। 2. पर्वत, पठार और मैदान भूमि संसाधन के तीन मूल रूप हैं। नदियों, झीलों, झरनों, तालाबों आदि में 1/5 भाग पानी बड़ी मात्रा में पाया जाता है जो कुल 280 मिलियन क्यूबिक किलोलीटर है। वन्य जीव संसार के लगभग सभी स्थानों पर हैं; जैसे–एशिया और यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका आदि। 3. आर्थिक रूप से सम्पन्न होने पर कोई राष्ट्र आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति कर सकता है। 4. वह राष्ट्र जिसमें शिक्षा, तकनीकी एवं मानव श्रम का उच्च स्तर हो वह राष्ट्र कम जनसंख्या होने पर भी अधिक शक्तिशाली होगा। 5. मानव संसाधन सभी जैविक संसाधनों में अधिक महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि मनुष्य अधिक बुद्धिमान होते हैं। वे अपनी बुद्धिमता से दूसरे संसाधनों का उचित प्रयोग कर सकते हैं। 6. वनों एवं जंगलों में रहने वाले सजीवों का समूह वन्य जीवन कहलाता है। 7. एशिया और यूरोप में बहुत प्रकार के पक्षी और जानवर पाए जाते हैं। उत्तरी अमेरिका में अनेक प्रकार के पक्षी, बन्दर, साँप और कीड़े पाए जाते हैं। दक्षिणी अमेरिका में बंदरों की असामान्य प्रजातियाँ; जैसे–मंकी हाउलर, स्पाइडर मंकी, सक्वेरिकल मंकी इत्यादि यहाँ मिलते हैं। अफ्रीका में हिप्पोपोटामस, हाथी, बंदर, चिंपैंजी, गोरिल्ला आदि हैं। आस्ट्रेलिया में वन्य जीवन के कुछ विचित्र पक्षी और पशु आते हैं। एंटार्कटिका में कई प्रकार की मछलियाँ और शैल मछलियों के झुण्ड, क्रिल मिलते हैं।

(ख) 1. भूमि पर। 2. पशुओं के गोबर और रासायनिक खाद द्वारा। 3. भूमि की उर्वरता, जल एवं जलवायु। 4. कृषि के लिए, रहने के लिए घर बनाने में, कारखाने तथा कार्यालय के लिए। 5. जीवों में जल ग्रहण क्षमता अधिक, बिना भोजन लम्बे समय तक रह सकते हैं। 6. मोर

(ग) 1. लवणीय जल नमकीन होता है, स्वच्छ जल नदियों, स्वच्छ पानी की झीलों, हिमनदों और भूमि के नीचे से प्राप्त होता है। 2. पठार सघन ऊँचा प्रदेश होता है जिसमें समतल सतह होती है और खड़ी ढाल होती है, पठार कहलाता है। मैदान पृथ्वी की सतह के निम्न और समतल स्थान हैं।

(घ) 1. भौतिक 2. 11 3. लगभग 330 मिलियन 4. 22.5 5. वनस्पति और जीवों से 6. नदियों के

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (घ) 5. (ख) 6. (क) 7. (घ) 8. (ग)

14. कृषि

(क) 1. अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में चावल की खेती की जाती है, जबकि संतुलित वर्षा वाले क्षेत्रों में गेहूँ उगाया जाता है। 2. बागान खेती मुख्यत: ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होती है। इस प्रकार की खेती में अधिक श्रम और धन लगता है। फसलें; जैसे–चाय, काफी, कोको, पाम आयल और रबड़ बागानों में उगाई जाती हैं। 3. व्यापक कृषि, गहन कृषि 4. कृषि सामान्यत: जलवायु, भूमि की उर्वरता, भूमि की ढाल, सिंचाई के साधनों, श्रम मजदूर इत्यादि से प्रभावित होती है। 5. पशुओं को मूलत: बेचने के लिए पालने हेतु बड़े फार्मों को पशुशाला कहते हैं। पशुशाला वैज्ञानिक रीति से संचालित होती है।

(ख) 1. कृषि अत्यंत प्राचीन गतिविधियों में से एक है जिनमें मानव संलिप्त रहे हैं। 2. वर्षा, आधुनिक औजार और रासायनिक खाद। 3. शुष्क खेती में उपलब्ध वर्षा के जल और नमी का श्रेष्ठ उपयोग करने के लिए विशेष उपाय किए जाते हैं। ऐसे उपायों में मृदा की नमी को बनाए रखने के लिए वर्षा के बाद खेत की गहरी जुताई, स्थाई निराई आदि जल का भण्डारण आते हैं। उदाहरण–मरुस्थलीय क्षेत्र। 4. मिश्रित खेती में खेती और पशुपालन दोनों कार्य एक ही खेत में होते हैं। खाद्यान्न; जैसे–गेहूँ, बाजरा, जौ उगाए जाते हैं, परंतु उनके साथ ही आलू, शलगम आदि भी उगाए जाते हैं।

(ग) 1. जीविका कृषि की यह पद्धति घनी जनसंख्या वाले क्षेत्रों, विशेषत: विकासशील देशों में होती है। व्यावसायिक कृषि सामान्यत: उन क्षेत्रों में होती है जहाँ जनसंख्या का घनत्व तो कम होता है पर यातायात अच्छा विकसित होता है। 2. शुष्क खेती में उपलब्ध वर्षा के जल और नमी का श्रेष्ठ उपयोग करने के लिए विशेष उपाए किए जाते हैं। आर्द्र खेती उन क्षेत्रों में होती है जहाँ अधिक या संतुलित वर्षा समान रूप से वर्षभर होती है, बिना सिंचाई के फसलें उगाई जा सकती है।

(घ) 1. शीत फसल 2. ग्रीष्म फसल 3. मत्स्य पालन 4. कीट पालन 5. बागवानी 6. अंगूरोत्पादन

(ङ) 1. पशुशाला 2. मत्स्यपालन 3. कीटपालन 4. अंगूरोत्पादन

15. खेती : मुख्य फसलें और विषय अध्ययन

(क) 1. गन्ना एक ऊष्णकटिबंधीय पौधा है, इसे बागान फसल के रूप में उगाया जाता है क्योंकि यह पकने के लिए एक वर्ष से अधिक का समय लेता है। गन्ने का पौधा 2 से 3 मीटर की ऊँचाई तक जाता है। इसकी फसल तब अच्छी होती है जब तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड होता है और वर्षा 6 माह से अधिक रहती है। 2. यह मध्य अक्षांश के क्षेत्रों का मुख्य उत्पाद है। गेहूँ को औसत तापमान की आवश्यकता होती है और यह मध्य अक्षांश के क्षेत्रों में अच्छा उगता है। गेहूँ 17 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान और 50 सेमी वर्षा के आसपास अच्छा उगता है। 3. उपऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में विशेषत: दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में, चावल ग्रीष्म में उगाई जाने वाली मुख्य फसल है। यह 27 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान और 150

सेमी वर्षा के आसपास अच्छा उगता है। यह चिकनी मृदा, जिसमें खड़ा हुआ पानी होता है, में अच्छा उगता है। 4. जूट को 150 से 200 सेमी वर्षा और 30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है। इसे गलाने के लिए बहुत-सा खड़ा पानी चाहिए ताकि इसे पानी में डुबोकर नर्म बनाया जा सके। भारत और बांगलादेश की जलवायु जूट की उपज के लिए अनुकूल है।

(ख) 1. कृषि अत्यंत प्राचीन मानवीय गतिविधियों में से एक है। भारत की 70% जनसंख्या प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर करती है। 2. वैज्ञानिक तकनीकों के कृषि में प्रयोग को हरितक्रांति कहा जाता है। 3. कपास को 80 से 120 सेमी वर्षा और 20 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है। इसके लिए काली मृदा श्रेष्ठ है। 4. कॉफी ऊष्ण जलवायु में अच्छी उगती है जहाँ दिन का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है। इसे अच्छी वर्षा की आवश्यकता होती है। 5. भारत, जापान, इंडोनेशिया, केनिया, युगांडा, आदि। 6. भारतीय कृषि मुख्यत: मानसूनी हवाओं पर निर्भर है जो अनिश्चित, अविश्वसनीय और असमान है। 7. रबड़ के वृक्षों को गर्म और नम जलवायु की आवश्यकता होती है इसे 30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान और 200 सेमी या अधिक अच्छी वर्षा की आवश्यकता होती है। 8. चावल 27 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान और 150 सेमी वर्षा के आसपास अच्छा उगता है।

(ग) 1. **खरीफ की फसल**-ग्रीष्म की फसल जिसे जून में मानसून के आरम्भ में बोया जाता है और नवम्बर के आरम्भ में काटा जाता है। **रबी की फसल**-भारत की शीत फसल जिसे नवम्बर में बोया जाता है और मार्च के आरम्भ में काटा जाता है। 2. चावल उच्च क्षेत्रों में उच्च भूमि चावल और निम्न मैदानों में निम्न भूमि चावल के रूप में उगाया जाता है। 3. रेशा फसलें; जैसे-कपास, जूट, सिल्क आदि। पेय फसलें; जैसे-चाय, कॉफी और कोको।

(घ) 1. शरद फसल 1. ग्रीष्म फसल 3. ब्राजील 4. अमेरिका 5. आस्ट्रेलिया 6. दक्षिण अमेरिका

(ङ) 1. वर्षा 2. खरीफ 3. खरीफ

16. उद्योग

(क) 1. उद्योग शब्द का प्रयोग आज जीवन के किसी भी क्षेत्र में उत्पादन की क्रिया के लिए किया जाता है। फिल्म उद्योग, संचार उद्योग, विज्ञापन उद्योग आदि। 2. उद्योग का आकार इसके द्वारा सेवा में लिए गए लोगों से ही नहीं होता, वरन् इसकी पूंजी और इसके उत्पादन से भी होता है। 3. बड़े स्तर के उद्योग, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग 4. औद्योगिक क्रांति से आधुनिक कारखानों का विकास और वृद्धि हुई। 5. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को चार मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-सार्वजनिक खण्ड, गैर-सरकारी खण्ड, संयुक्त खण्ड और सहकारी खण्ड। कच्चे माल के आधार पर उद्योगों को चार मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-कृषि आधारित उद्योग, वन पर आधारित उद्योग, खनिज पर आधारित उद्योग और चरागाह पर आधारित उद्योग 6. यह औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण संसाधन है।

(ख) 1. कुटीर उद्योग 2. लघु उद्योग 3. सरकारी और व्यक्तिगत संस्थानों के द्वारा। 4. लघु उद्योग 5. सामाजिक प्रकार के उद्योग हैं जिन्हें व्यक्ति विशेष द्वारा, जो सदस्यों का भला चाहते हैं, चलाया जाता है। 6. इनमें अधिक लागत की आवश्यकता नहीं होती और ये उद्योग परिवार के लिए जीविका उपलब्ध कराते हैं। 7. बड़े स्तर की कम्पनियों में लागत बड़ी होती है और कार्यक्षमता अधिक होती है।

(ग) 1. दुग्ध उद्योग 2. लोहा और स्टील 3. कागज उद्योग 4. जूट वस्त्र निर्माण

(घ) 1. जापान, अमेरिका, चीन और रूस 2. अमेरिका, यू के, रूस और जर्मनी 3. अमेरिका, जापान, भारत और जर्मनी 4. अमेरिका, जापान, जर्मनी और फ्रांस 5. अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान 6. अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस। 7. फ्राँस, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस।

17. उद्योग : कुछ विषय अध्ययन

(क) 1. लोहा एक मूल उद्योग है और अन्य उद्योग इस पर निर्भर करते हैं। स्टील मशीनों और अन्य उद्योगों के लिए जरूरी मूल पदार्थों के लिए महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है। यह उद्योग किसी भी देश के औद्योगिकरण के लिए आधार है क्योंकि बिना स्टील के कोई अन्य उद्योग विकास नहीं कर सकता। 2. वस्त्र उद्योग एक महत्त्वपूर्ण कृषि आधारित उद्योग है। वस्त्र उद्योग के उत्पादों की संसारभर में माँग है। इस उद्योग ने बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार दिया है। यह उद्योग सामान्यत: सूत उत्पादक क्षेत्रों में होता है। 3. अहमदाबाद भारत के कपास पट्टी के ठीक सिर पर स्थित है। काली मृदा वाले इस क्षेत्र में कपास भारी मात्रा में उगाया जाता है। क्षेत्र की जलवायु नम है जो कताई और बुनाई मिलों के लिए अतिरिक्त लाभदायक है। 4. ओसाका जापान का तृतीय विशाल शहर है, इसका मुख्य बंदरगाह ओसाका बे पर स्थापित है। यह जापान का मुख्य परिवहन केंद्र है। ओसाका जापान का मानचेस्टर कहलाता है। 5. सूचना प्रोद्यौगिकी में सूचना की प्रक्रिया, भण्डारण और हस्तांतरण को एक डिजिटल रूप में लिया जाता है। इसमें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर डिस्क्स, और विभिन्न संचार माध्यम के तंत्रों का निर्माण आता है। 6. अमेरिका के पश्चिमी भाग में केलीफोर्निया सिलिकान वैली के रूप में प्रसिद्ध है। बैंगलोर में कम्प्यूटर उद्योग का विकास हुआ है। कई अमेरिकी व यूरोपीय कम्पनियों के सहयोग से बैंगलोर में विकसित कम्पनियों के कारण इसे पूर्व की सिलिकान वैली कहा जाता है। 7. कच्चे माल की निरंतर और निशिचत आवक, जिससे माल तैयार किया जाता है स्थान और उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक है। कई उद्योग केवल कच्चे माल की दृष्टि से ही स्थान विशेष पर स्थापित किए जाते हैं। परिवहन और जलवायु भी महत्त्वपूर्ण हैं। 8. अमेरिका के पश्चिमी भाग में केलीफोर्निया सिलिकान वैली के रूप में प्रसिद्ध है। आज सांता क्लारा वैली हैवलेट पैकर्ड, इंटेल और लॉकहैड एयरोस्पेस के मुख्यालयों के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। स्टेनफोर्ड इंडस्ट्रियल पार्क स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के पास उच्च तकनीक केंद्र है। 9. मिशीगन में डेट्रायट संसार का एक मुख्य लोहा और स्टील उत्पादक केंद्र है। डेट्रायट का लोहा और स्टील उद्योग अब कुछ कठिनाई अनुभव कर रहा है। लेक सुपीरियर क्षेत्र से लौह अयस्क कम मात्रा में आ रहा है।

(ख) 1. लोहा और स्टील उत्पादक केंद्र। 2. छोटा नागपुर क्षेत्र झारखण्ड से। 3. नियाग्रा जल निगम, उद्योग के लिए पर्याप्त विद्युत उपलब्ध कराता है। 4. ओसाका कोबा क्षेत्र जापान के एक तिहाई सूती वस्त्रों का उत्पादन करता है इसलिए ओसाका जापान का मानचेस्टर कहलाता है। 5. बैंगलोर की जलवायु कार्य करने के लिए अत्यंत ऊर्जावान है। बैंगलोर के सॉफ्टवेयर पार्क आधुनिक तकनीक और उपकरणों के साथ कार्य करने को प्रेषित करते हैं। 6. क्योंकि इन

कंपनियों द्वारा भारत में कराया गया कार्य अधिक सस्ता है। 7. रसायन कृषि, चमड़ा, काँच, कागज, वस्त्र, चीनी, खाद, दवा, भोजन आदि में बहुत प्रयोग होता है।

(ग) 1. विशेष स्थान पर उद्योगों का समूह। 2. छोटा नागपुर, मुम्बई, अहमदाबाद, दिल्ली और बैंगलोर 3. अमेरिका, जापान और भारत 4. झारखंड 5. मिशीगन 6. सूती वस्त्र उद्योग 7. कर्नाटक 8. केलीफोर्निया 9. कृषि पर आधारित उद्योग 10. जमशेदपुर भिलाई, बोकारो, राउरकेला।

(घ) 1. भारत 2. भारी उद्योग 3. बैंगलोर 4. जापान 5. अमेरिका

(ङ) 1. कोयला उत्पादन 2. लोहे और स्टील का केंद्र 3. फिल्म इण्डस्ट्री 4. पेट्रोल, केरोसीन 5. बहुत-से

(च) 1. कोयला, मैगनीज, चूना पत्थर 2. कृषि फसलें, वनस्पति तेल, एल्कोहल, खनिज आदि 3. कपास 4. चूना पत्थर, जिप्स, मिट्टी

(छ) 1. (ख) 2. (घ)

18. मानव संसाधन

(क) 1. जनसंख्या समानता से संसार में कहीं भी वितरित नहीं है। अधिकतर लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं जो सुगम, सुरक्षित और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं। 2. सहारा क्षेत्र में जलवायु की कठोर स्थितियाँ हैं, ये या तो अत्यधिक ठण्डे या फिर अत्यधिक गर्म हैं, इस कारण से रहने के अनुकूल नहीं हैं। 3. उर्वर मृदाओं वाले क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व बंजर भूमि वाले क्षेत्रों की तुलना में अधिक होता है। नदी घाटी में विकसित प्राचीन संस्कृतियाँ इसका अच्छा अदाहरण है। 4. जनसंख्या का घनत्व प्रत्येक इकाई में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या का औसत होता है। 5. 15 से 65 वर्ष समूह के व्यक्ति रचनात्मक समूह के हैं जो देश को सम्पन्न तथा विकसित बनाते हैं क्योंकि इस समूह के व्यक्ति सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। जिन देशों में बड़ी सक्रिय जनसंख्या होती है वे अपने लोगों को अच्छा जीवन देते हैं।

(ख) 1. शिक्षण सुविधाएँ, उच्च आर्थिक स्तर, उपयुक्त वातावरण। 2. आज जन्म-दर और मृत्यु-दर के बीच अंतर है। शताब्दी बीतने के साथ मृत्यु-दर में गिरावट आई है मगर जन्म-दर उसके अनुरूप कम नहीं हुई है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों में कहीं अधिक अशिक्षा और गरीबी है। वे छोटे परिवार की बात को स्वीकार नहीं करते। 3. भारत में इस असंतुलन का कारण है छोटी लड़की के बढ़ने पर प्रत्येक वर्ष कम ध्यान दिया जाना। कुपोषण और स्वास्थ्य की देखभाल में कमी के कारण भारत में असंख्य छोटी लड़कियों की मृत्यु होती है। 4. औद्योगिक क्षेत्रों में जनसंख्या अधिक होती है। 5. लगभग 1,00,30,00,000

(ग) 1. 6,60,00,00,000 2. चीन और भारत 3. अनुकूल वातावरण का अभाव व आय के साधन उपलब्ध नहीं होना मुख्य कारण है। 4. चीन, भारत 5. कुपोषण और स्वास्थ्य देखभाल में कमी।

(घ) 1. प्रत्येक इकाई में रहने वाले लोगों का औसत होता है। 2. जन्म-दर, मृत्यु दर से अधिक। 3. एक विशेष वर्ष और विशेष स्थान में प्रति 1000 लोगों पर जन्म की संख्या। 4. एक विशेष वर्ष और विशेष स्थान पर प्रति 1000 में लोगों की मृत्यु। 5. एक देश के डेमोग्रेफिक (आयु, लिंग) पद्धति का अध्ययन उसके जन्म और मृत्यु के अनुमान के लिए करना आवश्यक है। 6. यह पुरुष व स्त्री का अनुपात होता है।

(ङ) 1. कुशल 2. पौष्टिक 3. जनसंख्या घनत्व 4. बढ़ती 5. उर्वर 6. शहरों

(च) 1. (ख) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ख)

इकाई-III : विधि और सामाजिक न्याय की भूमिका

19. संविधान की भूमिका

(क) 1. संविधान मूल नियमों का एक समूह है जो हमें निर्देश देता है कि कैसे एक सरकार बनाई जाए और सरकार के अंगों–कार्यकारी विधायिका और न्यायपालिका की स्थिति व शक्ति की व्याख्या करता है। 2. नियम लोगों की भलाई के उद्देश्य से बनते हैं परंतु यदि अच्छे नियम होते हैं तो बुरे नियम भी होते हैं। लोग ऐसे बुरे नियमों का विरोध करते हैं। 3. भारत की सर्वोच्च अदालत भारत के संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करती है। 4. दहेज उस धन अथवा सम्पत्ति को कहा जाता है जो एक पिता अपनी पुत्री के विवाह में वर पक्ष को देता है। यह भारत में एक सामाजिक बुराई बन गया है।

(ख) 1. (क) नमक सत्याग्रह डांडी यात्रा से आरम्भ हुआ। गाँधीजी ने अपने कुछ अनुयाइयों के साथ डांडी की ओर पदयात्रा की। डांडी में गाँधीजी ने नमक कानून का विरोध किया। (ख) मद्य निषेध के लिए एक समिति का गठन इस समस्या के निरीक्षण और सुझावों के लिए 1956 में हुआ। 2. नियम लोगों की भलाई के उद्देश्य से बनते हैं परंतु यदि अच्छे नियम होते हैं तो बुरे नियम भी होते हैं। लोग ऐसे बुरे नियमों का विरोध करते हैं। 3. ये नियम राजनीति स्वार्थों की पूर्ति के लिए सत्ताधारी सरकार द्वारा बनाए जाते हैं। इन्हें रोकने के लिए संविधान आगे आता है। 4. विवाह के समय कन्या पक्ष के द्वारा वर पक्ष को दिया जाने वाला धन अथवा सम्पत्ति दहेज कहलाती है। अधिकांश लड़के पक्ष द्वारा लड़की पक्ष से भेंट के रूप में बड़ी सम्पत्ति की माँग करते हैं। यह एक सामाजिक बुराई बन गया है जिसके कारण लड़कियों को समाज में एक बोझ माना जाता है।

(ग) 1. प्रजातंत्र लागू होने पर लोगों ने अपना प्रतिनिधित्व पाना आरम्भ किया, यही लोगों के लिए कानून बन गया। 2. जब अंग्रेजी सरकार ने देशी अखबारों की स्वतंत्रता का हनन करने वाला नियम 1878 में बनाया तो उन्होंने इसका उग्र विरोध किया। लोग इसके विरुद्ध एक हो गए और बंगाल विभाजन के समय इसका विरोध किया। 3. मद्य निषेध राज्य नीति के कार्यकारी सिद्धांत हमारे संविधान के चौथे भाग में सम्मिलित हैं। निषेद के लिए एक समिति का गठन इस

समस्या के निरीक्षण और सुझावों के लिए 1956 में हुआ। 4. दहेज प्रथा के कारण। 5. यह नागरिकों एवं सरकार के मध्य सम्बन्ध दर्शाता है।

(घ) 1. निषेध के लिए एक समिति का गठन इस समस्या के निरीक्षण और सुझावों के लिए 1956 में हुआ। गाँधीजी ने डांडी में अपने अनुयाइयों के साथ मिलकर स्वयं नमक बनाकर अंग्रेजों के नमक कानून का विरोध किया। 2. अंग्रेजी सरकार ने देशी अखबारों की स्वतंत्रता का हनन करने वाला नियम 1878 में बनाया तो लोगों ने इसका उग्र विरोध किया। 1930 में कांग्रेस ने गाँधी जी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया और अंग्रेजी सरकार के नमक कानून का विरोध किया।

(ङ) 1. विवाह 2. 1961 3. तमिलनाडु 4. गाँधीजी 5. 1956

(च) (घ)

20. भारतीय संविधान के मुख्य गुण

(क) 1. हमारे संविधान के प्रस्तावना शब्द हैं–"हम, भारतवासी विधिवत रूप से भारत को सम्प्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, प्रजातांत्रिक, गणतांत्रिक बनाना और सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित करने का निश्चय करते हैं। 2. हमारा संविधान संशोधित किया जा सकता है। संशोधनों का संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित होना और राष्ट्रपति द्वारा स्वीकृत होना आवश्यक है। 3. सम्प्रभुता से तात्पर्य है एक स्वतंत्र देश अथवा राज्य जो और किसी अन्य देश के नियंत्रण में नहीं है। 4. हमारे देश की जनता की आवश्यकताओं और स्थितियों के अनुरूप अच्छे विचारों को लेकर उन्हें अपने संविधान में समाहित किया गया।

(ख) 1. समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, संवैधानिक उपचार का अधिकार 2. राष्ट्रीय प्रतीकों का आदर करना, श्रेष्ठ आदर्शों का पालन, राष्ट्र को सुरक्षित रखना, राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होना, सौहार्द को प्रोत्साहन देना, राष्ट्रीय सम्पत्ति के प्रति आदर होना, हमारे प्राकृतिक वातावरण का विकास एवं संरक्षण करना, अच्छे समाज का निर्माण, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना। 3. हमारे देश की जनता की आवश्यकताओं और स्थितियों के अनुरूप अच्छे विचारों को लेकर उन्हें अपने संविधान में समाहित किया गया। इसलिए हमारा संविधान संसार में श्रेष्ठ संविधानों की श्रेणी में आता है। यह सबसे बड़े संविधानों में से एक है।

(ग) 1. समवर्ती सूची में वे विषय आते हैं जिन पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार नियम बना सकती हैं। 2. सामाजिक बुराइयों को दूर करके भारत के लोगों को कानून के सामने समान करना। 3. हमारे संविधान के प्रस्तावना शब्द हैं, "हम, भारतवासी विधिवत रूप से भारत को सम्प्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, प्रजातांत्रिक, गणतांत्रिक बनाना और सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित करने का निश्चय करते हैं।"

(घ) 1. भाईचारा लोगों के बीच मित्रता और सहयोग से सम्बंधित है जो आपस में एक दूसरे से सौहार्दता से जुड़े होते हैं। समानता के बिना कोई भी स्वतंत्रता सम्भव नहीं हो सकती। हमारे संविधान की प्रस्तावना में स्वतंत्रता के साथ समानता पर बल दिया गया है। 2. समाजवाद का अर्थ है–आमदनी और जीवन के स्तर में असमानता को हटाना। समाजवाद का मुख्य ध्येय सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना है। समानता सामाजिक स्तर और अवसर की ओर उन सभी में बढ़ाने की प्रस्तावना है।

(ङ) 1. समाजवाद 2. लार्ड माउंटबैटन 3. राजगोपालाचारी 4. राष्ट्र का विकास

(च) 1. (ग) 2. (क) 3. (क) 4. (ग) 5. (ख)

21. सरकार का संसदीय रूप

(क) 1. जब तक कि उसे सदन का समर्थन प्राप्त है। 2. संसद सर्वोच्च नियम बनाने वाली इकाई है। 3. विधायिका, कार्यकारी और न्यायपालिका। 4. सर एडविन लुटेइन्स ने। 5. वर्तमान में लोकसभा में 543 चयनित सदस्य तथा राज्य सभा में 245 चयनित सदस्य हैं।

(ख) 1. लोकसभा के सदस्यों का चयन सीधे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जनता द्वारा होता है, यह जनता की प्रतिनिधि इकाई है। 2. वह भारत का नागरिक होना चाहिए। उसके पास भारत सरकार का कोई भी लाभदायक कार्यालय नहीं होना चाहिए। उसका नाम चुनाव सूची में अवश्य होना चाहिए। 3. यह लोक सभा की तरह भंग नहीं हो सकती। राज्य सभा का प्रत्येक सदस्य 6 वर्ष के लिए चुना जाता है। इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष बाद ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं। 4. तीन अवस्थाओं (पठनों) से गुजरने के बाद। **प्रथम पठन**–इस अवस्था में किसी भी सदन का सदस्य विधेयक लाता है। **द्वितीय पठन**–इस अवस्था में विधेयक पर पूर्ण चर्चा होती है। **तृतीय पठन**–इस अवस्था में विधेयक द्वितीय पठन के बदलावों के बाद पुनः तैयार होता है। विधेयक के द्वितीय सदन में भी पारित होने के उपरांत राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। 5. कुछ ही शक्तियाँ हैं जो लोकसभा को संविधान प्रदत्त हैं। इसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली अधिकतर शक्तियाँ वे हैं जो संसद को दी गई हैं–(i) विधि निर्माण शक्ति, वित्त नियंत्रण शक्तियाँ, मंत्रियों की समिति, चुनावी कार्य, न्यायिक कार्य, आपातकाल की घोषणा।

(ग) 1. श्रीमती मीरा कुमार 2. वक्ता 3. जी०वी० मावलंकर 4. 250

(घ) 1. (ग) 2. (घ) 3. (क) 4. (ग) 5. (क) 6. (ग) 7. (क)

22. संघीय सरकार

(क) 1. सामान्य चुनाव के द्वारा लोकसभा के सदस्य चुने जाते हैं। चुनाव हर पाँच वर्ष में होते हैं। सारे देश को निर्वाचन क्षेत्रों में बाँट दिया जाता है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य चुना जाता है। चुनाव गुप्त मत पत्र द्वारा होते हैं। 2. लोकसभा का चुनाव लड़ने वाला व्यक्ति भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी 25 वर्ष की आयु हो

चुकी हो। जो लोग सरकारी सेवा मे हैं, या असंतुलित मस्तिष्क वाले हैं वे चुनाव लड़ने के लिए अनुपयुक्त हैं। 3. वक्ता लोकसभा की सभाओं की अध्यक्षता करता है। वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त सभाओं की भी अध्यक्षता करता है। संसदीय कमेटी उसके नियंत्रण में होती हैं। वह सदन में बैठने का केलेण्डर तैयार करता है। वह सदस्यों के त्यागपत्र स्वीकार करता है। 4. राज्य सभा में 250 तक सदस्य हो सकते हैं इनमें से 238 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन सदस्यों का चयन राज्य विधान सभा के सदस्यों द्वारा होता है। 5. 14 वर्ष से अधिक परंतु 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को किशोरवय माना जाता है, सक्षम अधिकारी का अर्थ है ऐसा अधिकारी, जिसे उपयुक्त सरकार की अधिसूचना द्वारा नियुक्त किया गया है। नियोक्ता का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जो सेवा लेता हो, परोक्ष या अपरोक्ष रूप से या अपने माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, एक या अधिक कर्मचारी किसी सेवायोजन में जिसमें कम-से-कम वेतन निर्धारित हो नियम के अधीन, धारा 26 की उप धारा (3) को छोड़कर।

(ख) 1. निचले सदन 2. 5 3. जनसंख्या 4. 97 5. 18

(ग) 1. सीधे जनता द्वारा चयनित। 2. गुप्त मतदान, दलों का एक समूह जो सरकार बनाए। 4. राज्य की समिति। 5. अध्यादेश बनाता है जब दोनों सदन सत्र में नहीं होते।

(घ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क) 5. (घ)

23. न्यायपालिका

(क) 1. न्यायपालिका। 2. भारत में सर्वोच्च न्यायालय को न्यायपालिका व्यवस्था के पिरामिड में शिखर स्थान प्राप्त है। 3. प्रथम लोक अदालत दिल्ली में सन् 1985 में लगाई गई थी। 4. जो न्यायाधिकारी दीवानी मामलों की सुनवाई करता है वह जिला न्यायाधीश अथवा जिलाधीश के रूप में जाना जाता है।

(ख) 1. ये दो प्रकार के होते हैं–दीवानी एवं आपराधिक न्यायालय। इनमें जो न्यायाधिकारी दीवानी मामलों की सुनवाई करता है वह जिला न्यायाधीश के रूप में जाना जाता है और जो आपराधिक मामलों की सुनवाई करता है वह सत्र न्यायाधीश कहलाता है। 2. उच्च न्यायालय के पास अधिकार होता है कि वह मूलाधिकारों को लागू करने के सम्बन्ध में लिखित आदेश जारी करे। 3. सर्वोच्च न्यायालय उच्च न्यायालयों के निम्न तीन प्रकार के मामलों में दिए गए निर्णयों से सम्बंधित याचिकाओं की सुनवाई करता है जो निम्न प्रकार हैं–(i) वैधानिक मामले (ii) आपराधिक मामले (iii) संविधान की व्याख्या से सम्बन्धित मामले।

(ग) 1. 1,00,000 2. 62 3. जिला 4. संविधान

(घ) 1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ग) 5. (क) 6. (ग) 7. (ग)

24. सामाजिक न्याय

(क) 1. नीची जाति के लोगों को समाज से दूर रखना तथा उनके साथ बुरा व्यवहार करना। 2. जाति व्यवस्था, वर्ण अथवा रंग के आधार पर आधारित थी, फिर यह समाज के चार भागों में बँट गई और वंशानुगत हो गई। 3. ऐसी व्यवस्था जो लोगों के रंग के आधार पर आधारित हो। 4. कर्म के आधार पर आधारित व्यवस्था। 5. उनके व्यवहार, खान-पान, रहन-सहन तथा उनके कार्यों को देखकर लोगों में जातिवाद का वाह्य दृष्टिकोण उभरता है।

(ख) 1. लोगों के उनके कार्य-व्यवहार के अनुसार समाज में अलग-अलग समूहों में बँट जाने के बाद जाति व्यवस्था प्रादुर्भाव में आई। 2. समाज इकाइयों में विभाजित हो गया और सभी प्रकार के दासोचित कार्य शूद्रों एवं अछूतों द्वारा किया जाना अनिवार्य कर दिया गया। इस कठोरता के कारण समाज का प्रत्येक भाग प्रभावित हुआ। 3. लोगों को जाति व्यवस्था के बुरे पक्षों के बारे में जागरूक बनाया जाए। आजकल के आधुनिक भारत में, विशेषरूप से शहरी इलाकों में जाति प्रथा इतनी रूग्ण नहीं रह गई है। विज्ञान और तकनीक के विकास और औद्योगिकरण में हुई उन्नति एवं साथ ही सामाजिक सुधार के प्रति विभिन्न आंदोलनों ने लोगों के व्यवहार और दृष्टिकोण में काफी बदलाव किया है। 4. कानूनी रूप में अस्पृश्यता का उन्मूलन कर दिया गया है साथ ही बालकों को राज्य द्वारा संचालित शिक्षा संस्थानों में शिक्षा से वंचित नहीं रखा है तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसूचित जाति अथवा जनजातियों के लिए सीटों को आरक्षित रखा है। 5. कहा जाता है कि वैदिककाल में स्त्रियाँ भारत के समाज में पुरुषों के बराबर का स्थान रखती थीं। आधुनिक काल के समाज में प्राय: स्त्रियों को हेय दृष्टि से देखा जाता है और लड़कियों को लड़के के समान व्यवहार और अवसर नहीं मिलते हैं।

(ग) 1. कार्य-व्यवहार की श्रेणी पर आधारित होने के बाद। 2. लोगों की शिक्षा और विकास के कारण। 2. अनुसूचित जनजातियों को भी समान प्रकार के अनुदान एवं आरक्षण प्रदान किए गए हैं जो अनुसूचित जाति के लोगों को दिए गए हैं। उनको भी सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण की सुविधा दी गई है। 4. अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों के लिए विभिन्न प्रतियोगी और प्रारम्भिक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु परीक्षा-पूर्व प्रशिक्षण की सुविधा तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लड़के एवं लड़कियों के लिए छात्रावास सुविधा।

(घ) 1. पारिवारिक मूलत्व, पद और सम्पत्ति की। 2. प्राचीन वैदिक काल, 3. चार भागों 4. नवीं पंचवर्षीय योजना 5. केन्द्रीय बोर्ड 6. इन्दिरा गाँधी

(ङ) 1. जाति व्यवस्था समाज की ऐसी व्यवस्था है जो लोगों के वंशानुगत तथा मूलत्व पर आधारित है तथा वर्ण व्यवस्था लोगों के कार्य-व्यवहार श्रेणी पर आधारित है। 2. अनुसूचित जाति के लोग जो निम्नस्तरीय कार्य करते हैं उन्हें 'अछूत' भी कहा जाता है तथा अनुसूचित जनजाति में वे लोग आते हैं जो अधिकतर जंगलों में निवास करते हैं तथा इनके रीति-रिवाज और जीवन शैली अन्य

लोगों से बहुत भिन्न होती हैं।

(च) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (घ)

25. अस्पृश्यता : एक सामाजिक अभिशाप

(क) 1. अस्पृश्यता के आधार पर। 2. उन्हें मानव मल-मूत्र उठाने, साफ-सफाई, मृत पशुओं को ढोने तथा शमशान घाट में मुर्दों को फूँकने आदि कार्यों के लिए उपयुक्त समझा जाता रहा है। 3. अस्पृश्यता का सबसे बुरा प्रभाव यह होता है कि वह समाज के एक बड़े भाग को निरुत्साहित कर देती है। 4. भारत का संविधान सभी नागरिकों को छह मूलभूत अधिकारों का आश्वासन प्रदान करता है। इस बात को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 'अस्पृश्यता' की प्रथा को नागरिक अधिकार नियम, 1955 के अन्तर्गत एक दण्डनीय अपराध घोषित कर दिया गया है। 5. संचार के साधनों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी नुक्कड़ नाटकों के मंचन द्वारा और अस्पृश्यता की कुप्रथा के विरूद्ध लेख लिखकर इसके लिए एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाया है।

(ख) 1. महात्मा गाँधी ने यह घोषणा की कि अछूत लोग 'हरिजन' होते हैं अर्थात् वे लोग जो भगवान को भी प्रिय हैं। उन्होंने उनको भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और स्वतंत्रता आंदोलन में समाहित करने का भी प्रयास किया। 2. हरिजनों को अस्पृश्यता रूपी सामाजिक कुप्रथा के कारण दरिद्रता और गन्दीयुक्त परिस्थितियों में रहना पड़ता है। 3. सरकार द्वारा अस्पृश्यता के विरुद्ध कानून के रूप में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया है। साथ ही साथ ऐसे तरीकों को भी अपनाया गया है जिससे लोगों में इसके विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न हो। 4. हमें बच्चों को भी इस सामाजिक बुराई के घातक और बुरे प्रभाव के बारे में जागरूक करना चाहिए। हम यह तभी कर सकते हैं जब हम उनमें भाईचारे की भावना को बढ़ावा दें। 5. संचार के साधनों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी नुक्कड़ नाटकों के मंचन द्वारा इस विषय पर गोष्ठियों के आयोजन एवं वाद-विवाद कार्यक्रमों के आयोजन ने भी इसके विरुद्ध जागरूकता बढ़ाई है।

(ग) 1. अस्पृश्यता 2. अपशकुन 3. हरिजन

(घ) 1. हरिजन वे लोग जो दासोचित कार्य करते हैं तथा वैश्य वे लोग जिनका सम्बन्ध व्यवसाय के साथ था।

(ङ) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही

(च) 1. शूद्र 2. भगवान के लोग 3. मूलभूत अधिकार 4. स्वयंसेवी संस्थाएँ

(छ) 1. (ग) 2. (ग) 3. (क)

26. सरकार की आर्थिक स्थिति

(क) 1. कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता वाला स्थान दिया गया। 2. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम 3. 1950 में। 4. आर्थिक विकास केवल सही प्रकार के नियोजन द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।

(ख) 1. यह हमारी भोजन की मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति करती है। साथ ही साथ हमें कई उद्योगों के लिए कच्चे माल की भी आपूर्ति करती है। 2. सन् 1950 और 1960 के दशकों में सरकार का विश्वास निर्धनता को समूल समाप्त करने के लिए 'नीचे बहने के सिद्धान्त' पर था। इस दृष्टिकोण के अनुसार निर्धनता उन्मूलन एक सतत् और धीमी प्रक्रिया है जो अर्थव्यवस्था के बढ़ने पर निर्भर करती थी। अत: उसका पूरा प्रयास अर्थव्यवस्था की प्रगति को गति प्रदान करना था।

(ग) 1. स्वयं-रोजगार हेतु ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम 2. हमारी आर्थिक व्यवस्था की उत्पादकता और कार्यक्षमता में प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों का निर्माण करके वृद्धि करना, आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण जैसे सिद्धान्तों का पालन करना। 3. ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को आसानी से शहरों में लाया जा सकता है जिससे उन्हें इनका सही मूल्य प्राप्त हो सके। 4. द्वितीय पंचवर्षीय योजना अपेक्षाकृत आर्थिक स्थायित्व के काल में नियोजित की गई। द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भारी एवं मूलभूत उद्योगों का विकास करना मुख्य लक्ष्य था।

(घ) 1. पाँचवी 2. गरीबी रेखा 3. 1961 4. ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को 5. जनसंख्या, दोषपूर्ण

(ङ) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

इकाई-IV : आपदा प्रबन्धन

27. आपदा प्रबन्धन

(क) 1. रेनवाटर हार्वेस्टिंग सूखाग्रस्त क्षेत्रों में की जाती है जहाँ वर्षा जल को इमारतों की छतों पर एकत्र करके फसल उगाते हैं। 2. आपदाएँ विभिन्न प्रकार की होती हैं। इनसे बचने के लिए आपदा प्रबंधन संबंधी ज्ञान होना चाहिए। 3. प्रथम अवसर पर ही हमें ऐसी दरार वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए और वहाँ आबादी वाली बस्तियाँ नहीं बनानी चाहिए।

(ख) 1. आपदा, संकट या खतरे की स्थिति को कहते हैं। सूखा और भूकम्प। 2. घातक संकट एक प्रकार का जोखिम होता है जिसका सम्बन्ध किसी संभावित खतरे से होता है। 3. विशेषरूप से भारी वर्षा के कारण पानी का तेज प्रवाह के होने को आकस्मिक बाढ़ का आना कहते हैं। 4. हवाओं का बहाव बहुत भयंकर होने के कारण विध्वंसकारी हो जाता है। 5. तटीय क्षेत्रों में वनों को समाप्त करने से चक्रवातों की विध्वंसकता बढ़ जाती है। 6. किसी क्षेत्र में वर्षा का लम्बे समय तक ना होना। जंगलों का अवैध कटान तथा जमीन का गलत प्रयोग इसके मुख्य कारण हैं। 7. आपदा प्रबंधन का अर्थ स्वयं की सुरक्षा और असमय आने वाली प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी से है। 8. हम मानवीय जीवन और सम्पत्ति को सुरक्षित कर सकते हैं।

(ग) 1. बाढ़, सूखा 2. समुद्री 3. क्षेत्र 4. रिक्टर, मर्सेली 5. पानी

(घ) 1. (ग) 2. (ख) 3. (ख)